3 राजधानी
इस बार गैस चैंबर नहीं बनेगी दिल्ली

6 अभिमत
ड्रैगन सेना की भयावह कमजोरी

10 स्पोर्ट्स
मौरिस-फिंच के आने से कम होगा कोहली पर दबाव

11 विदेश
भारत ने संरा में पाक को घेरा

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 311
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 17 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

स्वयं को बाहरी नहीं मानतीं अदिति राव हैदरी
विविध-12

एलएसी पर 15 दिन में चार बार फायरिंग

● पैंतालिस सालों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत-चीन की सेनाओं ने हवा में दागीं 200 राउंड से ज्यादा गोलियां ● विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग के बीच 10 सितंबर की द्विपक्षीय बैठक के बाद थोड़ा सुधरे हालात ● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत-चीन मुद्दे पर आज राज्यसभा में देंगे बयान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इस हफ्ते सैन्य स्तर की वार्ता के लिए सहमति जताने के बावजूद चीन ने अभी तक इस संबंध में किसी तिथि की पुष्टि नहीं की है। इसके चलते पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चल रहे गतिरोध को खत्म करने की कोशिशें बाधित हो रही हैं। सीमा पर हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि पिछले 15 दिनों में भारत और चीन की सेनाएं चार बार फायरिंग कर चुकी हैं।

पिछले 10 सितंबर को भारत के विदेश मंत्री एस जयसंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग येई के बीच विस्तृत बातचीत के बाद तनाव कम हुआ है। दोनों पक्षों में इस बात को लेकर सहमति हुई कि सैन्य और कूटनयिक स्तर पर बातचीत जारी रहेगी। सूत्रों ने कहा कि चीन को अभी भारत को यह सूचित करना है कि बातचीत की अगली तिथि कौन सी होगी। दोनों पक्षों ने इस बात पर सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई थी कि अगले दौर की बातचीत इसी हफ्ते में किसी समय होगी। विपक्ष सरकार से यह जानना चाहता है कि चीन ने मई से घुसपैठ की कई कोशिशें की है क्या उसने हमारी जमीन के किसी हिस्से पर कब्जा किया है, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को राज्यसभा में भारत-चीन मुद्दे पर एक बयान देंगे। यह घोषणा रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में एक पार्टी बैठक के बाद की गई।

इसमें यह तय किया गया कि सरकार चीन संकट, जीएसटी, कोविड तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा की अनुमति देगी। बैठक में राजनाथ ने इस बात पर सहमति जताई कि राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान वह एलएसी पर हालात के संबंध में एक या दो सवालों का जवाब देंगे। एलएसी पर पीएलए की टुकड़ियों के जमावड़े को लेकर भारत चिंतित है क्योंकि चीन ने अभी तक सही तरीके से अपनी सेना को पीछे हटाने के कोई संकेत नहीं दिए हैं।

लेह में बुधवार को चीन सीमा से लगे क्षेत्र में तनाव के बीच उतरा भारतीय वायु सेना का युद्धक विमान

लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और उनके चीनी समकक्ष लियू लिन के बीच जून से अभी तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन ये वार्ताएं बेनतीजा ही रही हैं।

पिछले दौर की बातचीत दो अगस्त को हुई थी, दोनों पक्षों ने टकराव के बिंदुओं से अपनी सेनाओं को पीछे ले जाने पर सहमति जताई थी और आपसी भरोसा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त टुकड़ियों को भी पीछे ले जाने की बात हुई थी। लेकिन चीन ने बाद में ऐसा करने से इनकार कर दिया और गतिरोध कायम है। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर मई से शुरू हुए गतिरोध के बाद मास्को में पहली बार द्विपक्षीय बैठक हुई थी और दोनों मंत्रियों ने सीमा पर सेनाओं को पीछे हटाने तथा तनाव कम करने के लिए पांच सूत्रीय योजना पर सहमति जताई थी। इसके बाद से एलएसी पर सभी टकराव के स्थानों पर कमोबेश शांति बनी हुई है। फायरिंग के संबंध में जानकारी देते हुए सूत्रों ने बुधवार को कहा कि सीमा पर ऐसी चार घटनाएं हुई थीं। हालांकि दोनों पक्षों का कहना है कि सात सितंबर को एक घटना हुई थी। चीन भारत पर फायरिंग शुरू करने का आरोप लगा रहा है, वही भारत ने इस आरोप को सिरे खारिज करते हुए 45 साल से चली आ रही शांति का उल्लंघन करने के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। घटनाओं के संबंध में ब्योरा देते हुए सुरक्षा प्रतिष्ठान स्थिति सूत्रों ने कहा कि पहली दो घटनाएं 29 और 30 अगस्त को हुई जब पैंगोंग त्सो (झील) के दक्षिण किनारे से चीन (शेष पेज 9)

भारत-चीन सीमा पर 6 माह में कोई घुसपैठ नहीं : केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को कहा कि पिछले छह महीने में भारत-चीन सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई जबकि इस अवधि में भारत-पाक सीमा पर घुसपैठ के प्रयास के 47 मामले सामने आए हैं। राज्यसभा में आज एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा घुसपैठ के 594 प्रयास किये जाने के मामले सामने आए जिसमें 312 घुसपैठ हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'पिछले छह महीने में भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ का कोई मामला सामने नहीं आया है।' एक अन्य सवाल के जवाब गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पिछले तीन वर्षों के दौरान सुरक्षा बलों ने 582 आतंकवादियों को मार गिराया और इस अवधि में 46 आतंकी पकड़े गए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 से इस वर्ष 8 सितंबर तक जम्मू कश्मीर में 76 सैन्यकर्मी शहीद हुए।

अयोध्या विवादित ढांचा ध्वंस मामले में फैसला 30 को

● आडवाणी, जोशी, कल्याण, उमा सहित सभी आरोपियों को न्यायालय में उपस्थित रहने का आदेश

विधि संवाददाता। लखनऊ

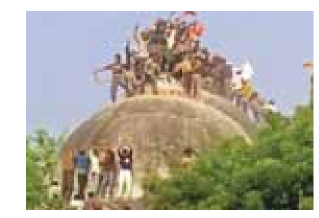

अयोध्या के विवादित ढांचा को ढहाए जाने के आपराधिक मामले में सीबीआई की विशेष अदालत (अयोध्या प्रकरण) का बहुप्रतिक्षित फैसला 30 सितंबर को आएगा। बुधवार को विशेष जज सुरेंद्र कुमार यादव ने यह आदेश जारी करते हुए उस रोज सभी 32 मुल्जिमों को अदालत में उपस्थित रहने को कहा है। करीब 28 साल की लम्बी कानूनी प्रक्रिया के बाद इस मामले का फैसला आने जा रहा है।

इस दरम्यान इस मामले के 49 में 17 मुल्जिमों की मौत हो चुकी है। पांच अक्टूबर, 1993 को सीबीआई ने जांच के बाद इस मामले में कुल 49 मुल्जिमों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। जिसमें 13 मुल्जिमों को विशेष अदालत ने आरोप के स्तर पर ही डिस्चार्ज कर दिया था। सीबीआई की ओर से इस आदेश को पहले हाईकोर्ट व बाद में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इधर, लखनऊ में सीबीआई की विशेष अदालत (अयोध्या प्रकरण) में फैजाबाद के तत्कालीन डीएम आरएन श्रीवास्तव समेत कुल 28 मुल्जिमों के मुकदमे की कार्यवाही शुरू हो गई। जबकि लालकृष्ण आडवाणी समेत आठ मुल्जिमों के मामले की कार्यवाही रायबरेली की विशेष अदालत में चलने लगी।

इस दरम्यान अशोक सिंघल व गिरिराज किशोर की मौत हो गई। 19 अप्रैल, 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक आदेश पारित कर रायबरेली की विशेष अदालत में चल रही कार्यवाही को लखनऊ स्थित सीबीआई की विशेष अदालत (अयोध्या प्रकरण) में स्थानांतरित कर दिया। साथ ही इस मामले के मुल्जिमों पर आपराधिक षडयंत्र के तहत भी आरोप तय करने का आदेश दिया। साथ ही पूर्व में आरोप के स्तर पर डिस्चार्ज किए गए मुल्जिमों के खिलाफ भी मुकदमा चलाने का आदेश दिया। 18 मई, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के अनुपालन में सीबीआई की विशेष (शेष पेज 9)

वैक्सीन की दस करोड़ डोज के लिए डॉ. रेड्डीज लैब का रूस से समझौता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 के खिलाफ अपने टीके स्पूतनिक-5 के परीक्षण और वितरण के लिए रूसी प्रत्यक्ष निवेश फंड (आरडीआईएफ) डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के साथ मिलकर काम करेगी। आरडीआईएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी किरिल दमित्रिएव ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि टीके के क्लीनिकल परीक्षण के लिए सभी आवश्यक शर्तें पूरी हों यह सुनिश्चित करने के लिए आरडीआईएफ भारतीय नियामकों के साथ बातचीत कर रहा है। दमित्रिएव ने कहा, आरडीआईएफ और भारत में मुख्यालय वाली वैश्विक दवा कंपनी डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड के बीच 10 करोड़ रूसी स्पूतनिक-5 टीके की आपूर्ति पर सहमति बनी है और भारत में टीके के क्लीनिकल परीक्षण और वितरण पर भी वे मिलकर काम करेंगे। आरडीआईएफ प्रमुख ने कहा कि अगर सबकुछ सही रहा तो भारत में नियामक प्राधिकारियों के पास टीके का पंजीकरण कराने के बाद इसकी आपूर्ति नवंबर 2020 तक शुरू हो सकती है। यह कदम सफल परीक्षण और नियामकों की मंजूरी मिलने के अधीन है। आरडीआईएफ अधिकारियों ने कहा कि भारत में तीसरे चरण का परीक्षण किया जाएगा और इस बारे में जल्द ही घोषणा होने की उम्मीद है।

कोरोना वायरस के खिलाफ टीके स्पूतनिक-5 को गामालेया राष्ट्रीय रोगविज्ञान एवं सूक्ष्मजीव शोध संस्थान व आरडीआईएफ ने मिलकर बनाया है। दमित्रिएव ने कहा कि स्पूतनिक-5 का अतिरिक्त क्लीनिकल अध्ययन ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और बेलारूस समेत अन्य देशों में किया जाएगा। रूस ने इस महीने के शुरू में कहा था कि वह टीके के मुद्दे पर भारतीय अधिकारियों के संपर्क में है। आरडीआईएफ ने डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज (शेष पेज 9)

कोरोना पर घिरी सरकार, लॉकडाउन में देरी के लिए नमस्ते ट्रंप जिम्मेदार

● राज्यसभा में कोविड 19 की स्थिति पर चर्चा में भाग लेते विपक्षी सांसदों ने दागे तीखे सवाल-सरकार आज देगी जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में तेजी से फैलते कोरोना संक्रमण के बीच विपक्ष ने बुधवार को संसद में केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उसने आरोप लगाया कि नमस्ते ट्रंप के आयोजन और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की निर्वाचित सरकार को गिराने के अलोकतांत्रिक कारनामे के चलते कोविड-19 वायरस की रोकथाम के लिए लॉकडाउन लागू करने में देर हुई।

कोविड-19 की स्थिति पर संसद में पहली चर्चा में भाग लेते द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि सरकार ने लॉकडाउन लगाने में जानबूझकर देर की और इसकी एकमात्र वजह डोनाल्ड ट्रंप थे। शिवा ने तीखे सवाल दागते हुए कहा कि क्या लॉकडाउन की घोषणा में देर के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फरवरी दौरा था। क्या ट्रंप के कारण यह सब किया गया जिनके लिए सरकार ने मेगा शो आयोजित किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति 23 फरवरी को दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे जिनके स्वागत के ए अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप नाम से विशाल रैली का आयोजन किया गया था। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्द्धन के संसद में मंगलवार को दिए बयान पर प्रतिक्रिया देते तमाम विपक्षी नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार ने बगैर किसी योजना के लॉकडाउन लागू कर दिया था जिससे देश की जनता को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस के नेता आनंद शर्मा ने स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर चर्चा की शुरुआत करते हुए अचानक घोषित लॉकडाउन के लिए सरकार पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र का दावा है कि इससे कोविड संक्रमण के 14 से 29 लाख मामले रोकने में कामयाबी मिली और अब वह कह रही है कि उसके पास प्रवासी मजदूरों का कोई आंकड़ा ही नहीं है। कांग्रेसी सांसद ने स्वास्थ्य मंत्री से जानना चाहा कि क्या सरकार ने गत 25 मार्च को लॉकडाउन लगाने से पहले कोई तैयारी की थी? मंगलवार को हर्षवर्द्धन ने कहा था कि यह फैसला (लॉकडाउन) से कोविड 19 संक्रमण के करीब 14 से 29 लाख केस और 37,000 से 78,000 मौत रोकने में कारगर रहा।

इस दावे पर सवाल दागते आनंद शर्मा ने कहा कि सदन को यह जानकारी जरूर दी जानी चाहिए कि इसका वैज्ञानिक आधार क्या है और इस नतीजे पर कैसे पहुंचा गया, अंतर बहुत बड़ा है। प्रवासी मजदूरों के बारे में कोई आंकड़ा नहीं होने पर भी सरकार की घेरेबंदी की गई। शर्मा ने कहा कि क्या शहरों में प्रवासी मजदूरों के लिए क्वारंटीन सेंटर समेत अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई-इससे उनकी वापसी को प्रतिबंधित कर (शेष पेज 9)

दिल्ली दंगों में 15 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

● कड़कड़डूमा कोर्ट में दस हजार पन्नों की चार्जशीट दो बक्सों में लेकर पहुंची पुलिस, 747 गवाहों के बयान दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने दिल्ली दंगों के 15 आरोपियों के खिलाफ बुधवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून आईपीसी और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत कड़कड़डूमा कोर्ट में 10 हजार पन्नों की एक और चार्जशीट दायर कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक आरोप पत्र में नामजद लोगों में ताहिर हुसैन, मोहम्मद परवेज अहमद, मोहम्मद इलियास, सैफी खालिद, इशरत जहां, मीरान हैदर, सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तन्हा, शाहदाब अहमद, नताशा नरवाल, देवांगना कलीता, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान और अतहर खान शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत से कहा कि इसमें सीडीआर (कॉल डेटा-रिकार्ड) और व्हाट्सऐप चैट को आधार बनाया गया है। आरोप पत्र 10,000 पृष्ठों का है। इसमें पुलिस ने 747 गवाहों को बयान दर्ज किए हैं। उनमें से 51 के बयान सीआरपीसी की धारा 164 के तहत (मजिस्ट्रेट के समक्ष) दर्ज किए गए हैं। अंतिम रिपोर्ट यूएपीए, आईपीसी और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दाखिल किए गए हैं।

पुलिस ने कहा कि उसने आरोप पत्र में साजिश का घटनाक्रम और संबद्ध घटनाओं का ब्योरा दिया है, जिन पर आने वाले दिनों में विचार होने की संभावना है। साक्ष्य में 24 फरवरी के व्हाट्सऐप चैट शामिल हैं, जब दंगे हुए थे। उस वक्त मुख्य षड्यंत्रकारी, दंगाइयों को इलाके में हिंसा के बारे में निर्देशित कर रहे थे। मुख्य साजिशकर्ता अपने लोगों के साथ सीधे संपर्क में था। पुलिस के अनुसार सीलमपुर-जाफराबाद इलाके में हिंसा (शेष पेज 9)

कोटा में नौका पलटने से कम से कम 11 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। कोटा

राजस्थान के बूंदी जिला स्थित एक मंदिर तक 30 से अधिक श्रद्धालुओं को ले जा रही एक नौका के बुधवार सुबह यहां पलट जाने से महिलाओं एवं बच्चों समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोग अब भी लापता है जबकि 20 श्रद्धालुओं को बचा लिया गया है। कोटा के खटोली-इटावा इलाके के रहने वाले ए लोग बूंदी के इंदरगढ़ स्थित कमलेश्वर मंदिर जा रहे थे। यह हादसा कोटा जिला मुख्यालय से करीब 110 किलोमीटर दूर खटोली पुलिस थाने के तहत गोत्रा गांव के निकट सुबह करीब पौने नौ बजे हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि जहां नौका पलटी, वहां नदी की गहराई 40 से 45 फुट थी। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी उज्ज्वल राठौर ने कहा, खटोली में हुए हादसे में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि 20 लोग बचा लिए गए हैं।

बाजार

सेंसेक्स	39,302	↑	258	
निफ्टी	11,604	↑	82	
सोना	53,030	↓	137	/10g
चांदी	70,553	↓	517	/kg

क्विक न्यूज

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कोरोना वायरस से संक्रमित

मुंबई। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए है। उन्होंने ट्वीट किया, मै कल कमजोरी महसूस कर रहा था, जिसके बाद मैने डॉक्टर को दिखाया। इलाज के दौरान मेरे कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा, आप सभी की दुआओं से फिलहाल मेरी तबीयत ठीक है। मैने खुद को पृथक कर लिया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल मे अमित शाह, श्रीपद नायक, धर्मेन्द्र प्रधान, अर्जुन राम मेघवाल, गजेन्द्र सिंह शेखावत और सुरेश अंगड़ी भी हाल ही मे कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। कोरोना से संक्रमित पाए गए बड़े नेताओं मे कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा, मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित शामिल है।

केंद्र को दिल्ली सरकार का पत्र उसके पास हैं 40 हजार मकान

● झुग्गी वालों के पुनर्वास का मामला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने झुग्गी वालों को आशियाना दिलाने में पूरा सहयोग देने का केंद्र सरकार को भरोसा दिया है। दिल्ली सरकार के गृहमंत्री सत्येंद्र जैन ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा रेलवे लाइन के आसपास की करीब 48 हजार झुग्गियों के हटाने के आदेश को लेकर केंद्रीय मंत्री रेल मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के पास 40 हजार से अधिक फ्लैट हैं।

इनमें से कुछ बन कर तैयार हैं और कुछ जल्द बन कर तैयार हो जाएंगे। जरूरत पड़ने पर इन फ्लैटों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। सत्येंद्र जैन ने कहा है कि जहां झुग्गी, वहीं मकान योजना के तहत झुग्गी में रहने वाले लोगों को आसपास बसाने के लिए सभी सरकारी एजेंसियों के सहयोग की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए विस्तृत योजना बनानी होगी और अगर रेल मंत्रालय चाहे, तो दिल्ली सरकार यह योजना बना कर दे सकती है। इस बारे में पिछले हफ्ते रेलवे को पत्र भी लिखा था। यह फ्लैट दिल्ली के बाहरी इलाकों में हैं। इन फ्लैटों को उन झुग्गी वासियों को दिया जा सकता है, जिनके आसपास कहीं भी खाली जमीन न हो और उन्हें योजना के तहत मकान देना संभव नहीं हो।

जैन ने के अनुसार कोविड-19 महामारी के दौरान इन्हें हटाना ठीक नहीं रहेगा। जब तक कोरोना महामारी है, तब तक इन्हें न हटाया जाए। इन्हें जब भी हटाया जाता है, हर झुग्गी वाले को पक्के मकान दिए बिना नहीं हटाया जा सकता है। इस बारे में कानून बिल्कुल साफ है। इन्हें इनके नए मकान में शिफ्ट किया जाए और उसके बाद (शेष पेज 9)

कोरोना के देश में एक दिन में 90,123 नए मामले, 1290 मौतें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में कोविड-19 के 90,123 नए मामले सामने आए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार बुधवार तक 39,42,360 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद देश में कोविड-19 मरीजों के ठीक होने की दर 78.53 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड-19 के मामलों की कुल संख्या 50,20,359 हो गई है। वहीं, पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 1,290 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 82,066 हो गई। भारत में कोविड-19 के मामले 21 दिन में 10 से 20 लाख के पार पहुंचे थे। इसके बाद 16 दिन में 30 लाख और 13 दिन में 40 लाख के आंकड़े को पार किया था। वहीं, 40 लाख के बाद 50 लाख की संख्या को पार करने में केवल 11 दिन लगे।

नए संसद भवन निर्माण को टाटा ने लगाई सबसे कम बोली

● भवन बनाने के साथ पांच साल तक रखरखाव की भी जिम्मेदारी संभालेगी कंपनी

राजेश कुमार। नई दिल्ली

टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 861.90 करोड़ रुपये की लागत से संसद भवन की नई इमारत का निर्माण करेगी। कंपनी ने सबसे कम बोली जीती है। टाटा इमारत के निर्माण के साथ पांच साल तक रखरखाव की भी जिम्मेदारी संभालेगी। एलएंडटी लिमिटेड ने 865 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। एक अधिकारी ने कहा कि टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने संसद की नई इमारत बनाने का ठेका हासिल किया है। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत नई इमारत संसद की मौजूदा इमारत के नजदीक बनाई जाएगी और इसके 21 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के मुताबिक नई इमारत संसद भवन संपदा की प्लॉट संख्या 118 पर बनेगी। सीपीडब्ल्यूडी ने कहा कि परियोजना के अमल में आने के पूरी अवधि के दौरान मौजूदा संसद भवन में कामकाज जारी रहेगा। सीपीडब्ल्यूडी की निविदा में परियोजनाकी अनुमानित लागत 889 करोड़ रुपये लगाई गई थी। भवन का निर्माण संसद के मानसून सत्र की समाप्ति के बाद शुरू होगा। सीपीडब्ल्यूडी के मुताबिक तकनीकी दौर में केवल तीन बोलीदाताओं को योग्य पाया गया लेकिन केवल दो फर्मों ने अपनी दावेदारी पेश की। इस परियोजना के लिए योग्य पाई जाने वाली सप्रूजी पलोनीजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड तीसरी फर्म थी। निविदा दस्तावेज में कहा गया है कि प्रस्तावित कार्य को 21 महीने की तय समय सीमा के के भीतर किया जाएगा तथा यह उच्च गुणवत्तापूर्ण होगा। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के हिस्से के रूप में नया संसद परिसर पहला प्रोजेक्ट है जिसे अंतिम रूप देकर टेंडर जारी किया गया है। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट में नॉर्थ और साउथ ब्लाक शामिल हैं जो रायसीना हिल में एकदूसरे के सामने स्थिति हैं। इनमें शीर्ष केंद्रीय सरकारी मंत्रालय, संग्रहालय और नए प्रशासनिक कार्यालयों का निर्माण शामिल है।

नई इमारत में ज्यादा सांसदों के लिए जगह होगी क्योंकि परिसीमन के बाद लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की संख्या बढ़ सकती है। इसमें करीब 1400 सांसदों के बैठने की जगह होगी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि इमारत सीमेंट और कंक्रीट ढांचेवाली संरचना होगी। सीपीडब्ल्यूडी ने कहा कि एक बार नई इमारत के बन जाने के बाद मौजूदा संसद भवन परिसर का इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सीपीडब्ल्यूडी ने कहा, नए भवन के स्तंभ मौजूदा इमारत जैसे ही होंगे जो जमीन से करीब 1.8 मीटर ऊपर हैं। प्रस्तावित इमारत का कुल क्षेत्रफल करीब 65 हजार वर्ग मीटर का होगा जिसमें करीब 16921 वर्ग मीटर का भूमिगत क्षेत्र भी होगा। इमारत में भूमिगत तल के साथ ही भूतल के अलावा दो और मंजिल होंगी। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत प्रधानमंत्री का आवास और कार्यालय साउथ ब्लॉक के पास स्थानांतरित होने की उम्मीद है जबकि उप-राष्ट्रपति का नया घर नॉर्थ ब्लॉक के नजदीक होगा।

हरियाणा में छह माह बाद सड़कों पर दौड़ी बसें

चंडीगढ़ से यूपी व राजस्थान गई बसें

हिमाचल, जम्मू उत्तराखंड से नहीं मिली मंजूरी

पंजाब व दिल्ली आज करेंगे फैसला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में करीब छह माह बाद बुधवार से रोडवेज की बसें पहले की तरह सड़कों पर आ गई। सरकार ने आज से प्रदेश में 2300 बसों को रूटों पर उतार दिया है। हरियाणा में 22 मार्च को लॉकडाउन के साथ ही बसों का आवागमन बंद कर दिया गया था। जून माह के दौरान अनलॉक-वन में सरकार द्वारा छह सौ बसों के साथ अंतर जिला बस सेवा शुरू की गई थी। वर्तमान में हरियाणा सरकार द्वारा 1600 बसें चलाई जा रही हैं। राज्य परिवहन के बेड़े में कुल 3800 नियमित बसें और 470 किलोमीटर स्कीम वाली बसें हैं।

अनलॉक-4 के तहत हरियाणा सरकार द्वारा बुधवार से सात सौ अतिरिक्त बसें सड़क पर उतारी गई हैं। अब हरियाणा में कुल 2300 बसें चलेंगी। जिन्हें आने वाले दिनों में और बढ़ाया जाएगा। हरियाणा सरकार ने बसों का संचालन शुरू करने से पहले उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड प्रशासन को पत्र लिखकर बसों के संचालन को एनओसी जारी करने की अपील की थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने हरियाणा सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। जिसके तहत बुधवार से उत्तर प्रदेश के करीब आधा दर्जन रूटों पर पहले की तरह हरियाणा रोडवेज की बसें चलेंगी। राजस्थान सरकार द्वारा पहले ही बसों के संचालन को मंजूरी दी जा चुकी है। हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर ने अभी हरियाणा को बसों के संचालन के लिए एनओसी नहीं दी है। उधर पंजाब सरकार के साथ हरियाणा के अधिकारी लगातार बातचीत कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में गुरुवार को फैसला करेगी।

दिल्ली नहीं माना तो वोल्वो का बदलेगा रूट

हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जाने वाले रूटों में चंडीगढ़-दिल्ली-गुरुग्राम रूट ऐसा है जहां सर्वाधिक वोल्वो बसें चलती हैं। हरियाणा रोडवेज की वोल्वो बसें दिल्ली हवाई अड्डे से होकर गुरुग्राम तक जाती हैं। दिल्ली सरकार द्वारा एनओसी नहीं दिए जाने पर हरियाणा सरकार योजना पर भी विचार कर रही है कि वोल्वो बसों को चंडीगढ़ से चलाकर वायां केएमपी होते हुए गुरुग्राम तक पहुंचाया जाए। इससे हरियाणा की बसें दिल्ली में नहीं जाएंगी।

अब पंचकूला की बजाए चंडीगढ़ आएंगी बसें

चंडीगढ़ प्रशासन ने भी बुधवार से अंतरराज्जीय बस अड्डे का दोबारा संचालन शुरू कर दिया है। जिसके चलते हरियाणा के विभिन्न जिलों के लिए बसें पंचकूला की बजाए चंडीगढ़ आया करेंगी। लॉकडाउन के चलते चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सेक्टर-17 का बस अड्डा बंद कर दिया गया था। जिसके चलते हरियाणा सरकार द्वारा अपनी बसों का संचालन पंचकूला से शुरू कर दिया गया था।

हरियाणा में 25 से शुरू होगा खरीफ का सीजन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने धान की खरीद 25 सितंबर से शुरू करने के लिए केंद्र से मंजूरी मांग ली है। सरकार द्वारा केंद्रों को प्रदेश के ताजा हालातों का हवाला देते हुए यह मंजूरी मांगी है। केंद्र सरकार अगर मंजूरी प्रदान करती है तो प्रदेश में 25 सितंबर से धान की खरीद शुरू हो जाएगी। पिछले साल यह सीजन 26 सितंबर को शुरू हुआ था। इस साल कोरोना के चलते प्रदेश सरकार एक दिन पहले धान की खरीद शुरू करना चाहती है। हरियाणा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास ने बुधवार को चंडीगढ़ सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि खरीफ के सीज में धान, बाजरा, मूंग और मक्का की खरीद 25 सितंबर से करने के लिए केंद्र से मंजूरी मांगी गई है।

हरियाणा में लागू नहीं होने देंगे तीनों कानून : हुड्डा

बोले, किसान नेताओं से बात करने की बजाए सरकार उन्हें कर रही है बेइज्जत

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व अन्य।

किसानों के मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा बुधवार को एक बार फिर कुरुक्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने किसान, मजदूर और आढ़तियों से मुलाकात की।

हुड्डा ने कहा कि बिना किसानों की सहमति के उन पर 3 काले कानून थोपना तानाशाही है। कांग्रेस हर स्तर पर तीनों कानूनों का विरोध करेगी। इसके लिए बड़े से बड़ा आंदोलन करना पड़ा, तो कांग्रेस करेगी। कांग्रेस राज्यपाल से मुलाकात कर विधान सभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग करेगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हरियाणा सरकार पंजाब की तरह विधानसभा का सत्र बुलाकर किसान विरोधी तीनों कानूनों को सिरे से खारिज करे। क्योंकि स्वामीनाथन के सी2 फार्मूले वाली एमएसपी के 3 नए कृषि कानून किसान को मंजूर नहीं है। इसलिए सरकार को इसमें एमएसपी की गारंटी का प्रावधान जोड़ना चाहिए। अगर वो ऐसा नहीं करती है, तो पंजाब सरकार की तरह इसे पूरी तरह खारिज कर देना चाहिए। हुड्डा ने कहा कि अगर सरकार ने अपनी तानाशाही जारी रखी, तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही इन काले कानूनों को खत्म किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी पार्टियों और किसान संगठनों को एक सुर में किसान विरोधी फैसलों का विरोध करना चाहिए। लेकिन बीजेपी किसानों में फूट डालने और मुद्दे को भटकाने की कोशिश में लगी है। किसान नेताओं से बात करने की बजाए उन्हें बार-बार बेइज्जत और गिरफ्तार किया जा रहा है। कांग्रेस की सरकार के दौरान भी किसान अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाते थे। उस वक्त किसानों से बात करके हमेशा उनकी समस्या का समाधान करने की कोशिश की जाती थी। कहा कि किसान और पूरा हरियाणा किसान पर लाठियां बरसाने वाली गठबंधन सरकार को कभी माफ नहीं करेगा। अन्नदाता पर चलने वाली हर लाठी सरकार की ताबूत में कील का काम करेगी।

तीन अध्यादेशों के खिलाफ धरने पर बैठे किसान

भिवानी। दिन-रात व गर्मी-सर्दी की परवाह किए बिना देश का अन्नदाता लोगों का पेट भरता है, लेकिन कभी सूखे तो कभी बाढ़ और इनसे बच जाए तो ये बीमारी उसकी फसलों को चौपट कर देती है। उसके बाद सरकार भी सरकार द्वारा ऐसे कानून थोपे जाते हैं, जो किसानों हित में नहीं होते हैं।

इसी के विरोध में बुधवार को गांव कोंट में अखिल भारतीय किसान समिति द्वारा किसानों के लिए लाए गए तीन अध्यादेशों के विरोध में केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ धरना दिया और नारेबाजी की। किसान सभा के जिला सचिव ओमप्रकाश सैनी व करतार ग्रेवाल भी समर्थन देने पहुंचे और धरने पर बैठे किसानों का हौसला बढ़ाया। धरने में प्रवीण कालीरमन, लकी कोंट, सरपंच रणदीप, जयभगवान, विनय कालीरमन, मनोज बरमन, गांधी फौजी ने तीन अध्यादेशों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जो किसानों के हितों के विपरीत तीन अध्यादेश लेकर आई है, इन अध्यादेशों से किसान बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सरकार से इन अध्यादेशों को वापस लिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आज हर जिला में किसानों की नरमा की फसल झुल्सा, सफेद मक्खी व तेला जैसी बीमारियों से बर्बाद हो चुकी है।

कांग्रेस की पूरी तरह से खिसक चुकी है राजनीतिक जमीन : जेपी दलाल

कृषि मंत्री ने पत्रकार वार्ता में कहा कांग्रेस ने हमेशा किसानों को बरगलाने का काम किया

ईश्वर धामु। भिवानी

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा है कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने किसानों को बहकाकर केवल दलगत राजनीति की है। भाजपा सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए लाए गए तीन अध्यादेशों से कांग्रेस की शेष कुछ बची राजनीतिक जमीन पूरी तरह से खिसक गई है और जिससे कांग्रेसी नेता बेचैन व परेशान हैं। इसी के चलते कांग्रेस ने कोरोना काल के दौरान किसान की जान जोखिम में डालकर व कानून अपने हाथ में लेकर हाई-वे जाम किया।

उन्होंने कहा कि किसान नेता के नाम पर राजनीति करने वालों व कांग्रेस को जनता दो बार विगत लोकसभा व विधानसभा चुनाव में सबक चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हितों पर आंच नहीं देगी। कांग्रेस किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। लेकिन प्रदेश का किसान जागरूक और समझदार है। प्रदेश का किसान विपक्ष के बहकावे में आने वाला नहीं है। कृषि मंत्री दलाल रविवार को स्थानीय सेक्टर 13 स्थित अपने निवास स्थान पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने किसानों के हित में तीन नए अध्यादेश लागू किए है, इन अध्यादेशों के लागू होने से किसानों को काफी फायदा होगा। किसानों को अपनी फसल बिक्री के लिए छूट दी गई है और किसी भी प्रकार से एमएसपी कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब वन नेशन वन मार्केट की तर्ज पर किसानों को अपनी ऊपज किसी भी राज्य में ले जाकर बेचने की आजादी होगी। इससे कृषि उपज का बाधा मुक्त अंतर-राज्य व्यापार संभव हो सकेगा। किसानों को अपना उत्पाद मंडी तक ले जाने की बाध्यता नहीं होगी। आवश्यक वस्तु अधिनियम 1956 में संशोधन कर अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेलों, प्याज और आलू जैसी वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का फैसला किया गया है।

खेती के बारे में जेपी नड्डा को नहीं है जानकारी : सुरजेवाला

रणदीप सिंह सुरजेवाला का अभिनंदन करते कार्यकर्ता।

धर्मनगरी में रणदीप सिंह सुरजेवाला का अभिनंदन किया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र के नवनियुक्त प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला का अभिनंदन किया गया। कार्यकर्ताओं ने उत्साह से लबरेज होकर पुष्प वर्षा से रणदीप सिंह सुरजेवाला का स्वागत किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं का काफिला शहर के नए बस स्टैंड, मोहन नगर, मीरीपीरी चौक, पिहोवा से होते हुए किसान भवन कैथल के लिए रवाना हो गया।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अपनी नियुक्ति पर केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने प्रदेश की गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जेपी नड्डा के बयान पर पलटवार करते हुए जेपी नड्डा को खेती के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वे तो कभी खेत में भी नहीं गए और ना ही कभी उन्होंने किसान की तरह फसल बेची है। दिल्ली में किसानों की गुटों की आपसी बहस पर बोलते हुए रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह भाजपा सरकार ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह है, जो लोगों में फूट डालकर राज कर रही है। उन्होंने कहा वह इतना बड़ा आंदोलन खड़ा करेंगे, जिससे मोदी और मनोहर लाल दोनों के आंख-नाक खुल जाएंगे। इस दौरान हरियाणा प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रण सिंह देशवाल, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मधुसूदन बवेजा एडवोकेट सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जवान और किसान के साथ मजबूती से खड़े हैं मोदी

प्रधानमंत्री के नेतृत्व का लौहा विश्व के दूसरे देश भी मानते हैं

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

मंच पर उपिस्थत मुख्यातिथि व अन्य ।

महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीमा पर जवानों और खेत में किसानों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। उनके नेतृत्व का लौहा विश्व के दूसरे देश भी मानते हैं। देश के वर्षो से पड़े कई अहम मुद्दों को उन्होंने हल किया है। हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं चला कर अंतिम व्यक्ति को आगे बढ़ाने का काम किया है। ढांडा प्रधानमंत्री के जन्म दिन के उपलक्ष में आरकेएसडी कॉलेज के हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थीं। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए सभी को उनके जीवन के बारे में बताया। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के वीसी श्रेयांश द्विवेदी ने मुख्यवक्ता रूप में शामिल होकर प्रधानमंत्री के जीवन व कार्यशैली के बारे में अवगत करवाया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वेबिनार के माध्यम से भी किया गया।

उन्होंने कहा कि देश की वर्षों से लंबित समस्याओं को खत्म करने का फैसला लिया। धारा 370 को खत्म करके कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाकर मान-सम्मान बढ़ाया। तीन तलाक खत्म करके मुस्लिम बहनों को उनके अधिकार दिलवाया। नागरिकता संशोधन कानून से दूसरे देशों में बसने वाले अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, जैन, ईसाई को नागरिकता का अधिकार दिलवाया। इसके साथ-साथ भारतवासियों की आस्था से जुड़ी राम मंदिर बनाने की मांग को पूरा करके निर्माण कार्य शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष में 21 सितंबर तक सेवा सप्ताह कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, रक्तदान शिविर, कपड़े के थैले का प्रयोग जिस पर लिखा होगा मोदी जी को हां-पॉलीथिन को न का संदेश आम जन को देने का किया जाएगा।

इस अवसर पर रामपाल राणा, तुषार ढांडा, कार्यक्रम संयोजक कृष्ण पिलनी, विरेंद्र बत्रा, प्रवीन प्रजापति, ज्योति सैनी, हितेष शर्मा, सुरेश खनौदा, संजीव कांगड़ा, महिपाल राणा, कुलविंद्र राणा, कृष्ण लालर, पाला राम, महेंद्र चीमा, सतीश सिरटा, राजेश निडाण और जोनी आदि मौजूद रहे।

देश के प्रति दायित्व को हमें ध्यान में रखना होगा

भिवानी। देश भर में भारत माता अभिनन्दन दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। हमें गर्व है कि भारत माता अभिनन्दन दिवस केरूप मे मनाये जाने की परम्परा है। यह बात संगठन के नगर उपप्रधान अंशु लोहिया ने कहीं। लोहिया ने बताया कि गऊशाला मार्केट के पास राजधानी रोड़ पर संगठन कार्यालय में यह उत्सव देशभक्ति कार्यक्रमों के साथ देर रात्रि तक चला। संस्था के संस्थापक एडवोकेट पीडी मितल ने कहा कि अभिनन्दन दिवस पूरे विश्व में इसी तरह मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रति हमारा जो दायित्व है, उसे भी हमें ध्यान में रखना चाहिए। तभी हम राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। मुख्य अतिथि के रूप मे सुप्रसिद्ध डाक्टर कपिल शर्मा ने कहा कि भारत माता की जय बोलने में हमें कदम पीछे नहीं आगे रखने चाहिए। संगठन की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती मंजू मितल की टीम ने संगठन के कार्यालय की बहुत सुन्दर सजावट की तथा सभी देशवासियों व प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार व बधाई दी।

लाठीचार्ज का खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा

पायनियर समाचार सेवा। असंध

तलवार लहराते रणदीप सिंह सुरजेवाला। साथ में साहब सिंह मर्दान।

जीटी रोड पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता साहब सिंह मर्दानखेडा के नेतृत्व असंध क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ,कर्नाटक प्रभारी, स्थाई सीडब्ल्यूसी सदस्य और कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के सलाहकार कमेटी के मुख्य सलाहकार के रूप में शामिल करने पर रणदीप सुरजेवाला का जोरदार स्वागत किया।

उन्होंने सुरजेवाला को तलवार भेंट की। कांग्रेस नेता साहब सिंह मर्दानखेडा ने कहा कि रणदीप सुरजेवाला कि नियुक्ति से प्रदेश के युवाओं व कांग्रेस कार्यकर्ताओं मे खुशी की लहर व भारी उतसाह है। उन्होंने कहा कि रणदीप सुरजेवाला ने किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, दलित व पिछडा वर्ग की आवाज को उठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिपली में किसानों पर लाठीचार्ज करना निदंनीय है और लाठीचार्ज के घटनाक्रम से हर वर्ग मे सरकार के प्रति भारी रोष है। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज का खामियाजा गठबंधन सरकार को बरौदा उपचुनाव में भुगतान पड़ेगा। रणदीप सुरजेवाला का स्वागत करने वालों में अनिल फफडाना, सुनील कौशिक, पदम गुप्ता, जितेंद्र ढिल्लो, ओमदत्त कौशिक और सिराजुद्दीन आदि मौजूद रहे।

वैद्य स्वामी दयानंद गिरी के सान्निध्य में लगाए औषधीय पौधे

भिवानी। शहर के नेहरू पार्क में वैद्य स्वामी दयानंद गिरी के सान्निध्य में रविवार को गुलमोहर, नीम, अर्जुन, कदम, परिजात, सहजन व आंवला आदि औषधीय पौधे लगाए गए। गिरी महाराज ने कहा कि वृक्ष मनुष्य के सच्चे मित्र हैं।

हमें स्वयं भी पौधारोपण करना चाहिए और अन्य लोगों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सरपंच शेर सिंह ने कहा कि पौधारोपण अभियान को प्रभावी बनाने में पर्यावरण प्रेमी वैद्य स्वामी दयानंद गिरी अहम भूमिका निभा रहे हैं। वैद्यजी हर वर्ष औषधीय व अन्य पौधे रोपित करते हैं। जब तक पौधे वृक्ष नहीं बन जाते तब तक पौधों में पानी देना व इनकी निराई गुड़ाई करना वैद्य जी द्वारा किया जाता है। वैद्य जी विश्वव्यापी आपदा कोरोना राहत कोष में भी एक लाख रुपये का योगदान दे चुके हैं। इसके अलावा जरूरतमंद लोगों को रजाई वितरण भी करते हैं।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

जिंदगी में जिन्हें बहुत सा काम करना होता है,
सितारों तक जिन्हें अपना नाम करना होता है,
वो जिंदगी का एक पल भी खोते नहीं हैं,
हर हाल में खुश रहते हैं,कभी रोते नहीं है।

संक्षिप्त-समाचार

स्लम बस्तियों में पुन: चलाया फोगिंग अभियान

सोनीपत। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को कुष्ठ आश्रम और गांधी कॉलोनी में फलों का वितरण किया। साथ ही उन्होंने कुष्ठ आश्रम में फोगिंग भी कराई। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री की दीर्घायु के साथ अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस को 14 से 20 सितंबर तक सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिवस 17 सितंबर को है। मौके पर सब्जी मंडी व गोहाना रोड और कच्चे क्वार्टर में थैला वितरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि लोगों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। प्लास्टिक का प्रयोग स्वास्थ्य व वातावरण के लिए हानिकारक है। अत: हमें प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना होगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण को मजबूती दी जा सके। भाजपा नेता जैन ने इस मौके पर कुष्ठ आश्रम में फोगिंग भी करवाई ताकि लोगों का मच्छर जनित रोगों से बचाव हो सके। जैन ने लोगों का आह्वान किया कि वे स्वयं अपने स्तर पर भी मच्छर जनित रोगों से बचाव के प्रबंध करें। घरों में अथवा कार्यस्थल आदि किसी भी स्थान पर पानी का जमावड़ा रोकना होगा। किसी भी जगह गंदगी नहीं पनपने देनी। मच्छर पैदा होने की सभी संभावनाओं पर अंकुश लगाना होगा। यह कोरोना काल है, जिसमें विशेष सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। कोविड-19 कोरोना वायरस के बचाव के साथ मच्छर जनित रोगों से भी संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है।

चरखी-दादरी में सरकारी कॉलेज खोलने की मांग

चंडीगढ़। हरियाणा गर्वमेंट कालेज टीचर एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार से चरखी-दादरी जिला मुख्यालय पर सरकारी कालेज खोलने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रधान डॉ. नरेंद्र सिवाच, महासचिव डॉ. शर्मिला सांगवान और अन्य पदाधिकारियों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर के नाम दादरी के विधायक एवं चेयरमैन सोमबीर सांगवान को दिए ज्ञापन में कहा है कि दादरी को जिला बने कई साल हो चुके हैं। इसके बावजूद जिला मुख्यालय पर लडक़ों व लड़कियों के लिए कोई सरकारी कालेज नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां के विद्यार्थियों को मजबूरन निजी कालेजों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। जो सरकारी कॉलेज यहां मौजूद हैं वहीं जिला मुख्यालय से दूर हैं। ऐसे में जो विद्यार्थी सरकारी कॉलेजों में पढ़ना चाहते हैं उन्हें मुख्यालय से दूर जाना पड़ता है। एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेने की मांग करते हुए आगामी शिक्षा सत्र से चरखी-दादरी मुख्यालय पर सरकारी कालेज स्थापित करने की मांग की है।

भाकियू नेता गुरनाम सिंह साथियों सहित हिरासत में लिए

कुरुक्षेत्र। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी को साथियों सहित पुलिस ने हिरासत में लिया है। बता दें कि गुरनाम सिंह चढ़ूनी अगले आंदोलन पर विचार-विमर्श करने के लिए राष्ट्रीय किसान संगठन के अध्यक्षी वीएम सिंह से मुलाकात करने जा रहे थे। मगर कुंडली बॉर्डर पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। समाचार लिखे जाने तक भाकियू नेता को फिलहाल अलीपुरा थाने में बैठाया गया था। गुरनाम सिंह ने कहा कि सरकार उनके आंदोलन को दबाने के लिए हर औच्छा हथकंडा अपनाने पर उतर आई है। मगर किसानों के हौंसले बुलंद हैं और वें सरकार के हर जुल्म का टाकरा करने के लिए तैंयार बैठे हैं।

सफाई व्यवस्था को लेकर नप कार्यालय पर धरना देगी आप

कुरुक्षेत्र। शहर की सुभाष मंडी में चहुंओर फैली गंदगी, अव्यवस्था, टिप्परों द्वारा कूड़ा डंपिंग करने और सफाई कर्मचारियों के नियमित न आने का मुद्दा आम आदमी पार्टी ने आज प्रभावी ढंग से उठाया। इतना ही नहीं, पत्रकारों को बुला कर इस अव्यवस्था से रूबरू करवाया। आम आदमी पार्टी ने पिछले 25 सालों से नगरपरिषद पर काबिज सुधा परिवार को चेताया कि यदि एक सप्ताह के भीतर यहां सफाई व्यवस्था सुचारु न हुई, तो वे व्यापारियों को साथ लेकर पहले नगर परिषद कार्यालय पर धरना देंगे, सुनवाई न होने पर विधायक निवास पर भी धरना देने से नहीं हिचकिचाएंगे। इतना ही नहीं, समस्या का समाधान करवाने के लिए चंडीगढ़ सीएम निवास तक भी जाना पड़ा, तो जाएंगे। आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक जवाहर गोयल, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश बिंदल, नार्थ जॉन के संयुक्त सचिव नवीन अग्रवाल व बीर सिंह बिहोली, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र मित्तल, जिला प्रवक्ता अशोक कुमार व रामलाल, आप के विधानसभा प्रत्याशी रहे सुमित गर्ग, जिला सचिव हितैश जैन, संयुक्त सचिव नीतिन सिंगला, जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल आदि ने पत्रकारों को सुभाष मंडी में फैली गंदगी, अव्यवस्था से रूबरू करवाते हुए कहा कि पिछले कईं वर्षों से सुभाष मंडी में सफाई नहीं हो पा रही। गंदगी का आलम पसरा हुआ है। यहां तक कि आसपास के वार्डों से लाया गया कूड़ा भी सुभाष मंडी में ही डंपिंग किया जाता है। इस समस्या को लेकर वे वार्ड के पार्षद, नगर परिषद की अध्यक्षा और विधायक को भी अवगत करवा चुके हैं। आप नेताओं ने नगर परिषद को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए घोषणा की कि यदि एक सप्ताह के भीतर नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था दुरूस्त नहीं की गई और कूड़ा डंपिंग की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो सुभाष मंडी के अंदर काम करने वाले और रहने वाले लगभग 150 व्यापारी कूड़ा लेकर नगर परिषद कार्यालय पर पहुंचेंगे। अगर फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो कूड़े को लेकर विधायक आवास पर जाएंगे। आवश्यकता पड़ी तो मुख्यमंत्री आवास पर भी।

विश्व ओजोन दिवस पर किया पौधारोपण

कुरुक्षेत्र। विश्व ओजोन दिवस पर समाजसेवी गुरप्रीत सिंह ने अपने साथियों समेत पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि उनका यह अभियान लोगों को ओजोन परत के प्रति जागरूक करना है। वायु मण्डलीय ओजोन परत पृथ्वी पर सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों को पहुंचने से रोकती है। अल्ट्रावायलेट किरणें अगर सीधे तौर में धरती पर पहुंच जाए, तो ये हानिकारक किरणें मनुष्य, पेड़-पौधों और जानवरों के लिए भी बेहद खतरनाक हो सकती हैं। पौधारोपण में देवी चन्द नंबरदार पिपली, प्रदीप पांचाल, मनजिन्द्र सिहं, फकीर चन्द ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

कॉलेजों के पास करोड़ों की एफडी : सिसोदिया

दिल्ली में कॉलेज शिक्षकों को वेतन नहीं मिलने के गरमाते मुद्दे के बीच शिक्षा मंत्री का महत्वपूर्ण बयान

● सिसोदिया ने किया ट्वीट-ऑडिट से मिली जानकारी, एफडी के पैसे का हो रहा गैरजरूरी मदों में इस्तेमाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के वित्तपोषित दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज शिक्षकों के वेतन देने के लिए फंड की कमी के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को करोड़ों की एफडी का जिक्र ने किया है।

सिसोदिया ने ट्वीट कि दिल्ली सरकार की तरफ से छह कॉलजों की ऑडिज कराया गया जिससे पता चला कि कि उनके पास कई करोड़ की एफडी मौजूद है। इस धनराशि का इस्तेमाल आवश्यक मदों में न करके गैरजरूरी कार्यो में किया जा रहा है।

सिसोदिया ने एफडी के पैसे से शिक्षा के वेतन देने जैसी बात खुलकर नहीं की लेकिन उनका आशय स्पष्ट है। गौरतलब है कि पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने से परेशान दिल्ली के लगभग 12 कॉलजों की टीचरों ने दिल्ली हाईकोर्ट खटखटाया है उन्होंने अदालत से गुहार लगााई थी कि दिल्ली सरकार को आवश्यक फंड जारी करने निर्देश दे ताकि उन्हें बकाया के साथ वेतन मिल सके। इस मामले की गुरुवार 17 सिंतबर को सुनवाई की संभावना है।

सिसोदिया ने कहा कि फंड के उपयोग की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने इन कॉलेजों का एक विशेष ऑडिट शुरू कराया है। इसके लिए सीएजी से ऑडिटर्स मांगे गए।

उन ऑडिटर्स ने इन कॉलेजों का ऑडिट शुरू किया है। सितंबरके पहले सप्ताह में छह कॉलेजों का ऑडिट किया गया। उनकी प्रारंभिक रिपोर्ट मेंचिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। वहीं डिप्टी सीएम ने बताया कि ऑडिटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कॉलेजों ने स्टाफ को वेतन भुगतान करने के बजाय फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में बढ़ी राशि जमा रखी है। केशव महाविद्यालय के पास फिक्स डिपोजिट के रूप में 10.52 करोड़ रुपये जमा है।

अगर उनके पास इतना पैसा है, तो वे अपने शिक्षकों को वेतन क्यों नहीं दे रहे हैं? दिल्ली सरकार द्वारा केशव महाविद्यालय को वेतन अनुदानके बातौर वर्ष 2014-15 में 10.92 करो? रुपये दिया गया था। पिछले वर्ष सरकार ने 27.9 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। पांच साल के भीतर उनका वेतन अनुदान करीबतीन गुना हो गया है।

इतनी राशि मिलने के बावजूद कॉलेज अपने शिक्षकों को वेतननहीं दे रहे हैं इ भगिनी निवेदिता कॉलेज के क्लोजिंग बैलेंस से पता चलता है कि उनके पास लगभग 2.5 करोड़ रुपये फिक्स डिपॉजिट है। वर्ष 2014-15 में भगिनीनिवेदिता को दिया जाने वाला वेतन अनुदान करीब 8.4 करोड़ रुपये था।

पिछले साल इसे बढ़ाकर 18 करोड़ रुपये कर दिया गया था। यह आश्चर्य की बात है कि इतनी सहायता मिलने के बावजूद कॉलेज द्वारा धन की कमी का दावा किया जा रहा है। सिसोदिया ने कहा कि कई कॉलेजों द्वारा ऑडिटर्स की टीम के साथ सहयोग भी नहीं किया जा रहा है। शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज ने ऑडिटर्स को अपनी ऑडिटेड बैलेंस शीट भी नहीं दी है। वर्ष 2018-19 की बैलेंस शीट में कॉलेज के पास लगभग 3.5 करोड़ रुपये थे। इसके अलावा फिक्स डिपॉजिट में उनके पास 10.45 करोड़ रुपये हैं। लगभग 14 करोड़ रुपए होने के बावजूद डीयू और कॉलेज प्रशासन अगर सरकार पर फंड नहीं देने का आरोप लगाए, तो यह हास्यास्पद है।

लेखा परीक्षकों ने फंड के उपयोग संबंधी सच्चाई की गहराई से पड़ताल की है। कॉलेज प्रशासन ने ऑडिटरों के साथ सहयोग करना बंदकर दिया है। यह भी पाया गया कि छात्रों द्वारा विभिन्न मद के तहत जमा की गईफीस का कोई ऑडिट नहीं किया गया है। विभिन्न कॉलेज प्रशासन छात्रों द्वारा एकत्रित राशि को अनुचित तरीके से खर्च कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह अस्पताल में भर्ती

यशोदा अस्पताल में इलाज कराने पहुंच कल्याण सिंह।

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को कौशांबी के यशोदा अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, कोरोना पॉजिटिव आने के बाद वह पीजीआई लखनऊ में भर्ती थे लेकिन अब उनका इलाज यशोदा अस्पताल में चलेगा। इलाज के लिए लखनऊ से रवाना होकर कल्याण सिंह हिण्डन एयरपोर्ट पर उतरे। इसके बाद यशोदा अस्पताल की एम्बुलेंस से सीधा उन्हें अस्पताल में लाया गया। दरअसल अभी हाल में ही कल्याण सिंह कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए थे। इसके बाद उन्हें लखनऊ के संजय गांधी पीजीआइ के कोरोना हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। लखनऊ के माल एवेन्यू में रहने वाले कल्याण सिंह को बुखार आ रहा था जिसके बाद उनकी जांच गई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। बता दें कि कल्याण सिंह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता हैं। वह चार सितंबर 2014 से 8 सितंबर 2019 तक राजस्थान के राज्यपाल रहे।

मच्छरों की रोकथाम को स्कूलों में मनाएं शुष्क दिवस

● डेंगू-मलेरिया के खिलाफ मुहिम के तहत दिल्ली सरकार ने दिए हैं निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए स्कूलों में मनाया जाए शुष्क दिवस। दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है वे सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस मनाएं।

इस दिन कूलर, फूलदान, पक्षियों के पानी के बर्तन, पानी के कंटेनर, ठहरे हुए पानी की जांच करें और उसे साफ करें। यह कदम डेंगू, मलेरिया और चिकुनगुनिया जैसी जलजनित बीमारियों को लेकर स्कूली छात्रों को जागरुक करने के अभियान का हिस्सा है। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों के प्रधानाचार्यों को एक पत्र लिख है।

जिसमें कहा है बरसात का मौसम डेंगू, चिकुनगुनिया और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के लिए बहुत अनुकूल होता है जो हर साल इस समय फैलती हैं। निदेशालय के अनुसार कोरोना की महामारी के कारण सभी स्कूल छात्रों के लिए बंद हैं।

सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर छात्रों को घर में ही इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें। सभी स्कूलों में हफ्ते में एक दिन (आखिरी कार्य दिवस हो तो बेहतर है), शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाए। ताकि पानी जमा होने की अन्य संभावित जगहों की जांच सुनिश्चित की जा सके। सभी स्कूलों को नोडल अधिकारी को नियुक्त करने का निर्देश भी दिया गया है जो वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष गुप्ता कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता भी कोरोना संक्रमण के शिकार हो गए है। गुप्ता को कोविड-19 जांच के बाद कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

पार्टी अध्यक्ष के साथ प्रदेश कार्यालय में काम कर रहे दर्जनभर लोगों में भी संक्रमित हो गए हैं। जिसके बाद दफ्तर को बंद कर सैनेटाइजेशन किया जाएगा। आदेश गुप्ता ने बुधवार को ट्विट कर कहा कि गत सप्ताह हल्का बुखार होने के बाद उन्होंने कोविड-19 जांच कराया था जिसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। लगातार अस्वस्थ महसूस करने के कारण फिर से कोरोना का टेस्ट कराया जो पॉजिटिव आया है। इसके बाद खुद को क्वारंटीन कर लिया है।

दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 45 प्रतिशत बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामले फिर से तेजी से बढ़ रहे हैं। इस वजह से पिछले 10 दिनों में निरूद्ध क्षेत्रों की संख्या 45 प्रतिशत बढ़ गई है, जबकि इस अवधि में घर पर पृथक रहने वाले मरीजों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ कर 16,576 हो गई।

आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। दिल्ली में छह और 15 सितंबर के बीच छह दिनों तक रोजाना 4,000 से अधिक नए मामले सामने आए, जबकि 12 सितंबर को 4,321 मामले आए, जो यहां अब तक की सर्वाधिक वृद्धि है। इस महीने की शुरूआत से नए मामलों और इलाज मरीजों की संख्या में क्रमिक वृद्धि देखी गई, जिससे निरूद्ध क्षेत्रों और घर पर पृथक रहने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ी।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी)अधिकारियों ने लोगों से अत्यधिक जरूरत होने पर ही मेट्रो से सफर करने की अपील की है । दिल्ली स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक घर पर पृथक रहने वाले कोविड-19 के मरीजों की संख्या पांच सितंबर को 10,514 थी , जो 15 सितंबर को बढ़ कर 16,576 हो गई।

कोविड के एक दिन में सबसे अधिक 4473 नए मामले

नई दिल्ली। दिल्ली में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा 4,473 नए मामले सामने आने के साथ ही बुधवार को यहां कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2.30 लाख के पार पहुंच गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक मंगलवार को कुल 62,593 नमूनों की जांच की गई थी। बुलेटिन में कहा गया कि 33 मरीजों की मौत के साथ ही महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,839 हो गई।

फायर एनओसी घोटाले में एंटी करप्शन की टीम ने मारे छापे

● नियमों को उल्लंघन कर, दर्जनों बिल्डिंगों को दिया फायर सेफ्टी का प्रमाण पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा।

जनपद गौतम बुद्ध नगर में विभिन्न बिल्डिंगों की फायर विभाग द्वारा दी जाने वाली एनओसी में हुए घोटाले तथा भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए एंटी करप्शन की टीम आज सेक्टर दो स्थित फायर विभाग के कार्यालय पहुंची। इस टीम में 8 लोग शामिल हैं।

आरोप है कि लॉकडाउन के दौरान फायर विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए दर्जनों बिल्डिंगों को एनओसी दी गई है। इस मामले में विधायक रामवीर उपाध्याय ने विधानसभा में सवाल उठाया था। इसके अलावा कई लोगों ने शासन में इसकी शिकायत की है। शासन द्वारा इसकी जांच एंटी करप्शन बरेली की टीम को सौंपी गई है। इसकी जांच के लिए एंटी करप्शन की टीम कई दिनों से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आई हुई है। एंटी करप्शन की टीम ने सेक्टर 2 स्थित फायर आफिस में पहुंचकर इसकी जांच शुरू की। जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां टीम को मिली है।

बताया जाता है कि सेक्टर 2 में तैनात सीएफओ के स्टेनो के बेटे के नाम पर कई फर्जी आईडी बनाकर लोगों को एनओसी जारी की गई है। विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार का आलम यह है कि यहां पूर्व में तैनात रहे एक दमकल अधिकारी भी भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं।

बताया जाता है कि शासन में अच्छी पकड़ होने की वजह से यहां तैनात विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। ये लोग इसी का फायदा उठाकर मनमानी कर रहे हैं। फायर विभाग के सूत्रों का दावा है कि 100 से ज्यादा एनओसी नियमों का उल्लंघन कर जारी कर दी गई है।

आसान किस्त पर मोबाइल बेचने का झांसा, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फर्जी वेबसाइट के जरिए ढाई हजार से अधिक लोगों को मासिक किस्त पर मोबाइल फोन बेचने का झांसा देकर चूना लगाने के आरोप में एक व्यक्ति को दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी जितेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि उसने अपने साथियों प्रवीण कुमार और रजत शुक्ला के साथ मिलकर लोगों को मासिक किस्त पर मोबाइल देने का झांसा देकर धोखाधड़ी की।

पुलिस ने कहा कि आरोपी मोबाइल देने के नाम पर लोगों से कुछ पैसे ऐंठ कर चंपत हो जाते थे। जितेंद्र ने स्वीकार किया कि इस प्रकार उसने देशभर में ढाई हजार से अधिक लोगों को चूना लगाया।

सहयोगी कुमार और शुक्ला की तलाश जारी है। मामला प्रकाश में तब आया जब इरफान खान नामक एक व्यक्ति की शिकायत पर नौ जनवरी को जांच शुरू की गई। खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पिछले साल दिसंबर में वह मोबाइल फोन खरीदना चाहता था और इस दौरान उसे बेहद कम मासिक किस्त पर मोबाइल बेचने वाली एक वेबसाइट का पता चला। शिकायत के अनुसार खान ने मोबाइल खरीदने के वीपीए के जरिए पहली बार 1,499 रुपए और इसके बाद तीन बार में 5,998 रुपए जमा किए। खान द्वारा भुगतान किए जाने के बावजूद न तो उसे मोबाइल मिला न पैसे।

नोएडा में अवैध खनन को लेकर फायरिंग में 3 घायल

नोएडा। नोएडा में यमुना एक्सप्रेस वे थाना क्षेत्र में हरियाणा की ओर यमुना पार इलाके में बालू खनन को लेकर मंगलवार की रात एक पक्ष के लोगों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की है।

तलवार से भी हमला किया गया है। इस घटना में दो लोगों को गोली लगी हैं। एक व्यक्ति तलवार लगने से घायल हो गया है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस मामले में एक्सप्रेस-वे थाने की पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। याकूतपुर गांव के निवासी मोनू का हरियाणा की ओर यमुना पार इलाके में खेत है।

क्लिनिक में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन में बुधवार की सुबह अपार्टमेंट के पहली मंजिल पर स्थित क्लिनिक में आग लग गई। कुछ ही देर में आग तेजी से फैली और पूरी क्लिनिक को अपनी चपेट में ले लिया।

आग की लपटों के साथ धुएं का गुबार आसपास की इमारत और फ्लैटों तक भी पहुंचा तो लोग दम घुंटने के साथ दहशत में आ गए। आनन फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कुछ देर कि मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, तब तक आग की चपेट में आने से क्लिनिक का सारा सामान जलकर ख़ाक हो चुका था।

किसानों और प्रशासन के बीच टकराव टला

● मांगों के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय दिया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे की मांग को लेकर भारतीय कल्याण समिति के बैनर तले गाजियाबाद स्थित गोविंदपुरम अनाज मंडी पहुंचे किसानों ने पंचायत कर जिला प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाई।

एडीएम एलए ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बात हुई है उसमें एक सप्ताह का समय दिया गया है। ताकि समस्या का समाधान निकल सके। मोदीनगर से चलकर देर रात को ही बड़ी संख्या में किसान गोविंदपुरम अनाज मंडी पहुंच गए तो वहीं सुबह होते ही गैर जिलों से भी ट्रैक्टर-ट्रॉली में किसानों का पहुंचना शुरू हो गया था। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल को जिला मुख्यालय बुलाया गया जहां एडीएम एलए कमलेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोविड के बढ़ते मामलों के कारण पोलियो ड्राइव स्थगित

गाजियाबाद। राज्य सरकार ने कोविद-19 मामलों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के बाद अपने पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को स्थगित कर दिया है। यह अभियान 20 सितंबर से सभी जिलों में शुरू होने वाला था, लेकिन अब यह अगले आदेशों के बाद शुरू होगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने कहा कि सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र भेजा गया है। पोलियो अभियान आशा, एएनएम और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सहयोग से चलाया जाता है।

चोरी के माल के साथ एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है,जिसके कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल और एक चोरी की अपाची मोटर साइकिल बरामद की है। आरोपी का नाम सिकन्दर है और वह मेरठ जनपद के लिसाडी गेट का निवासी है। पुलिस का कहना है कि वह पार्किंग में खडी मोटरसाइकिलो को मास्टर की से खोलने के बाद उनकी नम्बर प्लेट बदल देता हैं ।पुलिस ने वाहन चैंकिग के दौरान सिकन्दर को मोदीनगर की गोविन्दपुरी कालोनी से वाहन चैंकिग के दौरान गिरफतार किया है। इसके खिलाफ मोदीनगर और मेरठ में दर्जनो चोरी के मामले दर्ज है।

नोएडा में एक महिला की चाकू मारकर हत्या

नोएडा। नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के देवला गांव में एक महिला की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। अपर पुलिस उपायुक्त जोन (द्वितीय) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार देर रात सूरजपुर थाना क्षेत्र के देवला गांव में एक महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान अभी नहीं हो पाई है। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि कोई व्यक्ति महिला को अपने साथ यहां लाया और फिर उसकी हत्या कर दी। पुलिस को महिला के साथ बलात्कार किए जाने का भी संदेह है।

शारदा कॉलोनी पर जीडीए का चला बुल्डोजर

गाजियाबाद। लोनी चिरोडी रोड पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का पीला पंजा जमकर गरजा। जीडीए के सचल दस्ते ने आज चिरोडी रोड पर अवैध रूप से विकसित की जा रही शारदा सिटी कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। यह कॉलोनी कायदे कानून से उपर उठकर भूमाफियाओं द्वारा बसाई जा रही थी। इसके अलावा चिरोडी रोड पर ही लगभग एक दर्जन दुकानों को भी ध्वस्त कर दिया गया। ये दुकाने भी अवैध रूप से बनायी गई थी। जीडीए सचिव संतोष राय ने बताया कि कुछ भूमाफिया लोगो को गुमराह करके इस प्रकार की कॉलोनियों में गैर कानूनी ढंग से मकान दुकान बना रहे है। उन्होंने आम जनता से आग्रह किया है कि ऐसे लोगों के बहकावे में न आये। खास बात यह है कि जब जीडीए का सचल दस्ता अवैध निर्माणो को गिरा रहा था तो कुछ लोगो ने मौके पर विरोध किया लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस फोर्स ने सभी को खदेड़ दिया।

पराली जलाने से इस बार गैस चैंबर नहीं बनेगी दिल्ली

प्रयोग रहा सफल तो राजधानी को मिल जाएगी दमघोंटू धुएं से निजातः गोपाल राय

फोटो : रंजन डिमरी

● खेत में ही पराली से बनेगी खाद, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा ने विकसित की तकनीक

संजय राय। नई दिल्ली

इस बार प्रदूषण के चलने दिल्ली के गैस चैंबर में तब्दील होने से बचने के आसार हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे पराली से खेत में ही खाद बनाई जा सकेगी। पूरे दिल्ली एनसीआर के लिए बेहद उपयोगी साबित होने वाली इस तकनीक का ब्योरा देते दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा यह बॉयो डी-कंपोजर तकनीक है। इसके तहत केमिकल का प्रयोग करके पराली से खाद बनाए जाएगी।

गोपाल राय के मुताबिक यह प्रयोग अगर सफल होता है तो दिल्ली वालों को सर्दियों के मौसम में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के खेतों में जलाई जाने वाली पराली के धुंए की वजह से सांस लेने में होने वाली समस्या का समाधान हो जाएगा। दिल्ली के किसानों को आम आदमी पार्टी की सरकार सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी जबकि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों को वहां की सरकारें सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी। इसके लिए वह राज्य सरकारों, केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से चर्चा करेंगे।

राय ने कहा कि सर्दी के समय में राजधानी में प्रदूषण की समस्या भयंकर रूप ले लेती है। दिल्ली में पराली बहुत कम होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पंजाब के अंदर 20 मिलियन टन पराली पैदा होती है, जिसमें से पिछले साल का जो आंकड़ा है। वहां पर करीब 9 मिलियन टन पराली जलाई गई है। हरियाणा के अंदर करीब 7 मिलियन टन पराली पैदा होती है, जिसमें से 1.23 मिलियन टन पराली जलाई गई थी और उसकी वजह से लोगों को प्रदूषण का सामना करना पड़ा था।

केंद्र सरकार ने एक योजना बनाई है, जिसमें पराली के लिए किसानों को कुछ मदद दी जाती है। उसके लिए मशीन खरीदी जाती है, जिसमें आधा पैसा किसानों को देना पड़ता है और आधा सरकार देती है। अभी पिछले दिनों उनकी पूसा के निदेशक से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया कि संस्थान ने बॉयो डी-कंपोजर तकनीक विकसित की है। जिसके माध्यम से खेत में ही पराली पर केमिकल का छिड़काव किया जाए, तो वहीं पर खाद बन सकती है।

वहीं गोपाल राय बुधवार को वह उस तकनीक का प्रदर्शन देखने के लिए पूसा यहां आए हैं। यहां पर कुछ किसानों को यह तकनीक दिखाने के लिए बुलाया था। साथ ही वह चाहते हैं कि केमिकल के छिड़काव में जो भी खर्चा आए, वह सरकार उठाएगी।

RITES THE INFRASTRUCTURE PEOPLE
राइट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
सीआईएन नं.: L74899DL1974GOI007227
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
महाप्रबंधक /EXPOTECH, राइट्स लिमिटेड निम्नलिखित के लिए भारतीय रेलवे उत्पादन इकाइयों (पीयू) के अनुमोदित विक्रेता से एकल पैकेट प्रणाली में ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित करता है।
वस्तु की मात्रा: 60 (साठ) केप गेज यात्री कोच की संपूर्ण आंतरिक प्रस्तुत वस्तुओं की आपूर्ति, स्थापना, कमीशन और परीक्षण विद्युत सहित। **निविदा न.:** RITES/EXPO/05/MOZ/COACH FUR/01. **बयाना जमा (EMD):** रु. 25,00,000/- (भारतीय रुपए केवल पच्चीस लाख)। **समापन की अवधि:** 24 सप्ताह। **Bid जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 29.09.2020 11:00 hrs-IST तक।
Bid फॉर्म और अन्य विवरण वेबसाइट **http://ritesltd.com/** और सीपीपी पोर्टल **https://etenders-gov-in/eprocure/app** से प्राप्त किए जा सकते हैं। परिशिष्ट/Corrigendum, यदि कोई हो, केवल ऑनलाइन होस्ट किया जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

वर्चुअल प्लेटफार्म पर गुरुग्राम के स्कूलों से करें संपर्क

स्कूलों में एडमिशन की शुरुआत होते ही माता-पिता के सामने नई चुनौती खड़ी हुई

गुरुग्राम। गुरुग्राम के स्कूलों में एडमिशन की शुरुआत होते ही माता-पिता के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। कोरोना महामारी के कारण बने हालात में हर स्कूल जाकर वहां की जानकारी जुटाना अब पहले जितना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में अपने बच्चों के लिए सही स्कूल की तलाश में लगे माता-पिता की मदद के लिए एक अनूठा एजुकेशन एक्जीबिशन तैयार है।

आगामी 19 और 20 सितंबर को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक इस वर्चुअल एक्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान प्रीमियर स्कूल्स एक्जीबिशन डॉटकॉम पर जाकर माता-पिता गुरुग्राम के 30 से ज्यादा अग्रणी स्कूलों के प्रमुखों से सीधे जुड़ सकेंगे। अपने सवालों के जवाब पा सकेंगे। इससे उन्हें अपने बच्चे के लिए सही स्कूल चुनने में आसानी होगी। इस एक्जीबिशन के दौरान लाइव वीडियो मीटिंग, वाट्सएप चैट और फोन के जरिये स्कूलों की एडमिशन टीम से सीधे संपर्क किया जा सकेगा।

कृषि जागरुकता अभियान रथ से पराली ना जलाने का संदेश

गुरुग्राम के गांवों में संदेश दे रहा है यह रथ

पराली जलाने से जमीन, पर्यावरण में हो रहे नुकसान के बारे में जानकारी दी

गुरुग्राम के फर्रूखनगर खंड में पराली ना जलाने का संदेश देने को शुरू किया गया जागरुकता रथ।

फर्रूखनगर। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग गुरुग्राम के सौजन्य से बुधवार को फर्रूखनगर खंड के विभिन्न गांवों में कृषि जागरुकता अभियान रथ से मुनादी करके किसानों को पराली जलाने से जमीन, पर्यावरण में हो रहे नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस मौके पर खंड कृषि अधिकारी नरेंद्र यादव ने कहा कि पराली न जलाएं, जमीन में मिलायें पराली प्रबंधन मशीनरी का प्रयोग करें। पराली जलाने से हानि कारक गैसों का उत्सर्जन होता है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है। उन्होंने बताया कि इन दिनों फसल की कटाई शुरु हो चुकी है। ऐसे समय में किसानों को जागरुक करना जरूरी है।

सरकार द्वारा किसानों के हितार्थ नई योजना के तहत पराली प्रबंधन मशीनरी के लिए किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी तथा किसानों के समूह को कस्टम हाईरिंग केंद्रों की स्थापना के लिए 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा पराली नहीं जलाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया हुआ है। पराली जलाने से जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है वहीं पर्यावरण को भी हानि पहुंचती है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

देशभर में 1000 केंद्र खोलने का रखा गया लक्ष्य

पूर्व चैम्पियंस खोल सकेंगे खेलो इंडिया लघु केंद्र

खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार का अहम कदम

लघु केंद्र खोलने के लिए केंद्र देगी पांच लाख की आर्थिक सहायता

गुरुग्राम। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत पिछले पांच वर्षों में जिला की जिन संस्थाओं ने खेलों को बढ़ावा देने का कार्य किया है या राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैम्पियन रह चुके खिलाड़ी अब खेलो इंडिया लघु केंद्र खोल सकते हैं। इन केंद्रों को खोलने के लिए भारत सरकार ने प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, जिनके लिए सरकार एक मुश्त पांच लाख रूपये की आर्थिक मदद भी देगी।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेलों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की जा रही खेलो इंडिया लघु केंद्र योजना के बारे में उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए खेलों इंडिया लघु केंद्र का संचालन पूर्व चैम्पियन खिलाड़ी द्वारा किया जाएगा ताकि उसके लिए यह आय का साधन बन सके। इससे जहां एक ओर पूर्व चैम्पियन खिलाड़ी अपने आप को स्थापित कर पाएंगे वहीं दूसरी ओर उनके खेल अनुभव का लाभ उभरते नए खिलाड़ियों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना में खोले जाने वाले लघु केंद्रों में ओलंपिक में खेले जाने वाले 14 खेलों को सूचीबद्ध किया गया है, जिनमें आर्चरी, एथलैटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, साईकलिंग, फैंसिंग, हॉकी, जूडो, रोइंग, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, वेट लिफ्टिंग तथा कुश्ती शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फुटबॉल व अन्य परम्परागत खेलों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

खेलों इंडिया लघु केंद्र योजना के तहत पूर्व चैम्पियन खिलाड़ियों द्वारा नए उभरते खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए शुल्क भी पूर्व चैम्पियन खिलाड़ी प्रशिक्षु खिलाड़ियों से प्राप्त कर सकते हैं। चयनित खेलो इंडिया केंद्र को चार वर्षों के लिए भारत सरकार द्वारा एक मुश्त राशि 5 लाख रुपए की राशि खेल के मैदान के रख-रखाव, खेल उपकरण, खेल किट आदि के लिए उपलब्ध करवाई जाएगी। भारत सरकार द्वारा इस योजना के तहत देश में एक हजार लघु केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप से सावधानी ही बचाव : दलीप

गुरुग्राम स्थित राम नगर धर्मशाला में कोरोना जांच करवाता एक व्यक्ति।

गुरुग्राम। शहर के वार्ड-17 स्थित रामनगर धर्मशाला में 21वां नि: शुल्क कोरोना जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में 80 लोगों की जांच की गई। जिनमें से तीन कोरोना संक्रमित पाए गए। उन्हें उनके स्वास्थ्य के हिसाब से क्वारंटाइन कर दिया गया है।

इस शिविर के मौके पर वार्ड-17 के पूर्व पार्षद एडवोकेट दलीप साहनी ने कहा कि कोरोना का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। रोजाना जिले में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। गुरुग्राम के चारों जोनों में भी कोरोना तेजी से फैल रहा है। कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना ही जरूरी है। लापरवाही से हम इस बीमारी को और अधिक फैला सकते हैं। इसलिए ऐसी कोई लापरवाही ना करें, जिससे कि हम इस महामारी को फैलाएं। उन्होंने कहा कि सरकार, प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग की ओर से जो भी गाइडलाइंस जारी की गई हैं, उनका सख्ती से पालन करें। क्योंकि यह बहुत जरूरी है। अगर हम इनका पालन नहीं करते हैं तो हम अपने साथ-साथ दूसरों को भी परेशानी में डाल सकते हैं। वार्ड-17 की पार्षद रजनी साहनी ने कहा नगर निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह, उपायुक्त अमित खत्री व अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस आपदा के समय में पूरी तन्मयता के साथ सक्रिय हैं। सभी का प्रयास यही है कि कोरोना को फैलने से रोका जाए। जो संक्रमित हो चुके हैं, उन्हें उचित उपचार व सुविधाएं मिले। इसलिए हम सबका यह कर्तव्य बनता है कि सरकार के नियमों को मानें और कोरोना को फैलने से रोकें।

बिना पंजीकरण के सेप्टेज करने पर टैंकर होगा जब्त, जुर्माना भी लगेगा

नगर निगम गुरुग्राम सेप्टेज कार्य करने वाले टैंकर ऑपरेटरों को कर रहा पंजीकृत

गुरुग्राम। सीवरेज वेस्ट का अवैध तरीके से इधर-उधर डालना नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों और हरियाणा नगर निगम अधिनियम-1994 के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वाले वाहनों को जब्त करके उन पर भारी जुर्माना किया जाएगा।

नगर निगम द्वारा निकटतम सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर सीवरेज वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए सेप्टेज का कार्य करने वाले टैंकर ऑपरेटरों को पंजीकृत करके सीवरेज के अवैध निपटान को विनियमित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए टैंकर ऑपरेटरों को नगर निगम गुरूग्राम के पास पंजीकृत करवाना अनिवार्य है।

पंजीकरण करवाने के लिए आवेदनकर्ता के पास टैंकर व उसके साथ लगे ट्रैक्टर का वैधानिक पंजीकरण, चालक के पास ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा जारी किया गया वैधानिक लाईसैंस तथा वाहन का बीमा होना चाहिए। पंजीकरण के समय वाहन पर फुल प्रूफ जीपीएस सिस्टम नगर निगम के सेक्टर-42 स्थित कार्यालय में लगाया जाएगा, जिसके लिए आवदेनकर्ता को निर्धारित शुल्क का भुगतान जीपीएस लगाने वाली फर्म को करना होगा।

सवालों के घेरे में बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था

एसडीएम के दौरे के दौरान डीएसपी और तहसीलदार भी रहे साथ

अधिकारियों संग बालगृह का निरीक्षण करते एसडीएम डॉ. नरेश कुमार।

तावडू। ऑर्फन इन नीड बाल गृह के एक बार फिर विवादों में आने के बाद एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने बुधवार को डीएसपी सुरेंद्र सिंह, तहसीलदार मनमोहन वर्मा व नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह सहित बाल गृह का दौरा किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने बालगृह मैनेजमेंट के अधिकारियों से कई सवाल किए। वहीं बाल गृह बिल्डिंग का भी गहनता से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद एसडीएम ने बताया कि पुलिस व प्रशासन गहनता से मामले की जांच में जुटा है। इस संदर्भ में ही आज यहां निरीक्षण किया है। बालगृह मैनेजमेंट के अधिकारियों के कुछ जवाबों से प्रशासन संतुष्ट नहीं है। वहीं बिल्डिंग सुरक्षा व्यवस्था में भी कुछ खामियां नजर आई हैं। वहीं डीएसपी ने कहा कि मामले की तीव्रता से जांच जारी है। पुलिस जल्द मामले को ट्रेस कर लेगी। बता दें कि गांव पीपाका में स्थित ऑर्फन इन नीड बाल गृह में गत 28 जुलाई को बाल कल्याण समिति नूंह के आदेश पर नाबालिग लड़की को रखा गया था। बालगृह इंचार्ज जहीर खान के अनुरूप 14 सितंबर की सुबह उनके साथ रहने वाले अन्य लड़की ने सूचित किया कि नाबालिग लड़की कमरे में नहीं है।

योगी राजेश कुमार बने जोगीनाथ समाज के मीडिया प्रभारी

रोहतक/गुरुग्राम। अखिल भारतीय नाथ (योगी) समाज हरियाणा की बैठक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश भट्टी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में रोहतक जिला के गांव तैमूरपुर (जेठपुर) निवासी योगी राजेश कुमार को जिला मीडिया प्रभारी चुना गया। बैठक में बोलते हुए जगदीश भट्टी ने कहा कि जोगी नाथ समाज पूरी तरह से पिछड़ा हुआ है। इसलिए सरकार से मांग है कि समाज को एसटी कैटेगरी में शामिल किया जाए, ताकि समाज का उद्धार हो सके। उन्होंने शिव अवतारी गुरू गोरखनाथ के नाम पर हरियाणा में कहीं पर भी विश्वविद्यालय खोलने की भी मांग की। बैठक के दौरान सोशल डिस्टेंस का पालन किया गया।

सरपंच के साले और बेटे पर जानलेवा हमला करने का आरोप

सोहना। गांव किरंकी खेड़ली में युवक को लाठी व लोहे की रॉड से हमला करके गंभीर रुप से घायल कर दिया। पीड़ित ने ग्राम पंचायत सरपंच के साले व बेटे पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव किरंकी खेड़ल निवासी अचल पुत्र जोगेन्द्र ने सोहना सदर थाना में अपने भाई यशवीर पर हुआ जान लेवा हमले की शिकायत दर्ज कराई है। अचल ने पुलिस को बताया कि उसका भाई यशवीर रविवार की शाम को खेतों पर गया था। जो देर शाम तक वापस घर नहीं आया। जिससे तलाशने के लिए परिजन आस-पास के जंगल में पहुंचे। यशवीर गांव किरंकी के पास वेस्टन वाटिका के गेट नंबर एक पास सड़क के किनारे खून से लथपथ मिला। जिसके सिर से खून निकल रहा था। अचल ने बताया कि उसके पूछने पर यशवीर ने बताया कि सरपंच हसन का साला सुन्दर से उसका मामूली सी बात को लेकर झगड़ा हो गया।

ट्यूबवेल से पांच सोलर प्लेट चोरी, केस दर्ज

फर्रूखनगर। खंड के गांव सुल्तानपुर की ढाणी ख्वासपुर के खेतों में अज्ञात चोरों ने एक किसान के खेत में लगे ट्यूबवेल पर लगी पांच सोलर प्लेट चोरी कर लीं। पुलिस ने किसान के बयान पर मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दिया है। पुलिस को दिए बयान में महेंद्र सिंह पुत्र अमीलाल निवासी ख्वासपुर की ढाणी सुल्तानपुर ने बताया कि उसने अपने खेत में दो वर्ष पहले सोलर पैनल ट्यूबवेल लगवाया था। चोरी कर ले गए।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय की तीसरी मेरिट लिस्ट जारी

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं अपना नाम

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में यूजी पाठ्यक्रमों के लिए तीसरी कट ऑफ जारी कर दी गई है। यूजी पाठ्यक्रमों में बीटेक, बीपीटी, एमबीए-5 वर्ष व एमकॉम -5 वर्ष में दाखिले के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट में आए छात्रों द्वारा फीस भरने के बाद बुधवार को तीसरी लिस्ट जारी कर दी गई है।

एमबीए 5 वर्ष के लिए ऑल इंडिया कैटगरी में 86.40 प्रतिशत पर कट ऑफ रही, हरियाणा जनरल कैटगरी में 80 प्रतिशत, एससी कैटगरी के लिए 73.60 कट ऑफ रही। एमकॉम 5 वर्ष के लिए ऑल इंडिया कैटगरी में 86.2 कट ऑफ रही, हरियाणा जनरल कैटगरी में 85.2, एससी कैटगरी के लिए 80.2 प्रतिशत पर कट ऑफ रही। बीटेक के लिए ऑल इंडिया कैटगरी में 91.2 प्रतिशत पर कट ऑफ रही, हरियाणा जनरल कैटगरी में 87, एससी कैटगरी के लिए 80 प्रतिशत पर कट ऑफ रही।

सोहना में भी रेल दौड़ने की मंजूरी से खिले क्षेत्रवासियों के चेहरे

नरेश कुमार । सोहना

सोहना में भी रेल दौड़ने की मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र के लोगों को अब प्रदेश की राजधानी चण्डीगढ़ जाना-आना आसान हो जाएगा। राज्य के अन्य जिलों का सफर भी आसानी से कर सकेंगे। केन्द्र सरकार द्वारा मंगलवार को पलवल से वाया सोहना, मानेसर, सोनीपत के बीच ऑर्बिटल रेल चलने की मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों की सालों से चली आ रही रेल लाइन की मांग पूरी हो गई है। जिससे क्षेत्र के लोगों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र के लोगों को सड़क यात्रा से रेल मार्ग का सफर आसान और कम खर्चे वाला होने के साथ-साथ सुहावना भी होगा।

चण्डीगढ़ आना-जाना होगा आसान

युवा आशिश का कहना है कि रेल का सफर बस किराएं से काफी कम खर्चे वाला होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजधानी चण्डीगढ़ से संबंधित कामकाजों को निपटाना तथा हाईकोर्ट से संबंधित मामलों को वहा जाकर आसान होगा। इसके अलावा राज्य के अन्य जिले भिवानी, रोहतक में स्थित शिक्षा बोर्ड और एमडी यूनिवर्सिटी का भी सफर सुहावना हो जाएगा।

सालों बाद जनता की मांग हुई पूरी

सोहना निवासी सरोज का कहना है कि क्षेत्र में छूक, छूक, छूक दौड़ने की मांग क्षेत्र के लोग 1980 से करते आ रहे हैं। रेल चलने की मांग पूरी होने में भले ही 40 वर्ष का सपना पूरा हो गया, लेकिन क्षेत्र के विकास को चार चांद लगे है, क्योंकि किसी भी क्षेत्र को विकसित करने में रेल लाइन का सबसे बड़ा महत्वपूर्ण सहयोग होता है।

जाम से मिले जाएगी मुक्ति

गुरप्रीत सिंह का मानना है कि ऑर्बिटल रेल लाइन से राज्य के अन्य जिलों में जाने आने की दूरी कम तो हो ही जाएगी। इसके साथ जो चण्ड़ीगढ़ जाने के लिए जो दिल्ली या गुरुग्राम से रेल पकड़नी होती थी। वह अब सफर भीड़-भाड़ से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि इतना समय दिल्ली से चण्डीगढ़ जाने में लगता था। उतना ही समय सोहना से दिल्ली को पार करने में लग रहता है।

आईएमटी के विकास में रामबाण

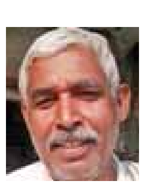

दौला निवासी सतबीर का कहना है कि सोहना से लगता रोजका मेव के साथ लगता आईएमटी को विकसित करने में रेल लाइन का आना लाभदायक होगा। किसी भी उद्योग क्षेत्र में कच्चा माला लाना और तैयार माल को निर्यात करना रेल से आसान होता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार चाहती है कि गुरुग्राम के बाद सोहना को विकसित करने के लिए इस प्रकार की सुविधाएं देना जरूरी है।

यातायात नियमों का पालन करने वालों को किया सम्मानित

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण और परिवर्तन एक प्रयास संस्था ने किया कार्यक्रम

गुरुग्राम में यातायात के नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को सम्मानित करते यातायात पुलिस अधिकारी और संस्था की संस्थापक रितु कटारिया।

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में एक नई पहल करते हुए यातायात के नियमों का पालन करने वाले लोगों को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण और परिवर्तन-एक प्रयास नामक ट्रस्ट द्वारा मिलकर सम्मानित किया जा रहा है। अब तक इस अभियान के तहत जिला के 400 लोगों को सम्मानित किया जा चुका है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रदीप चौधरी ने बताया कि गुरुग्राम जिला के विभिन्न चौराहों जैसे-सेक्टर 4/7 चौक, न्यू कॉलोनी रोड, सोहना चौक व कई अन्य प्रमुख सड़कों पर पिछले 10 सप्ताह से यह अभियान चलाया जा रहा है। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। जो लोग स्वेच्छा से अपना उत्तरदायित्व समझते हुए यातायात नियमों का पालन कर रहे हैं ।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पीटीएम में भाग लेते अभिभावक, शिक्षक।

गूगल लिंक से अभिभावकों से भरवाया सहमति पत्र

पलवल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंडकोला में पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य 10वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के अभिभावकों से विभाग द्वारा गूगल लिंक पर दिए गए परफॉर्मा के अनुसार अक्टूबर माह से विद्यालय को नियमित रूप से खोलने की सहमति पत्र मांगा गया था। ताकि यह निश्चय किया जा सके कि कितने प्रतिशत अभिभावक बोर्ड की कक्षाओं के लिए विद्यार्थियों की पढ़ाई को नियमित रूप से विद्यालय आकर कराना चाहते हैं। विभाग के निर्देशानुसार प्रधानाचार्य जितेंद्र यादव ने बारहवीं कला संकाय के कक्षा प्रभारी सत्यदेव, बारहवीं विज्ञान व वाणिज्य संकाय के कक्षा प्रभारी वेदप्रकाश भारद्वाज, दसवीं कक्षा की प्रभारी विनीता मिश्रा और सीमा रानी को विद्यालय में अभिभावकों से सहमति पत्र लेने के लिए आदेश जारी किए। प्रधानाचार्य के आदेशानुसार चारों कक्षा प्रभारियों ने पूरी निष्ठा के साथ यह कार्य किया। इसके अलावा विद्यालय में रोटेशन ड्यूटी के अनुसार पचास प्रतिशत अन्य स्टाफ सदस्य राजबाला, रेखा चौधरी, सुबेसिंह मैन सिंह, मनोज, कविता, उषा रानी, मनोज लिपिक ने ऑनलाइन गृहकार्य देने, फीस लेने, हिंदी पखवाड़े से संबंधित कार्य व अन्य जरूरी कार्य किए। इसी के साथ दसवीं और बारहवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को अपने आधार कार्ड में नया फोटो अपडेट करने के लिए भी हिदायत दी गई। जितने अभिभावकों ने गूगल लिंक पर विद्यालय खुलने की अनुमति में हां या ना लिखा, उसका सारा रिकॉर्ड प्रधानाचार्य ने दयानंद रावत खंड शिक्षा अधिकारी को भेजा।

अज्ञात बाइक सवार ने टैंपो चालक से की लूट

फर्रूखनगर। जाटोला रेलवे फाटक के पास अज्ञात बाइक सवार ने टैंपो चालक को बाइक सामने लगाकर मारपीट करके पैसे लूटे और फरार हो गए। जानकारी अनुसार सोमवार को करीब सवा 9 बजे रेलवे लाइन जाटोला के पास पवन पुत्र प्रेमसुख वासी जोड़ी कला अपना लोडिंग टेंपो लेकर आ रहा था। रेलवे फाटक के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार युवकों ने टेंपो के सामने मोटरसाइकिल लगाकर पवन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया व करीब डेढ़ लाख रुपए लूट ले गए पवन को पटौदी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जिसकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है।

नरेन्द्र मोदी का 70 वां जन्मदिवस पर सेवा सप्ताह की शुरुआत

सोहना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 70वां जन्मदिवस सेवा सप्ताह की शुरूआत से मनाया गया। खेड़ला में नेत्र जांच शिविर का आयोजन करके सेवा सप्ताह की शुरूआत की गई। पूरे एक सप्ताह तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस को सेवा सप्ताह के रुप में मनाया जाएगा। इस सेवा सप्ताह के सात दिनों में नेत्र जांच, रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसकी शुरूआत खेड़ला गांव में नेत्र जांच शिविर से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने फीता काट कर शिविर का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि और स्थानीय विधायक संजय सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज राघव ने की। इस अवसर पर सोहना विधायक संजय सिंह नेत्र जांच शिविर में अपनी आंखों की जांच कराने आए वृद्धों को चश्मे और दवाइयां फ्री दी गई। शिविर में 133 लोगों ने अपनी ऑखों की जांच कराई। इस अवसर पर यशवीर राघव, पिंटू त्यागी, महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष निधि राघव, आदि भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोर्टल पर जिला के साढ़े 15 हजार किसानों ने कराया पंजीकरण

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल पर बाजरे की फसल के लिए 15 हजार 597 किसानों ने 67 हजार 550 एकड़ भूमि के लिए अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन करवाया है। इसके अलावा अन्य फसलों के लिए जिला में 16 हजार 44 किसानों ने 72 हजार 105 एकड़ भूमि के लिए अपना पंजीकरण किया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप-निदेशक आत्माराम गोदारा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की खरीफकी फसल को जोखिममुक्त बनाने के लिए इस योजना की शुरूआत की गई। इस योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के दौरान उन्हें सही समय पर सहायता उपलब्ध करवाना है। इसके साथ ही किसानों की सुविधा के लिए इस पोर्टल पर किसानों को कृषि संबंधी सभी जानकारियां भी दी जाती है। उन्होंने क्षेत्रवार बाजरे की फसल के पंजीकरण की जानकारी देते हुए बताया कि जिला के पटौदी में किसानों द्वारा सबसे अधिक पंजीकरण किया गया है। पटौदी में 5 हजार 639 किसानों ने स्वयं का 24 हजार 415 एकड़ भूमि के लिए पंजीकरण करवाया है। इसी प्रकार फर्रूखनगर में 4 हजार 907 किसानों ने 21 हजार 861 एकड़, मानेसर में 2 हजार 508 किसानों ने 9 हजार 909 एकड़ भूमि, सोहना में 2 हजार 188 किसानों ने 8 हजार 777 एकड़, हरसरू के 460 किसानों ने 2 हजार 233 एकड़, बादशाहपुर के किसानों ने 66 किसानों ने 282 एकड़ तथा कादीपुर के 17 किसानों ने 70 एकड़ भूमि के लिए स्वयं का पंजीकरण करवाया है। अन्य फसलों के सबसे अधिक रजिस्ट्रेशन पटौदी के 5 हजार 768 किसानों ने किया है। इसी प्रकार फर्रूखनगर के 5 हजार 108 किसानों, मानेसर में 2 हजार 514 किसानों, सोहना के 2 हजार 2 हजार 279 किसानों, कादीपुर के 24, बादशाहपुर के 69 किसानों तथा गुरुग्राम के लिए 3 किसानों ने अपना पंजीकरण किया है।

एएनएम के थानेदाराना व्यवहार का विरोध करने वाले व्यक्ति पर मुकदमा

पॉजिटिव ने एएनएम पर लगाया घर आकर किया हंगामा करने का आरोप

कविता। फरीदाबाद

दर्ज कराई एफआईआर
भीकम कालोनी की एक एएनएम ने मंगलवार को पॉजिटिव आये एक व्यक्ति पर गली गलौच करने, जान से मारने की धमकी देने और बिना मास्क के बाहर घूमने, किसी अन्य व्यक्ति के साथ गाड़ी में बाहर बैठकर जाने और कोरोना फैलाने का मामला दर्ज करवाया है।

एएनएम से पंगा
डॉ. मान सिंह ने बताया कि आरोपी पॉजिटिव व्यक्ति ने एएनएम से दुर्व्यवहार करने की सूचना मिलने पर वह स्वयं डॉ. एके यादव के साथ मौके पर पहुंचे, तो आरोपी व्यक्ति ने उन्हें कुछ नहीं कहा, बल्कि एएनएम से ही उनके सामने को ही उल्टा-सीधा बोल रहा। आरोपी पर मामला दर्ज करवाया गया है।

बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के अंतर्गत आने वाली भीकम कालोनी की एक एएनएम ने मंगलवार को पॉजिटिव आये एक व्यक्ति पर गली गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने, बिना मास्क के बाहर घूमने, किसी अन्य व्यक्ति के साथ गाड़ी में बैठक जाने और कोरोना फैलाने का मामला दर्ज करवाया है। वही पॉजिटिव व्यक्ति का कहना है कि एएनएम ने उस पर झूठा मामला दर्ज करवाया है।

यह थी घटना
42 वर्षीय पॉजिटिव व्यक्ति ने पायनियर को बताया कि वह सेक्टर-आठ स्थित एक निजी अस्पताल के एडमिन के ब्रांडिंग विभाग में तैनात है। एएनएम ने उन पर झूठा मामला दर्ज करवाया है। एएनएम ने जब उन्हें फोन किया, उस समय उसका फोन दूसरे कक्ष में चार्जिंग पर लगा था। फोन न उठाने पर वह बिना मास्क के परिचय दिए बिना घर में पहुंच गई और उल्टा सीधा बोलने लगी। परिचय मांगने पर उसने नहीं बताया। उन्होंने उसे मास्क लगाने और घर से जाने के लिए कह दिया। जिस पर वह भड़क कर मुंह पर चुन्नी बांधते हुए उन्हें भला-बुरा कहते हुए हंगामा करने लगी। लोगों की भीड़ लगने पर एएनएम ने उसे पॉजिटिव बताते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया। एएनएम द्वारा किए जा रहे हंगामे के दौरान उसने महिला थाने की एसएचओ इंदु को फोन पर शिकायत दी। जिस पर उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत वह सिटी बल्लभगढ़ थाने में दें। जिसके बाद उन्होंने सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. मान सिंह को हंगामे की जानकारी दी। एसएमओ ने मामला शांत करने का दबाव बनाते हुए एएनएम को समझाने की बात कही। जिस पर वह चुप होकर घर में क्वारेंटाइन हो गए।

मतदाता सूचियों का पुर्नरीक्षण 15 नवंबर से

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त यशपाल ने बताया कि एक जनवरी 2021 को क्वालीफाईंग तिथि मानकर मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके तहत 16 नवंबर 2020 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी 2021 को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी बुधवार को मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर सभी ईआरओ, एईआरओ और विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। मीटिंग में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी ईआरओ व एईआरओ को निर्देश दिए कि यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों का प्रस्ताव (मतदाताओं की संख्या अधिक होने, भवन क्षतिग्रस्त होने, राजनैतिक दलों के सुझाव व प्रस्ताव के कारण) है तो वह 30 सितंबर से पहले जिला निर्वाचन अधिकारी को भिजवा सकते हैं। सभी एआरओ व ईआरओ इनके दावे व आपत्तियों का निपटारा पांच जनवरी 2021 तक करना सुनिश्चित करेंगे।

कोरोना विस्फोट: 2 मौतें, 292 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 16,699

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार को 292 कोरोना के मरीज सामने आने से कोविड-19 का आंकड़ा 16,699 पर पहुंच गया। वहीं जिले में दो पॉजिटिव की मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 197 पर पहुंच गया। राहत की बात यह रही कि जिले में पिछले 24 घंटे में 228 मरीजों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 87.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव
जिले में पिछले 24 घंटों में कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों की मौत हो गई। जिसमें 57 वर्षीय सेहतपुर निवासी एक महिला और मुजेड़ी निवासी 55 वर्षीय एक पुरूष शामिल है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि दोनों कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 292 पॉजिटिव में तिगांव, सागरपुर, मौजपुर, भूपानी, सेक्टर-85, हुडा मार्केट, छायंसा से 1-1 मरीज है। चावला कालोनी, चार्मवुड, शिव दुर्गा बिहार, सेक्टर-23, 76, जनता कालोनी, चंदावली, अनगपुर, पुलिस लाइन, यादराम कालोनी, राजीव कालोनी से 2-2 मरीज है। सेक्टर-64, 49, 75, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, एनएच-5, बड़ौली, सैनिक कालोनी, जीवन नगर, कटरा वाडा, जवाहर कालोनी, पर्वतीया कालोनी, भुखारपुर, एसजीएम नगर से 3-3 मरीज है। राजा नाहर सिंह कालोनी, गांधी कालोनी, सेक्टर-55, 87, 28, 86, ईएसआईसी कैम्पस, डबुआ कालोनी, एनएच-एक, दो, भाटिया कालोनी से 4-4 मरीज शामिल है। सेक्टर-7, एसी नगर, सराय से 5-5 मरीज है। सेक्टर-8, श्याम कालोनी से 6-6 मरीज है। ददसिया, नंगला, ग्रीन फील्ड से 7-7 मरीज हैं। एनएचपीसी कालोनी से 8, सेक्टर-21 से 9 और अन्य एरियों से 114 मरीज शामिल है।

यह है आंकड़े

कुल सैम्पल लिये	172828
कुल नेगेटिव आये	155709
कुल पॉजिटिव आये	16699
रिपोर्ट आनी है शेष	420
अब तक कुल मौते	197
गंभीर हालत में भर्ती	56
वेंटीलेटर पर भर्ती	11

किसानों ने उठाई पिपली में दर्ज केस वापस लेने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कुरूक्षेत्र के पीपली में किसानों पर हुए लाठीचार्ज व उनके खिलाफ केस दर्ज को लेकर गांव अजरौंदा में सैनी धर्मशाला में किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। किसान संघर्ष समिति ग्रेटर फरीदाबाद के अध्यक्ष शिवदत्त वशिष्ठ, एडवोकेट ने कहा कि किसानों पर पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज की निन्दा करते हैं। सभी किसानों के हस्ताक्षर करके मुकदमा खारिज करने की मांग सरकार को भेजी। उन्होंने कहा कि सरकार को तुरन्त किसानों के खिलाफ मुकदमे को रद्द करने की मांग। किसान संघर्ष समिति के संयोजक अमर सिंह मलिक ने कहा कि जनतांत्रिक तरीके से विरोध व आन्दोलन करने वालों किसानों पर लाठी चार्ज करना असंवैधानिक है। सभी किसानों ने पिपली में भांजी गईं लाठियां जैसी भयावह कार्यवाही से पुलिस के खिलाफ सख्त नाराजगी दिखाई, वशिष्ठ ने कहा कि किसान अन्न पैदा करके सभी वर्गो का पोषण करता है। किसान जब अपने अधिकार की मांग करता है। इस मौके पर लाल सिंह पौसवाल, लाल सिंह सैनी, बुद्धीराम शर्मा, नानक चन्द डुडी, वीरपाल, गिर्राज, नरसिंह सैनी, भीम सिंह, वेदप्रकाश, निहाल सिंह, रामचन्द सैनी, रामअवतार, महावीर सिंह, चम्मन सिंह, छोटे लाल, रूप चन्द, हजारी सैनी, चतर सिंह, लाला राम, किशोर, नवल सैनी, नौसाद खान, बिजेन्द्र सिंह सैनी, सादू राम, आदि किसान मौजूद थे।

नया अध्यादेश पूरी तरह किसानों के हित में : गुर्जर

राष्ट्र चिंतन और सकारात्मक प्रयोगों से पिछले छह वर्षों में देश निरंतर हो रहा है उन्नति की ओर अग्रसर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

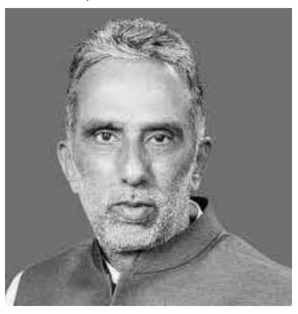

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्वितीय व्यक्तित्व, दूरदृष्टि, राष्ट्र चिंतन और सकारात्मक प्रयोगों से पिछले छह वर्षों में देश निरंतर उन्नति की उन्नति की ओर अग्रसर है। आज हर क्षेत्र में एक नए भारत का उदय हो रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के अन्नदाताओं के लिए जो इस देश के लगभग सवा सौ करोड़ लोगों को अन्न प्रदान करते हैं, के हितों के लिए आजादी के बाद पहली बार अध्यादेश लाने का संकल्प लिया गया, परंतु विपक्ष के द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि इस अध्यादेश के आने से मंडी व्यवस्था खत्म हो जाएगी, जबकि ऐसा नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के किसान भाइयों को सरकार द्वारा यह विश्वास दिलाया जाता है कि इस अध्यादेष से किसी तरह की जमाखोरी नहीं बढ़ेगी। सरकार का पूरा नियंत्रण रहेगा। किसी भी ऐसी वस्तुओं की जमाखोरी नहीं करने दी जाएगी, जिसकी उपलब्धता बाजार में कम हो गई होगी। अगर ऐसा होता है तो इसके पूरे भंडारण को सरकार अपने अधिकार में ले सकती है। उन्होंने कहा कि यह अध्यादेश किसान भाइयों को अपना उत्पाद देश भर में कहीं भी बेचने का अवसर प्रदान करता है। यह किसानों की आर्थिक आजादी के लिए उठाया गया सही कदम है। किसान भाई अपने उत्पाद को स्थानीय स्तर पर बेचें, चाहे प्रदेश स्तर पर बेचें या फिर पूरे देश में कहीं भी बेचें, उनके लिए सारे विकल्प खोल दिए गए हैं।

ये सुविधा पहले केवल उद्योगपतियों को ही प्राप्त थी। इन अध्यादेषों में कहीं भी ऐसा कोई जिक्र नहीं है कि किसान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल नहीं बिकेगी। यह सब विपक्ष के द्वारा झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। किसान अगर चाहे तो मंडी में जाकर एमएसपी पर अपनी फसल को बेच सकता है। अगर उसको मंडी से बाहर एमएसपी से अधिक मूल्य मिल रहा है तो वह वहां बेचने के लिए भी स्वतंत्र है। ये किसान की मर्जी पर निर्भर करता है। किसान भाई कहीं भी अपनी फसल को बेच सकते हैं। हरियाणा सरकार ने तो अब खरीफ फसल की खरीद के लिए सारी तैयारी भी कर ली है। हरियाणा में धान की खरीद के लिए 400 खरीद केंद्र, बाजरा के लिए 120 और मूंग के लिए 30 खरीद केंद्रों का निर्धारण भी कर दिया है। इन केंद्रों पर जाकर किसान भाई अपनी फसल को एमएसपी पर दे सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार आश्वस्त करती है कि किसान की जमीन को किसी भी स्थिति में कोई कंपनी नहीं कब्जा सकती है।

जब तक का अनुबंध किसान चाहेगा, अपनी मर्जी से करेगा और जिस मूल्य पर चाहेगा, उस मूल्य पर करेगा। अध्यादेश की धारा 8ए में उल्लेख है कि अगर कोई भी व्यवसायी अनुबंध खेती की आड़ में किसान की जमीन नहीं ले सकेगा। कोई भी व्यवसायी एक बार अधिक धन देकर उसे चुकाने की एवज में हमसे बंधुआ खेती नहीं करा सकेगा। कोई भी व्यवसाय हमारे खेत यदि ट्यूबवेल व पाली हाउस जैसे ढांचा खड़ा करता है तो वह अनुबंध के 3 महीने के भीतर उसे नहीं हटाता है तो किसान उसका मालिक होगा। यह अध्यादेश पूरी तरह से किसान भाइयों के हित के लिए लाया गया है और आने वाले दिनों में यह उनकी आर्थिक दशा और दिशा बदलने में क्रांतिकारी साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

सेक्टर-52 के सामने लगा हुआ गोबर का ढेर

सड़क किनारे गोबर डालने से परेशान हो रहे लोग

फरीदाबाद। नगर निगम और इको ग्रीन ने मिलकर मंगलवार को लाखों रुपए खर्च करके स्वच्छता को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया था। जिसमें गैर सरकारी संस्था के सीईओ ने स्वच्छता रैंकिंग बढ़ाने के तरीके बताए थे। कार्यशाला में निगम अधिकारियों ने भी सफाई को लेकर बढ़े दावे किए गए थे। लेकिन जमीनी स्तर पर शहर में सफाई नजर नहीं आ रही है। इसका नजारा सेक्टर-52 के सामने गौंछी ड्रेन के साथ लगती रोड पर देखा जा सकता है। गौंछी ड्रेन के साथ लगती सड़क पर गोबर का ढेर लगा दिया गया है। जब सेक्टर के लोग डेयरी संचालकों से गोबर डालने के लिए मना करते है तो वह लड़ाई करने पर उतारू हो जाता है। कई बार डेयरी संचालक सेक्टर में भी गोबर डाल जाते हैं। बुधवार को डेयरी संचालकों के खिलाफ सेक्टर-52 आरडब्लूए की ओर से नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत सौंपी गई गई। निगम स्वास्थ्य अधिकारी श्याम सिंह को बताया कि लगातार मना करने के बावजूद लोग गोबर डाल रहे हैं। जबकि नगर निगम दावा करता है कि गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जा रही है। ऐसे में उन्होंने निगम से मांग करते हुए कहा कि गंदगी के ढेर को हटवाया जाए। आरडब्लूए प्रधान अनिल तिजारा और स्थाई निवासी अमित यादव ने कहा कि सेक्टर में किसी भी तरह की गंदगी बर्दाश्त नहीं होगी।

21 वें दिन भी जारी रहा आशा वर्करों का धरना

फरीदाबाद। अपनी लंबित मांगों को लेकर आशा वर्कर यूनियन का धरना बुधवार को 21 वे दिन भी बदस्तूर जारी रहा। धरने की अध्यक्षता जिला उप प्रधान रेखा शर्मा ने की। इस मौके पर सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर, जिला सचिव लाल बाबू शर्मा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल एवं बैंक कर्मचारी यूनियन के नेता कॉमरेड ओम प्रकाश विशेष रूप से उपस्थित रहे। एसी नगर, नंगला, और मोहना ग्रामीण इलाकों की आशा वर्करों ने भाग लिया। सरकार की वादाखिलाफी से रूस्ट हुई बैठी आशा वर्करों ने खूब सरकार विरोधी नारे लगाए। उन्होंने आशा वर्करों को पक्का करो, इनको सरकारी कर्मचारी का दर्जा दो, के अलावा एएनएम की भर्ती में शैक्षणिक योग्यता रखने वाली आशाओं को पदोन्नति देने के नारे लगाए। आशा वर्करों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने राज्य सरकार पर आशा वर्करों की समस्याओं का निदान नहीं करने का आरोप लगाया।

डॉ. ओपी भल्ला की याद में रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। मानव रचना ने संस्थापक डॉ. ओपी भल्ला की 7वीं स्मरण वर्षगांठ पर उनको श्रद्धांजलि देने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पूरे मानव रचना परिवार ने मानव रचना शिक्षण संस्थान (एमआरईआई) परिसर में रक्तदान शिविर के माध्यम से संस्थापक डॉ ओपी भल्ला को उनकी सातवीं स्मरण वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि दी। लायंस क्लब ऑफ फरीदाबाद और समन्वय परिवार ट्रस्ट के सहयोग से डॉ ओ पी भल्ला फाउंडेशन के तत्वावधान में एमआरईआई की मुख्य संरक्षिका श्रीमती सत्या भल्ला द्वारा आयोजित शिविर का उद्घाटन किया गया। सख्त सोशल डिस्टेंसिंग मानदंडों के बाद, मानव रचना के स्टाफ के सदस्यों ने कंपित स्लॉट पर 91 यूनिट रक्त दान किया। स्टाफ सदस्यों को तहे दिल से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सत्या भल्ला ने कहा, 'संकट के इस समय में, जब सोशल डिस्टेंसिंग नया सामान्य है, तो हमें एकजुटता और उदारता के महत्व को याद रखने की अहम् आव्यशकता है।

अवैध कालोनियों में फिर की हुई बड़ी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ईन्फोर्समैन्ट एण्ड विजीलेंस द्वारा गांव सरूरपुर की राजस्व सम्पदा में 3 अवैध कालोनियां जोकि लगभग 8 एकड भूमि पर विकसित की जा रही थीं, में जिला प्रशासन की मदद से तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार नरेश कुमार ने बताया कि तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान अवैध कालोनियों में बनाये गये रोड़ नेटवर्क के अलावा 8 निर्माणाधीन औद्योगिक शैड, 5 रिहायशी निर्माण व 20 डीपीसी/बाउंड्रीवाल में तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई। उक्त अवैध कालोनी परमार प्रॉपर्टी डीलर, नरेश अग्रवाल प्रॉपर्टी डीलर और तैयब प्रॉपर्टी डीलर द्वारा विकसित की जा रही थीं, जिनके खिलाफ विभाग द्वारा पहले ही एफआईआर दर्ज करवाई जा चुकी है व तीनों प्रोपर्टी डीलर जमानत पर बाहर हैं। ये प्रोपर्टी डीलर अवैध कालोनी काट कर उसमें प्लाट बेचते हैं। इसलिए इन प्रोपर्टी डीलरों से जमीन की किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त न करें। इन द्वारा काटी गई कालोनी में पहले भी विभाग द्वारा कई बारे तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है। विभाग द्वारा आजकल भू-माफियाओं के खिलाफ एक अभियान चलाया हुआ है। जिससे सामान्य जनता में एक संदेश जा रहा है कि अवैध कालोनियों में प्लाट खरीदना कितना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

राहुल अरोड़ा को चुना प्रधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीलर्स एण्ड बिल्डर्स एसोसिएशन सेक्टर-49 (सैनिक कालोनी) की एक महत्वपूर्ण बैठक सैनिक कालोनी मार्किट में संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से राहुल अरोड़ा को एसोएिशन का प्रधान चुना गया। बैठक में पूर्व प्रधान सुनील भड़ाना ने अपनी अति व्यस्तता का हवाला देते हुए राहुल अरोड़ा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका सभी सदस्यों ने ताली बजाकर स्वागत किया। इस अवसर पर राहुल अरोड़ा ने कहा कि में एसोसिएशन के सभी सदस्यों और खासकर पूर्व प्रधान सुनील भड़ाना का धन्यवाद करता हुं जिन्होंने मुझे इस लायक समझा। सुनील भड़ाना ने कहा कि में आशा करता हुं राहुल अरोड़ा के नेतृत्व में यह एसोसिएशन दिन दूरी रात चौगनी तरक्की करेगी। इस मौके पर सुनील भड़ाना, चन्दर विरमानी, जीडी कौशिक, अजीत मदान, सुनील भाटिया, सुभाष चौधरी, पुलकित अनेजा, प्रिंस अनेजा, कीर्ति, दीपक कुकरेजा, विपिन विरमानी, हिमांशु कपूर, तुषार दुआ, गगन अरोड़ा, अनिल, ऋषभ पुरी, कौशिक, निखिल, इन्दरपाल सिंह, मोहित कालरा, परवीन त्यागी, भगद सिंह, हितेश शर्मा व अनीश महेन्दू मौजूद थे।

पत्नी को मारने पर पति किया गिरफ्तार

बल्लभगढ़। साहूपुरा गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर उसे जबरन जहर देकर घर में आग लगा दी। महिला को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। साहूपुरा गांव निवासी कुसुम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति सुखवीर शराब पीने का आदि है। वह घर में हर समय झगड़ा करता रहता है। आरोप है कि मंगलवार को भी वह शराब पीकर आया था। उसकी पत्नी कुसुम ने शराब पीने का विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

हाईटेंशन लाइन की वजह से एक जान और गई

लापरवाही

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बिजली निगम की लापरवाही से बीती रात एनएच पांच, एम ब्लॉक निवासी एक व्यक्ति की हाईटेंशन तार की चपेट में आकर मौत हो गई। आरडब्ल्युए के प्रधान ने बिजली के अधिकारियों को सूचित किया तो उन्होंने सुबह बात करने की बात कहकर टाल दिया। आरडब्ल्युए प्रधान का आरोप है कि वे गलत तरीके से डाली गई बिजली की लाइन की शिकायत बिजली निगम इलाके की विधायक से कर चुके हैं। यदि इसे दुरूस्त कर दिया जाता तो यह हादसा नहीं होता।

जानकारी के मुताबिक एनएच-पांच एम ब्लॉक में 27 वर्षीय रोहित बत्तरा रहता था। वह पिछले दस सालों से श्रीधार्मिक लीला कमेटी में माता सीता का किरादार निभा रहा था। मंगलवार की रात को 8.40 बजे अपने घर की छत्त पर फोन पर बात कर रहा था। तभी छत्त की बॉलकनी से गुजर रही 11000 वोल्टेज की तार ने उसे चपेट में ले लिया। इस घटना में झुलस कर रोहित की मौके पर ही मौत हो गई।

कल देखेंगे कह, झाड़ दिया पल्ला
आरडब्ल्यूए प्रधान तजेन्द्र खरबंदा द्वारा घटना की शिकायत करने पर निगम के जेई का कहना था कि ऐसे हादसे रोज होते हैं, सुबह देखेंगे। जिस पर खरबंदा ने जेई की बातचीत की वॉयस रिकॉर्डिंग एसडीओ को भेजते हुए मामले की शिकायत की तो उन्होंने भी सुबह देखने की बात कह कर टाल दिया। आरडब्ल्यूए प्रधान ने गत नौ अगस्त को इस बिजली की तार के संबंध में सीएम और विधायक सीमा त्रिखा से ट्यूटर पर शिकायत की थी। इस घटना के विरोध में मृतक के परिजनों ने सुबह मामला दर्ज करने की मांग करते हुए थाना एनआईटी में शिकायत दी। पीड़ितों ने बिजली निगम के अधिकारियों पर मामला दर्ज करने, पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है।

265 शवों की अस्थियों को विसर्जित करने को भेजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री शक्ति सेवा दल के सदस्यों के द्वारा नई जनता कॉलोनी स्थित श्मशान घाट पर 265 शवों की लावारिस अस्थियों का दूध व गंगाजल से स्नान करा कर हरिद्वार गंगा जी मे विसर्जन के लिए सदस्यों का एक समूह को कोतवाली थाने के एसएचओ महेंद्र सिंह ने रवाना किया। श्री शक्ति सेवा दल के प्रधान मोहन लाल अरोड़ा ने आए हुए अतिथि का स्वागत किया। इस मौके पर दल के उप प्रधान परसोत लाल माटा व ओम प्रकाश छाबड़ा ने हनुमान चालीसा के पाठ से कार्यक्रम की शुरूआत की। आचार्य दिनेश शर्मा ने सभी लावारिश शवों की मोक्ष प्राप्ति के लिये, भगवान विष्णु से अरदास की। अन्त में राजेंद्र भाटिया सचिव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर मानक चन्द भाटिया, महिंद्र नागपाल, संजय शर्मा, कंवल खत्री, सतपाल सिंह पाले, लोचन भाटिया आदि लोग मौजूद थे।

BAJAJ FINSERV बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : मुंबई-पुणे रोड, अकुर्डी, पुणे, महाराष्ट्र-411 035
शाखा कार्यालय : 14वां तल, अग्रवाल मेट्रो हाइट्स, नेताजी सुभाष पैलेस, नई दिल्ली-110 034
सार्वजनिक सूचना
कृपया सूचित हों कि 1. बीपीटीपी लिमिटेड एवं पिंकी यादव के बीच निष्पादित बिल्डर खरीदार अनुबंध दिनांकित 15 अप्रैल, 2013, 2. सम्पत्ति संख्या टी4-1204, पार्क जेनरेशन्स, सैक्टर-37 डी, गुरूग्राम, हरियाणा हेतु पिंकी यादव के नाम आबंटन पत्र दिनांकित 14 दिसम्बर, 2012, 3. पिंकी यादव द्वारा बीपीटीपी लिमिटेड को किए गए भुगतानों हेतु भुगतान रसीदें, 4. बीपीटीपी लिमिटेड, पिंकी यादव एवं बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड के मध्य निष्पादित त्रिपक्षीय अनुबंध एवं त्रिपक्षीय अनुबंध बंधक रखने हेतु अनुमति और सम्पत्ति बंधक रखने हेतु अनुमति पत्र, 5. एनओसी, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड द्वारा ऋण समापन एवं शेष राशि अंतरण हेतु पिंकी यादव को जारी एनओसी की मूल प्रतियां, जो बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (बीएचएफएल) के पास ऋण के संबंध में अनुषंगी प्रतिभूति के तौर पर जमा की गई थीं, बीएचएफएल की अभिरक्षा से गुम हो गई हैं/खो गई हैं, जिसकी विधिवत रिपोर्ट अपराध शाखा पुलिस स्टेशन में एलआर नंबर : 536952/2020 दिनांकित : 02-09-2020 के माध्यम से दर्ज करवाई जा चुकी है।
कोई भी व्यक्ति, जिसको वह मिले हैं अथवा कोई बैंक, कम्पनी, संस्था जिसने उनको जमा किया हो अथवा कोई व्यक्ति, जिसको उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई दावा/आपत्ति है, कृपया उसके प्रमाण स्वरूप दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी से इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर सम्पर्क करें।
उदित मेहरा,
एस/डी/डब्ल्यू/ओ सुनील मेहरा,
बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड,
14वां तल, अग्रवाल मेट्रो हाइट्स, नेताजी सुभाष प्लेस, नई दिल्ली-110 034

29 को सड़कों पर उतरेंगे देशभर के कर्मचारी, करेंगे आक्रोश प्रदर्शन

नीतियों की पोल खोलने के लिए हैंड बिल का वितरण भी करने का लिया गया निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने बुधवार को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए उन्होंने ऐलान किया की केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी और कर्मचारी एवं मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ देशभर के कर्मचारी 29 सितंबर को सड़कों पर उतरेंगे और सभी विभागों एवं जिला मुख्यालयों पर आक्रोश प्रदर्शन करेंगे।

मीटिंग की अध्यक्षता कोषाध्यक्ष युद्धवीर सिंह खत्री ने की और संचालन सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर ने किया। बैठक में 29 सितंबर को होने वाले प्रदर्शन की मांग एवं मुद्दों को आम कर्मचारी तक पहुंचाने के लिए 17 से 28 सितंबर तक सभी विभागों में जन संपर्क अभियान चलाया जाएगा और सरकार की नीतियों को पोल खोलने के लिए हैड बिल का वितरण भी करने का भी निर्णय किया गया। बैठक में 23 सितंबर को बर्खास्त पीटीआई द्वारा कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के आवास पर होने वाले प्रर्दशन व 22 सितंबर को निजीकरण के खिलाफ निगम के चेयरमैन के कैथल आवास पर हरियाणा टूरिज्म कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रर्दशन का भी समर्थन करने का फैसला किया गया। 27 सितंबर को पं. मूलचंद शर्मा के आवास पर आरटीआई के ठेका कर्मचारियों के सामूहिक प्रतिनिधिमंडल के आगमन का भी स्वागत करने का निर्णय बैठक में लिया गया। जिला कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि 29 सितंबर के आक्रोश प्रदर्शनों में सभी सरकारी विभागों एवं उपक्रमों, श्रम कानूनों, जनतांत्रिक अधिकारों, संवैधानिक संस्थाओं व रोजगार को बचाने, भ्रष्टाचार की जननी एंव शोषण की पोषक ठेका प्रथा को समाप्त करवाने,ठेका कर्मचारियों को सीधा विभागों के पे रोल पर लेने,समान काम समान वेतन एवं सभी ठेका कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने और एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन बहाल करने, 1983 पीटीआई सहित अन्य विभागों से बर्खास्त किए सभी कर्मचारियों की सेवाएं बहाल करने,डीए, एलटीसी व नई भर्तियों पर लगाई गई।

श्रमिकों की मौतें

सरकार का आंकड़े से इनकार

बेंजामिन डिजराइली ने एक बार कहा था कि 'झूठ तीन प्रकार का होता है, झूठ, सफेद झूठ व आंकड़े'। लगता है कि सरकार ने राष्ट्रीय संकट के समय यह कथन स्वीकार कर लिया है। उसे किसी ऐसे डेटा पर विश्वास नहीं है जिसे स्वयं उसने न एकत्र किया हो। इस प्रकार परोक्ष रूप से उसने महामारी के कारण लागू लाकडाउन के समय प्रवासी मजदूरों के पलायन के समय उनकी मौतों को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, उस समय मीडिया में अनेक हृदय विदारक खबरें सामने आई थीं जिनमें शहरों में रातोंरात रोजगार समाप्त होने के बाद निर्धन मजदूर बड़ी संख्या में अपने गांवों को पलायन के लिए मजबूर हुए थे। उनमें से अनेक भूख या बीमारी के कारण कोई सहायता न मिलने से मर गए थे। सरकार का यह दृष्टिकोण संवेदनहीन होने के साथ अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाना है। इससे भी बुरी बात है कि यह संवेदनहीनता संसद में सामने आई है। एक सवाल के जवाब में केन्द्रीय श्रम मंत्रालय ने कहा कि उसके पास प्रवासी श्रमिकों की मौतों का कोई आंकड़ा नहीं है, इसलिए राहत और सहायता का 'सवाल ही नहीं उठता है।' यदि मंत्री, उनके कार्यालय व नौकरशाहों की बात मान ली जाए कि किसी कारण से वे भारत के सबसे खराब 'विपरीत पलायन' की खबरों को नहीं मानते हैं तो मंत्रालय की इस स्वीकारोक्ति का क्या अर्थ है कि देश के विभिन्न कोनों से एक करोड़ से अधिक श्रमिकों ने अपने गांवों की ओर पलायन किया? क्या यह मान लिया जाए कि असंगठित श्रमिकों पर कोई आपदा नहीं आई थी? शायद इस बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सटीक है जिन्होंने ट्वीट किया है कि 'यदि आपने गिनती नहीं की है तो क्या इसका अर्थ है कि मौतें नहीं हुई हैं?' सरकार रेल मंत्रालय द्वारा दिए इस बयान से कैसे पल्ला झाड़ सकती है

कि श्रमिक ट्रेनों से यात्रा करते समय अनेक प्रवासी श्रमिक मर गए। अनेक श्रमिक थकावट के कारण पटरियों पर सो गए और ट्रेनों से कुचल गए। मीडिया के अनुसार 25 मार्च व 31 मई के बीच 1400 से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में 198 प्रवासी श्रमिकों समेत 750 लोग मारे गए। यदि सरकार इन आंकड़ों पर विश्वास नहीं करती है तो भी वह सारी दुनिया को झुठला नहीं सकती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ व एशियन डेवलपमेंट बैंक-एडीबी के अनुसार देश में महामारी के समय 41 लाख रोजगार समाप्त हुए हैं। अप्रैल में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट्र से संकेत मिलता है कि महामारी के समय देश में 40 मिलियन से अधिक आंतरिक विस्थापितों का रोजगार प्रभावित हुआ था। हाल ही में सेंटर फार मानीटरिंग इंडिया इकोनोमी-सीएमआईई ने कहा था कि केवल जुलाई में पांच मिलियन वेतनभोगी लोगों का रोजगार समाप्त हुआ, जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा सबसे अधिक 17.7 मिलियन था। संकट इतना बड़ा था कि मनरेगा के अंतर्गत रोजगार की पंजीकरण कराने वालों में एमए व एमबीए डिग्री धारक भी शामिल थे। इनमें शहरों में रोजगार समाप्त होने के बाद स्वरोजगार में लगे नौजवान भी थे। यदि सरकार प्रत्येक मनरेगा कार्ड धारक को इस साल 100 दिन का रोजगार दे तो उसे 2.8 लाख करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। केन्द्र ने इस योजना पर जोर देकर ठीक किया, लेकिन बकाया भुगतान की समस्या बनी हुई है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत 16,045 करोड़ रुपये बकाया मजदूरी व अन्य दायित्वों के साथ हुई। ऐसे में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एक लाख करोड़ का आबंटन घट कर 84,000 करोड़ रह जाता है। योजना शुरू होने के बाद इसमें अधिकतम आबंटन किया गया है, लेकिन यह जीडीपी का केवल 0.47 प्रतिशत है, जबकि विश्व बैंक की सलाह 1.7 प्रतिशत खर्च की है। मनरेगा में लगातार वर्तमान 100 कार्य दिवसों में वृद्धि की मांग होती रही है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार सालों में औसत केवल 47 दिन रहा है। समय आ गया है कि मनरेगा में सुधार किए जाएं। विभिन्न राज्यों ने वापस लौटे श्रमिकों की उनके कौशल के अनुसार सूची बनाने का काम किया है, पर यह अखिल भारतीय स्तर पर होना चाहिए। श्रमिकों को महत्व देना होगा क्योंकि इसके बिना आत्मनिर्भरता का लक्ष्य नहीं प्राप्त हो सकता है।

ड्रैगन सेना की भयावह कमजोरी

युद्ध का अनुभव खरीदा नहीं जा सकता है। अनुभव की यह कमी चीनी सेना के लिए युद्ध के मैदान में सबसे घातक सिद्ध हो सकती है।

भूपिंदर सिंह
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी व पूर्व उपराज्यपाल हैं)

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्वयं स्वीकार किया है कि 2.1 मिलियन से अधिक सक्रिय सैनिकों वाली दुनिया की सबसे बड़ी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए 'शांति की बीमारी' से ग्रस्त है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी-सीसीपी के महासचिव तथा केन्द्रीय सैनिक आयोग-सीएमसी के अध्यक्ष की 2012 में जिम्मेदारी संभालने के बाद से शी जिनपिंग ने पीएलए में सैद्धान्तिक, रणनीतिक, तकनीकी, सांस्कृतिक व हथियारों की उपलब्धता के दृष्टिकोण से भारी परिवर्तन किए हैं। इसके बावजूद वे युद्ध में अनुभवहीनता से बहुत चिन्तित हैं क्योंकि चीनी सेना का 1979 के बाद से कोई परीक्षण नहीं हुआ है, जब यह तुलनात्मक रूप से कमजोर वियतनामी सेना के सामने एकदम नाकारा सिद्ध हुई थी। महत्वपूर्ण है कि 1979 में चीन से लड़ने वाले वियतनामी सैनिक पहले ही अमेरिकी सैनिकों से दो दशक से लड़ रहे थे तथा बुरी तरह आहत थे। इस कारण वे एक बेहतर संगठित, प्रशिक्षित व हथियारों से लैस बल नहीं थे। 1979 में चीनी पीएलए के सैनिक केवल 1950 के दशकारंभ में कोरियाई युद्ध में लड़े थे और इस अनुभवहीनता के साथ उन्होंने वियतनामी सैनिकों का मुकाबला किया था। उनको बहुत जल्दी खुद को बड़ी सैनिक शक्ति होने की गलतफहमी का खामियाजा भुगतना पड़ा था। वे बेहतर हथियारों तथा आक्रामक रणनीति से लैस थे, लेकिन युद्ध की अनुभवहीनता इस पर भारी पड़ी थी। वर्तमान समय में पीएलए की इसी अनुभवहीनता को शी जिनपिंग 'शांति की बीमारी' कहते हैं। लेकिन इसके बावजूद वे आक्रामक व उत्पीड़नवादी तथा वैश्विक विस्तारवादी दृष्टिकोण अपना रहे हैं।

'शांति की बीमारी' के अनेक अन्य आयाम हैं जो पीएलए की युद्धक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। पहला, पीएलए की स्वामिभक्ति तथा आधीनता सिविलियन सीसीपी के प्रति है। यह समझ शुरुआती वर्षों में शी जिनपिंग द्वारा पीएलए के अनेक जनरलों को हटाने तथा अपने 'यंग गार्डों' को पदोन्नत करने के रूप में सामने आई थी। ये 'यंग गार्ड' 1979 के बाद वाले हैं। इसके साथ ही चीनी युद्धक इकाइयों में कंपनी के स्तर पर 'यूनिटी आफ कमांड' हमेशा कमजोर होती है क्योंकि उसे राजनीतिक अधिकारियों के साथ अपनी जिम्मेदारी साझा करनी होती है जो पार्टी या सीसीपी के प्रति जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का गैर-सैनिक लक्ष्य सामने रखते हैं। पीएलए की ढांचागत संरचना में बहुत बड़ी कमी गैर-कमीशंड अधिकारियों या एनसीओ कैडर का ठीक से विकास न होना है, जबकि यह युद्धक क्षमता के लिए बहुत जरूरी है। कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की फौलाद जैसी मजबूती अन्य चीजों के साथ 'जूनियर कमांड' की मजबूती थी जिसने सीधे सामने आ कर नेतृत्व किया। इस दृष्टिकोण से एनसीओ कैडर की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जहां भारत और यहां तक कि पाकिस्तान की सेनायें आंतरिक जरूरतों या अशांत सीमाओं पर युद्ध अनुभव प्राप्त करती रही हैं, वहीं चीनी 'शांति की बीमारी' आराम के कारण पैदा हुई है। भारत-चीन इतिहास में 1967 में नाथू ला व चो ला

डोकलाम व गलवान घाटी में चीन जवाबी कार्रवाई से आश्चर्यचकित है। भारतीय सेना ने ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा कर वीरता का प्रदर्शन किया है। इससे चीनी सेना की शांति की बीमारी या युद्ध अनुभवहीनता स्पष्ट रूप से सामने आ गई है जिसकी कमी तलवार-भांजने, धोखाधड़ी तथा सैनिक-ढांचागत निर्माण से पूरी करने का प्रयास हो रहा है।

सीमा पर झड़प में भारतीय सेना की श्रेष्ठता सिद्ध हुई थी जो लड़ाइयों में तपी हुई थी तथा 1962 में भारतीय सेना की तुलना में उसकी सोच एकदम अलग थी। निसंदेह चीन ने सेना में भारी निवेश किया है। उसका वार्षिक रक्षा बजट आबंटन 2019 में लगभग 261-266 बिलियन डालर था। यह भारत द्वारा सशस्त्र सेनाओं पर खर्च का चार गुना है। लेकिन सैनिक तकनीकों में उत्कृष्टता के चीनी दावों पर गंभीर सवाल हैं। इनमें चेंगडू जे-20 'पांचवी पीढ़ी' के स्टील्थ लड़ाकू विमान पर उठने वाले सवाल महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही उसके प्रशिक्षण, ढांचागत पुनर्गठन व कमांड व्यवस्थाओं पर भी सवाल हैं। स्वदेशी हथियारों की श्रेष्ठता के चीनी दावों के बावजूद चीन ने खुलेआम रूस से एस-300, एस-400 एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणालियां तथा एसयू-27 व एसयू-35 लड़ाकू जेट खरीदने के प्रयास किए हैं। इसके साथ ही उसने 'रिवर्स इंजीनियरिंग' के माध्यम से अन्य प्रणालियां व तकनीकें तैयार की हैं। लेकिन भारत जैसे देशों की तुलना में चीन की स्थिति इस अर्थ में बेहतर है कि उसने राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अभिन्न अंग के रूप में 'सुरक्षा' को अंतर्निहित कर लिया है। यह उसकी अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों व रणनीतिक गणित में सभी नीतिगत क्षेत्रों में दिखाई देता है, फिर चाहे वे आंतरिक हों या बाहरी। इसके उलट तनाव बढ़ने पर 'भारतीय सैनिक' को चयनित तरीके से याद किया जाता है, पर भारतीय अवस्थापना ने उसकी भूमिका को दूसरे स्तर का माना है। यह रक्षा मामलों पर प्राथमिकता और प्रासांगिकता के रूप में दिखाई देता है तथा त्वरित प्रतिक्रिया या राजनीतिक रूप से प्रतियोगी 'निवेशों' के रूप में सामने आता है। विडंबना है कि राजनेता वर्ग द्वारा भारत के आंतरिक मामलों के कुप्रबंधन ने सुनिश्चित किया है कि भारतीय सैनिक बलों में कोई 'शांति की बीमारी' न आने पाए।

युद्ध का अनुभव एक सबसे महत्वपूर्ण चीज है जो सेनाओं की किस्मत तय करता है। इसके साथ ही घातक हथियार, प्रक्रियायें, नेतृत्व, संख्या बल या सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश तथा राजनीतिक जुड़ाव भी महत्वपूर्ण हैं। जापान की 'बानजेई' संस्कृति व अभिप्रेरणा का स्तर भौतिक कमियों को पूरा कर सकता है। संख्या बल के अनुसार बहुत बड़ी तथा दशकों चले ईराक-ईरान युद्ध के कारण अनुभवी ईराकी सेना पहले खाड़ी युद्ध में अमेरिकन हथियारों, प्रशिक्षण तथा पेशेवर कार्यशैली की श्रेष्ठता के चलते 100 घंटे के भीतर पराजित हो गई। इसी प्रकार यही युद्ध अनुभव तथा ज्यादा पेशेवर अमेरिकी सेना को अफगानिस्तान से 'बाहर निकलने' पर मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि उसका सामना अधकचरी तालिबान मिलिशिया से है जिसके पास बराबरी के हथियार, प्रशिक्षण व ढांचागत संरचना नहीं है।

डोकलाम व गलवान घाटी में चीन जवाबी कार्रवाई से आश्चर्यचकित है। इसके साथ ही भारतीय सेना ने ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा कर अपनी वीरता का प्रदर्शन किया है। इससे चीनी सेना की 'शांति की बीमारी' या युद्ध अनुभवहीनता स्पष्ट रूप से सामने आ गई है जिसकी कमी तलवार-भांजने, धोखाधड़ी तथा सैनिक-ढांचागत निर्माण से पूरी करने का प्रयास हो रहा है।

पीएलए के लेफ्टीनेंट जनरल ही लेई ने कुछ साल पहले कहा था कि सेवानिवृत्ति के पहले उनका सबसे बड़ा दुख यह है कि उन्होंने कभी कोई लड़ाई नहीं लड़ी। युद्ध अनुभव के दृष्टिकोण से उनके वारिस और भी बुरी स्थिति में हैं, जबकि दूसरी ओर अनेक चिन्ताओं व कमियों के बावजूद 'शांति की बीमारी' जैसी कोई चीज उनके साथ निश्चित रूप से नहीं है। युद्ध का अनुभव खरीदा नहीं जा सकता है और इसके कारण युद्ध के मैदान में चीन का भ्रम पूरी तरह टूट सकता है।

मीडिया की विश्वसनीयता की रक्षा जरूरी

सिद्धार्थ मिश्र
(लेखक विवेकानंद स्कूल आफ जर्नलिज्म में प्रोफेसर हैं)

भारतीय मीडिया में वर्तमान उथल-पुथल की आलोचना, खासकर टेलीविजन में, आलोचक को खारिज किए जाने की प्रवृत्ति का परिचायक है। अगला आरोप यह कि मीडिया पिछली हुकूमत के प्रति सहानुभूति रखता है तो फिर ऐसी सहानभूतियों के लिए तब सवाल क्यों नहीं उठाए गए थे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान समय के बहुत से कोलाहलपूर्ण ध्वज-वाहक, जो मीडिया में निर्लज्जतापूर्ण ढंग से प्रस्तुत किए जा रहे झुकाव का विरोध कर रहे हैं, वे स्वयं अनुचित पहुंच एवं संरक्षण का लाभ उठाने के दोषी हैं, जिससे ईमानदार पत्रकारिता एवं संरक्षण प्राप्त पत्रकारिता के बीच का अंतर धूमिल हो रहा है। ऐसा कहकर, पूर्व में उल्लिखित मूल धारणा को तीक्ष्णता एवं विद्वेष के एकमात्र कारक के तौर पर सही नहीं ठहराया जा सकता है, जो भारतीय टेलीविजन की दशा की व्याख्या करता है। इसका ज्यादा लेना-देना बाजार तथा राजस्व मॉडलों से है। इस लेखक ने उस समय उस दौर में दि पायनियर के साथ काम किया है जब उसे केंद्रीय अंग्रेजी दैनिक का सबसे बड़ा अधिकार माना जाता था। लेकिन समाचार पत्र के संपादकीय नेतृत्व को इसका श्रेय जाता है कि झुकाव के बावजूद, इसने कभी विरोधी मतों को हतोत्साहित नहीं किया और प्रमुख स्थान दिया।

अधिक महत्वपूर्ण रूप से, इसने वैचारिक रुख अपनाया, व्यावसायिक कीमत चुका कर क्योंकि बहुत सी सरकार एजेंसियां एवं विभागों ने अखबार के राजस्व मॉडल को ध्वस्त करने के लिए दिनरात प्रयास किए। निश्चित रूप से विपक्षी समाचार पत्र होना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था और वो भी केंद्रीय विचार के निकट रहकर काम करने वाले अखबार के नाते। यही बात केंद्रीय वैचारिकता के निकट वाले वर्तमान पक्षधरों के लिए नहीं कही जा सकती। यह तो सरकार के दाहिनी ओर रहकर काम करने का मामला है। किसी वैचारिकता के प्रति ईमानदार होने का अर्थ होता है कीमत चुकाना, जो वर्तमान के दिखावा करने वाले नहीं चुकाते थे और न ही आज चुका रहे हैं, क्योंकि दोनों अवसरों पर वे सरकार के दाहिनी ओर रहते थे।

फिर एक और मुद्दा आता है। क्या किसी राजनीतिक विचार का समर्थक होना किसी मीडिया घराने को उसी वैचारिकता वाली सरकार पर सवाल उठाने के अधिकार से वंचित कर देता है? अटल बिहारी वाजेपेयी के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान, बांग्लादेश के साथ सीमा पर झड़प का एक उदाहरण सामने आया था जिसमें सीमा सुरक्षा बल का एक अधिकार मारा गया था। उसकी बटालियन बहुत गरिमाहीन ढंग से वापस लौटी थी। छवियां

देखकर क्रोध आता था जबकि सरकार शांति की बात कर रही थी। पायनियर में मुख्य पृष्ठ पर छपे संपादकीय में कहा गया, ''झुको, मगर जमीन पर लेट न जाओ।'' अब यह उस समाचाार पत्र द्वारा की गई आलोचना थी जो तत्कालीन सरकार से निकटता के लिए जाना जाता था। इसके लिए संपादक के स्तर पर काफी साहस की, और आलोचना को सकारात्मक रूप से लेने के लिए सरकार के स्तर पर विशालहृदयता बरतने की आवश्यकता थी।

मीडिया घरानों द्वारा अपनाया जाने वाला वर्तमान खबर संबंधी रुझान यह है कि सरकार कभी गलत नहीं करती, क्या इससे सत्ताधारी चिंतित होंगे। चिंता दो मोर्चों पर होनी चाहिए : पहला, इन मीडिया घरानों की विश्वसनीयता का क्षरण और एंकरों का सरकार के प्रति सहानुभूति रखना। दूसरे, विपक्ष को कोई स्थान न देकर, मुख्यधारा मीडिया ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां उसने अपने राजनीतिक प्रचार वाहन चलाने प्रारम्भ कर दिए हैं, जहां मीडिया घरानों के प्रति अविश्वास पैदा हो गया है और उन्हें सरकारी प्रचार के वाहन बताया जा रहा है। जिनके पास आलोचकों के प्रति विद्वेष को बढ़ावा देकर प्रचार नीतियों की जिम्मेदारी है उन्हें एहसास नहीं है कि आलोचकों पर हमला बोलकर वे समान रूप से कटु प्रति-विमर्शों को भड़काने का काम कर रहे हैं। जब सोशल मीडिया और तकनीकी उच्चीकरण पूर्ण रूप से मीडिया क्षेत्र का लोकतांत्रीकरण कर रहा है, ऐसे में किसी सरकार की छवि केवले प्राइम टाइम एंकरों पर निर्भर नहीं हो सकती।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां ट्रोल करने वाले सेनाएं कीचड़ उछाल प्रक्रिया में अपने सेवाएं मुहैया कराने को तैयार हैं। सवाल यह है कि उन्हें कौन ऐसा करने के लिए भुगतान कर रहा है। जबकि जवाहरलाल नेहरू के विचारों का प्रसार होने में आधी सदी से अधिक का समय लग गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने जीवनकाल में ही इन आलोचनाओं का विषय बनाए जा रहे हैं। नेहरू तथा उनके बाद के कई प्रधानमंत्री सौभाग्यशाली थे कि वे आर के लक्ष्मण जैसे कार्टूनिस्ट द्वारा आलोचनाओं का विषय बनते थे। साथ ही वे भाग्यशाली थे कि उस समय सोशल मीडिया नहीं था, जो उन्हें कीचड़ में घसीटने का प्रयास करता।

आज सरकार के दावों पर विरोधी विमर्श विविध सोशल मीडिया मंचों पर नजर आते हैं जो कुछ ही पलों के भीतर सार्वजनिक रूप से सामने आ जाते हैं। फर्जी एवं गलत व्याख्याओं पर आधारित तथ्यों पर निर्भरता के कारण अविश्वास का माहौल पैदा हो गया है, जहां खबर सच भी हो तो उसकी स्वीकार्यता जल्दी होना आसान नहीं होता। इस स्थिति ने ऐसे माहौल को जन्म दिया है कि कारण सबसे बड़ी दुर्घटना बन जाता है। जब फर्जी खबर बाजार में बेचे जाने योग्य वास्तविकता बन जाती है, तब प्रमाण आधारित, बेहतर तर्क के अनुरूप जानकारियों के इच्छुक ग्राहक ज्यादा संख्या में नहीं होते। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिपादित इन्फोडेमिक शब्द को ही ले लीजिए, जो कोविड-19 महामारी संबंधी सूचनाओं के बहाव पर दिया गया था। असलियत में रोगाणु ने मीडिया को वित्त तथा विश्वसनीयता दोनों मामलों में तगड़ी चोट पहुंचाई है। टेलीविजन और अखबार दोनों में, महामारी को लेकर सरकार के संबोधनों से परे जाने में पत्रकारों की विफलता तथा उसके मतानुसार आलोचना ने खबरों के उपभोक्ताओं को होशियार कर दिया है। किसी को भी स्पष्ट जानकारी नहीं है वायरस दुनिया को कहां ले जा रहा है।

यदि किसी उत्पाद के प्रति अविश्वास की भावना व्याप्त हो, तो उसके लिए स्वाभाविक रूप से कोई बाजार नहीं होगा। बाजार ऐसे उत्पादों की तलाश करता है जिनका आसानी से उपभोग किया जा सके। अत: बाजार नए उत्पादों की खोज में रहता है। असलियत में, वर्तमान स्थिति एक इतालवी नाटककार, उपन्यासकार, कवि तथा छोटी कहानी लेखकर लुइगी पिरांडेलो के 20वीं सदी के पूर्वाद्ध में रचे गए नाटक, 'किसी लेखक की तलाश में छह किरदार' की याद दिलाती है। शुरुआत में नाअक दर्शकों को समझ में नहीं आया। जब पिरांडेलो ने कुछ वर्ष बाद उसमें आगे जोड़ा तब उसकी सराहना की जाने लगी। खबरों के पारखी आज उत्सुकतापूर्वक वर्तमान तारतम्यहीन मीडिया परिदृश्य में आगे प्राक्कथन जोड़े जाने की प्रतीक्षा में हैं।

आप की बात

समस्याओं का जाल

महामारी के दौर में हम देख रहे हैं कि बहुत लोगों के हाथों से उनकी नौकरी छिन गई है। वह सब नहीं बेरोजगारी की दीवार पर आ गए हैं और अब कोई और काम में नहीं मिल रहा है। हाल ही में जारी हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2020 में जॉब ग्रोथ रेट घटकर 3.5प्रतिशत हो गई है। जबकि पहले यह .3 प्रतिशत ज्यादा थी।लेकिन ऐसे डेटा के मुताबिक यह समझ में नहीं आ पा रहा है कि लॉकडाउन के कारण कितने लोगों ने नौकरियां छोड़ी कई लोग बेघर हो गए। नया रोजगार ना मिल पाने के कारण लोग पलायन कर रहे थे और कोई सरकारी योजना के तहत अपना काम ढूंढ रहे थे ऐसे में ग्रोथ रेट .3 प्रतिशत ही क्यों घटी? इसका एक कारण कि बाद में नौकरियां मिलनी शुरू हुई तो जो लोग इसके लिए जागरूक थे सिर्फ वही इसके लिए तत्पर हो पाए जिसकी वजह से जो बेरोजगारी का हमारे पास डाटा था वह थोड़ा कम हो गया। इसी बीच दिया देखा गया कि सबसे ज्यादा विकास तकनीकी के क्षेत्र में हुआ है। चाहे वह नए लोगों को रोजगार देने में हो या फिर घरेलू वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पकड़ बनाने में हो तकनीकी क्षेत्र हर पहलू पर सफल हुआ है। आशा है कि जो बेरोजगारी की दर इस लाक डाउन के समय में थी वह धीरे-धीरे गायब हो।

- **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

रूप बदलता कोरोना

कोरोना के रूप का बदलना कोई नई बात नहीं है लेकिन जो इसके आकड़े प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं वो बेशक चिंताजनक है। वैसे आमतौर पर डेंगू बुखार में प्लेटलेट्स काउंट कम होते थे, परन्तु अब कोरोना भी डेंगू के वेश में मरीजों पर वार कर रहा है। जो अवश्य ही भयावह है। व इसमें अचानक मरीज की प्लेटलेट्स काउंट गिरकर 20 हजार से भी नीचे आ जा रही है। जबकि जांच में डेंगू नहीं निकल रहा है। ऐसे में मरीज ज्यादातर कोरोना की गंभीर अवस्था में पहुंचने के बाद मिल रहे हैं। पीजीआई में डॉक्टरों ने इस पर शोध भी शुरू कर दिया है। पीजीआई के प्रोफेसर अनुपम वर्मा का कहना है कि अचानक मरीजों में प्लेटलेट्स काउंट गिरने से मैनेज करना मुश्किल हो रहा है। और पीजीआई में एडमिट लोकबंधु अस्पताल के डॉक्टर की प्लेटलेट्स भर्ती होने के दूसरे दिन ही दस हजार पहुंच गई। प्राथमिक तौर पर यह सामने आ रहा है कि कोरोना मरीज के इम्यून कॉम्प्लेक्स को प्रभावित करता है, जिसमें मोनोसाइड और मैकरोफेज सेल पर अटैक होता। इससे बॉडी में प्लेटलेट्स की खपत बढ़ जाती है। जबकि उनका उत्पादन पहले के मुकाबले कम रहता है। और यही कारण है कि प्लेटलेट्स काउंट अचानक से गिर जाते हैं।

- **निधि जैन**, लोनी, गाजियाबाद

बढ़ता भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार का नासूर व्यवस्था को लीलता जा रहा है। आज छोटे से छोटा काम भी बगैर खर्च के नहीं हो पाता है। जहां इसमें व्यवस्था दोषी है वही आम आदमी भी बराबर का हकदार है क्योंकि त्वरित काम के लिए अपनी मजबूरी जताता था व्यक्ति आखिरकार उसका पारिश्रमिक भी भ्रष्टाचार के ऊपर अदा करता ही है। तेलंगाना में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है जहां एडिशनल कलेक्टर ने एक किसान से उसकी जमीन के अनापत्ति प्रमाण पत्र के बदले 1.2 करोड़ की घूस की मांग की थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)उक्त अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है जो व्यवस्थाओं की पोल खोलने के लिए काफी है। तमाम कानूनी कार्यवाही के बीच मामला जब जांच में आएगा तब राजनीतिक दबाव से सब कुछ सुलझ जाएगा। इतनी बड़ी राशि के रिश्वत का मामला है तो उसमें राजनीतिक संरक्षण भी कहीं ना कहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसमें लिप्त दलालों को भी दबोचा जाए जिससे कि व्यवस्था बिगड़ने से बचे।

- **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

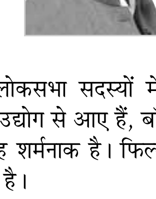

"**नशे** का व्यापार एवं लत लगने की समस्या बढ़ती जा रही है। चीन और पाक से होकर ड्रग्स भारत आती हैं। हमारा फिल्म उद्योग भी प्रभावित है।

- **रवि किशन**
अभिनेता व भाजपा सांसद

कल लोकसभा सदस्यों में से किसी एक ने, जो फिल्म उद्योग से आए हैं, बॉलीवुड के खिलाफ बोला था। यह शर्मनाक है। फिल्म उद्योग को संरक्षण की जरूरत है।

- **जया बच्चन**
अभिनेत्री व सपा सांसद

पाकिस्तान ने पूर्ण रूप से उस प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जो 29 फरवरी को दोहा में अमेरिका-तालिबान शांति वार्ता के रूप में परिणित हुई और इस मुकाम पर पहुंची है।

- **शाह महमूद कुरेशी**
पाक विदेश मंत्री"

भर्ती मरीजों की गहन मॉनीटरिंग की जाए

आलू, टमाटर व प्याज की कालाबाजारी रोकी जाए: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अनलाक व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कोविड चिकित्सालय में भर्ती मरीजों की गहन मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सफलतापूर्वक उपचारित किये गये रोगियों की इलाज विधि का बारीकी से अध्ययन किया जाए। इससे अन्य मरीजों का सफल इलाज करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा को मेडिकल कॉलेज व चिकित्सा संस्थानों में तथा अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य को जिला चिकित्सालयों में इसकी समीक्षा कराने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को उचित मूल्य पर सब्जियां उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी कदम उठाये जाएं। उन्होंने आलू, प्याज, टमाटर की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि मूल्य समर्थन योजना के तहत धान की खरीद के लिए समयबद्ध ढंग से तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। धान क्रय केन्द्रों की संख्या में वृद्धि का आकलन कर इसे लागू किया जाए। योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के उपचार की सभी आवश्यक दवाओं की बैकअप सहित पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेजों तथा चिकित्सा संस्थानों में औषधियों एवं ऑक्सीजन की सुचारु व्यवस्था बनायी रखी जाए।

चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ, वॉर्ड्स में नियमित राउण्ड लें। डॉक्टरों तथा पैरामेडिक्स को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया लगातार जारी रहे। मुख्यमंत्री ने कोविड चिकित्सालयों में बेड्स की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का कार्य पूरी तेजी से संचालित किया जाए। इसके लिए सर्विलान्स टीम की व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि रोगियों के लिए ऑक्सीजन निर्धारित दर पर उपलब्ध हो। इसकी कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने लखनऊ व कानपुर नगर में उपचार व्यवस्था को और सुदृढ़ किये जाने के निर्देश दिये हैं। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य तथा अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज लखनऊ की चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा करें। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कानपुर नगर की चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि कोविड संक्रमित रोगी को समय से अस्पताल में भर्ती कराते हुए इलाज प्रारम्भ किये जाने से अधिक से अधिक जीवन रक्षा की जा सकती है। इसलिए कोविड-19 के उपचार की प्रभावी व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि जब तक इस रोग की कोई कारगर दवा अथवा वैक्सीन विकसित नहीं हो जाती तब तक बचाव ही सबसे अच्छा उपाय है। इसलिए कोविड-19 के सम्बन्ध में जागरूकता की कार्यवाही प्रभावी ढंग से संचालित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण प्रदान करने की कार्ययोजना बनायी जाए। उद्यमियों, बेरोजगारों तथा अन्य पात्र लोगों को ऋण उपलब्ध कराने के जनपदवार लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए इसकी पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

चीन विवाद पर बसपा केंद्र व सेना के साथ: मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भरोसा जताया है कि केंद्र सरकार देश की अपेक्षा के अनुरूप पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन को करारा जवाब देती रहेगी। मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि चीन के साथ सीमा विवाद पर जारी संघर्ष को लेकर लोगों की चिंता स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर सरकार और सेना के साथ हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बुधवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर जारी संघर्ष, तनाव व तैनाती आदि को लेकर देश में उत्सुकता व चिन्ता स्वाभाविक है, जिसको लेकर सरकार ने संसद में कल बयान भी दिया है। बीएसपी को भरोसा है कि भारत सरकार देश की अपेक्षा के अनुरूप चीन को करारा जवाब देती रहेगी। बीएसपी सरकार व सेना के साथ है।

प्रमुख चौराहों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर लगेगा पब्लिक एड्रेस सिस्टम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कोविड-19 से बचाव के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने का अभियान होगा और तेज, जिलाधिकारियों से नए स्थान चिन्हित कर 19 सितंबर तक मांगा गया प्रस्ताव

कोविड-19 से बचाव के लिए जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलो के प्रमुख चौराहों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किए जाने की दिशा में शासन द्वारा तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। इस सिलसिले में गृह विभाग की ओर प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों से भी यथावश्यक नए स्थानों को चिन्हित कर पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किए जाने के लिए जरूरी प्रस्ताव 19 सितम्बर तक मांगा गया है।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में गत दिवस लोक भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें इस दिशा में एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार किये जाने के लिए गहन विचार-विमर्श किया गया। शासन की योजना पूरे प्रदेश के सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों यथा चौराहों, बस अड्डों, फील्ड में स्थापित ऐसे सरकारी कार्यालय जहां जनसामान्य की उपस्थिति अधिक रहती है जैसे आरटीओ कार्यालय, अस्पताल, तहसील आदि पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम की स्थापना कर कोविड़.19 से बचाव एवं जागरूकता कार्यक्रम का अधिकाधिक प्रचार प्रसार किए जाने की है।

प्रमुख सचिव परिवहन विभाग ने बैठक में जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सभी बसों में पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित करते हुए सभी बस अड्डों पर भी आडियो विजुअल के माध्यम से कोविड.19 से बचाव के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार की योजना है, जिसे एक माह में पूर्ण किये जाने का आश्वासन दिया गया है। प्रमुख सचिव परिवहन ने यह भी बताया कि इसके अलावा परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा के कार्यों के विस्तार में कोविड-19 को देखते हुए फील्ड में स्थापित आरटीओ कार्यालय में भी पब्लिक एड्रेस सिस्टम से सम्बन्धित एक कार्य योजना शीघ्र प्रस्तुत करेगा।

बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय से अपेक्षा की गयी कि वे पूरे राज्य में जहां भी पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था प्रचलित है, उसकी सूची तथा उस पर स्थापित उपकरणों की चालू हालत कि स्थिति की जानकारी देते हुए शासन को रिपोर्ट यथाशीघ्र प्रस्तुत करेंगे। उनसे यह भी कहा गया है कि इसके अलावा जिन नए स्थानों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किया जाना है, उसके सम्बन्ध में भी एक विस्तृत प्रस्ताव उनके द्वारा शासन के समक्ष तत्काल प्रस्तुत किया जाए।

पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से कोविड-19 से बचाव के लिए प्रचार प्रसार हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं राजस्व विभाग के डिजास्टर मैनेजमेण्ट के तहत भी कार्ययोजना तैयार कर यथाशीघ्र प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा की गयी है। बैठक में प्रमुख सचिव परिवहन राजेश कुमार सिंह, सचिव नगर विकास अनुराग यादव, विशेष सचिव चिकित्सा एवं परिवार कल्याण प्रांजल यादव, राधेश्याम मिश्रा विशेष सचिव राजस्व विभाग, अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था प्रशान्त कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक बीपी जोगदण्ड, सूचना निदेशक शिशिर के अलावा गृह विभाग के सभी विशेष सचिव उपस्थित रहे।

योगी ने विश्वकर्मा जयन्ती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वकर्मा जयन्ती पर शिल्पियों एवं अभियन्ताओं सहित सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश एवं प्रदेश के आर्थिक विकास में तकनीकी विशेषज्ञों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रदेश में बड़ी संख्या में कारीगर एवं हस्तशिल्पी पारम्परिक कार्यों के माध्यम से जीविकोपार्जन करते हैं। यह हस्तशिल्पी और कारीगर पारम्परिक कार्यों में अत्यन्त प्रतिभाशाली हैं। पारम्परिक कारीगरों की प्रतिभा को निखारने के लिए इनके प्रशिक्षण तथा व्यवसाय में वृद्धि के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा एक जनपद एक उत्पाद योजना तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित की जा रही हैं।

किसानों को बड़े व्यापारियों का मोहताज बनाना चाहती है भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रारम्भ से ही किसान और नौजवान विरोधी रही है। संविधान ने जनता को जो मौलिक अधिकार दिए हैं उनकी अवहेलना भी उसके स्वभाव में है। इससे भाजपा राज में कानून व्यवस्था सुधरने के बजाए हालात और खराब हुए हैं। मुख्यमंत्री अपनी नाकामियों से हताशा में अब विपक्ष के प्रति असहिष्णुता और द्वेषपूर्ण आचरण दिखाने लगे हैं। जबकि लोकतंत्र में उन्हें लोकलाज का ध्यान रखते हुए विपक्ष के प्रति भी सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार सन् 2014 से ही किसानों की उपेक्षा करती आई है। भूमिअधिग्रहण के प्रयास के बाद अब भाजपा कृषि अध्यादेशों के जरिए किसानों को बड़े व्यापारियों का मोहताज बनाना चाहती है। भाजपा किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य तो दिला नहीं पाई, उसने आवश्यक वस्तु अधिनियम से ही कई फसलों को बाहर कर दिया। गन्ना किसानों का अभी तक 13 हजार करोड़ रूपये का भुगतान नहीं हुआ। किसान की उपज को नए कानून के सहारे बड़ी कम्पनियां और बड़े व्यापारी मनमाने ढंग से खरीदेंगे। भाजपा इन अध्यादेशों को किसानों की आजादी के जुमले का नाम देकर वास्तव में किसानों को गुलाम बनाना चाहती है।

कोरोना संकट और लॉकडाउन ने कारोबार बंद किए तो नौजवान बेरोजगारी के शिकार बन गए हैं। भाजपा सरकार कथित पूंजीनिवेश के आंकड़ों के साथ रोजगार के सपने दिखाती है पर सच यह है कि प्रदेश में भाजपा सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी नए उद्योग नहीं लगे हैं। न बाहर से पूंजी निवेश हुआ है, न रोजगार सृजित हुआ है। नौकरियों में भर्तियां लटकी हुई हैं। देश में 1.03 करोड़ लोग नौकरी की तलाश में हैं। श्रम मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि यूपी में 14.62 की संख्या नौकरी मांगने वालों की है। अखिलेश ने कहा कि अब तो सरकार ऐसी व्यवस्था कर रही है कि सरकारी नौकरी में भर्ती का रास्ता आउटसोर्स से संविदा कर्मी के रूप में खुलेगा जिसमें तमाम बंदिशें रहेंगी। पांच वर्ष का बहुमत लेकर आई भाजपा साढ़े तीन साल में ही यूपी से रोजगार का खात्मा करने पर आमादा है। उन्होंने कहा सरकार निजीकरण से युवाओं के भविष्य को और अंधकारमय बनाएगी। वैसे भी रोजगार की दशा पिछले 15 वर्षों में सबसे खराब है। रेलवे, बीमा और बैंकों का निजीकरण होना है। एयरपोर्ट निजी हाथों में रहेंगे। निकायों में चतुर्थ श्रेणी में भर्ती आश्रित कोटे से ही होगी। संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना काल में 40 करोड़ रोजगार भारत में खत्म हो सकते हैं।

अखिलेश ने दीं विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेशवासियों को विश्वकर्मा जयंती पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि विश्वकर्माजी को निर्माण और सृजन का आदि शिल्पी माना जाता है। वे वास्तुकला के अद्वितीय आचार्य के रूप में सम्मानित हैं।

प्रियंका गांधी ने योगी सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्रदेश सरकार पर लगातार हमलावर हैं। इसी क्रम में उन्होंने सरकारी नौकरियों के मुद्दे पर योगी सरकार पर निशाना साधा है। प्रियंका गांधी ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि वाह री सरकार, पहले तो नौकरी ही नहीं दोगे। जिसको मिलेगी उसको 30-35 से पहले नहीं मिलेगी। फिर उस पर 5 साल अपमान वाली संविदा की बंधुआ मजदूरी और अब कई जगहों पर 50 वर्ष पर ही रिटायर की योजना। युवा सब समझ चुका है। अपना हक मांगने वो सड़कों पर उतर चुका है। प्रियंका ने अपने ट्वीट में राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के साथ एक मशाल जुलूस का वीडियो भी पोस्ट किया है।

विधान सभा अध्यक्ष ने पीएम मोदी के जन्म दिवस पर दी हार्दिक शुभकामनाएं

लखनऊ। उप्र विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके दीर्घायु जीवन की कामना की है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि नरेन्द्र मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। उन्होंने भारत को पूरी दुनिया में प्रसिद्धि प्रदान की है। भारतीय संस्कृति से जुड़ी योग जैसी प्राचीन विधा को उनके प्रयत्नों से अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। कोरोना महामारी संयुद्ध में उनकी भूमिका सारी दुनिया में सराही गई है।

सरकार चीनी मिलों पर दबाव बनाने में असफल: रालोद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने प्रदेश के गन्ना किसानों का दर्द बयां करते हुये कहा कि गन्ना पेराई सत्र चालू हो चुका है और चीनी मिलों पर 15,683 करोड़ रूपये आज भी बकाया है। इतना ही नहीं उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद बकाया गन्ना मूल्य के ब्याज का हजारों करोड रूपया मिल मालिक दबाये बैठे हैं। प्रदेश सरकार अपनी किसान विरोधी नीति अपनाते हुये चीनी मिलों पर किसी भी प्रकार का दबाव बनाने में नाकाम साबित हो रही है। इसे पूंजीपतियों के प्रति प्रेम अथवा पूंजीपतियों के साथ विशेष मेहरबानी ही कहा जा सकता है। त्रिवेदी ने कहा कि सरकार किसानों के प्रति घड़ियाली आंसू बहाने की हमदर्दी को दिखाने के बजाय धरातल पर यदि कुछ भी सहायता करने में असमर्थ है तो कम से कम किसानों का ही बकाया देने में क्यों आना कानी कर रही है। सरकार को चाहिए कि ऐसी मिलों को बेचकर किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान किया जाय और यदि ऐसा भी सम्भव न हो तो मिलों का अधिग्रहण करके किसानों के प्रतिनिधियों के ही हवाले कर दिया जाय ताकि वे मिले चलवाकर अपना गन्ना मूल्य वसूल सके। केन्द्र सरकार अरबों रूपया पूंजीपतियों को कोरोना महामारी की सहायता के रूप में देने का ढिंढोरा पीट रही है फिर कृषि प्रधान देश में गन्ना किसानों के ऊपर इस प्रकार की बेरहमी दिखाना कहां तक उचित है कि किसानों को अपना बकाया मूल्य भी न मिल सके।

स्मार्ट मीटर की जांच रिपोर्ट आई नहीं, कंपनी के भुगतान की कवायद हुई तेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पावर कारपोरेशन के अधिकारी भले ही तनख्वाह कारपोरेशन से ले रहे हों लेकिन उनकी वफादारी उन कंपनियों के लिए ज्यादा दिखाई पड़ रही है जो कंपनी स्मार्ट मीटर की आपूर्ति मामले में जांच के दायरे में आ गई हैं। स्मार्ट मीटर भार जंपिंग और जन्माष्टमी के दिन स्मार्ट मीटर डिस्कनेक्शन की जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं आई लेकिन पावर कारपोरेशन के अधिकारी स्मार्ट मीटर खरीद का भुगतान कराने में जुटे हैं। उप्र राज्य उपभोक्ता परिषद ने खुलासा किया है कि अधिकारी ईईएसएल को छह करोड़ 86 लाख रुपये का भुगतान कराने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं। इस मामले में ईईएसएल के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री से मांग की है इस मामले में हस्तक्षेप कर भुगतान की प्रक्रिया रोकें और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मोदी का जन्मदिन आज, बीजेपी दिव्यांगजनों को बांटेगी ट्राइसाइकिल

● सेवा सप्ताह के तीसरे दिन कार्यकर्ताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा सप्ताह के रूप में मना रही है। 17 सितम्बर को प्रदेश के सभी जिलों में दिव्यांगजनों को ट्राइसिकिल, कृतिम अंग व अन्य सहयोगी उपकरण भेंट कर नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को पार्टी के सभी कार्यकर्ता मनाएंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह लखनऊ में दिव्यांगों को ट्राइसिकिल सहित अन्य उपयोगी उपकरण भेंट करेंगे। वहीं राष्ट्रीय सहमहामंत्री संगठन शिव प्रकाश हापुड़ में दिव्यांगों को उपकरण भेंट करेंगे। इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में स्थानीय सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्टी के कार्यकर्ता दिव्यांगजनों के उपकरण वितरण कार्यक्रम में सहभागी रहेंगे। महिला मोर्चा की टीम जिला स्तर पर कम से कम 70 गरीब बस्तियों एव अस्पतालों में फल वितरण करेंगी।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई ने बताया कि पार्टी ने बुधवार सेवा सप्ताह के तीसरे दिन स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 75 प्रशासनिक जिला मुख्यालयों में 70 से अधिक सार्वजनिक स्थानों का लक्ष्य लेकर स्वच्छता के संकल्प के साथ पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि जुटे।

घोटालों की सीबीआई जांच कराई जाए: लल्लू

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि पशुधन घोटाले के बाद अब खाद्य एवं रसद आपूर्ति विभाग में नमक की आपूर्ति के ठेके को लेकर राज्यमंत्री जय प्रकाश निषाद पर घोटाले की उंगलियां उठ रही हैं जिस पर मुख्यमंत्री चुप क्यों हैं, आखिर घोटालेबाजों के खिलाफ मुख्यमंत्री कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पशुधन घोटाले के मुख्य आरोपी आशीष राय का राज्यमंत्री जय प्रकाश निषाद के करीबी होने के भी मीडिया में खबरें आ रही हैं। ये खबरें योगी राज में घोटाले दर घोटाले की परत खोल रही हैं। लल्लू ने कहा कि पशुधन घोटाले के बाद अब नमक घोटाले में योगी सरकार के राज्यमंत्री का नाम मीडिया रिपोर्टों में आने के बाद इन घोटालों की सीबीआई जांच कराई जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। सच्चाई सामने आ सके कि आखिर इन घोटालों में दोषी कौन है।

एसआईटी ने शुरू की महोबा कांड की जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महोबा के एसपी रहे मणिलाल पाटीदार के भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाले क्रशर कारोबारी इंद्रकांत त्रिपाठी की हत्या के मामले की एसआईटी ने जांच शुरू कर दी है। जांच के लिए बुधवार को एसआइटी के अधिकारी कबरई पहुंचे। टीम ने सबसे पहले वह स्थान देखा जहां पर क्रशर कारोबारी कार के अंदर घायल पड़े मिले थे। उधर हत्या के मुकदमे में आरोपी बनाए गए निलंबित एसपी मणिलाल पाटीदार व आरोपी थानाध्यक्ष भूमिगत हो गए हैं। पूछताछ के लिए पुलिस की ओर से पाटीदार को नोटिस जारी की गई है।

जानकारी के अनुसार एसआईटी के प्रमुख और आईजी जोन वाराणसी विजय सिंह मीणा, डीआइजी शलभ माथुर और एसपी अशोक कुमार त्रिपाठी जांच के लिए बुधवार दोपहर कबरई पहुंचे। मालूम हो कि डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। एसआईटी के अधिकारी कबरई में सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचे और विवेचक सीओ सिटी आरके सिंह से पूरी जानकारी ली। जांच के दौरान वीडियो रिकार्डिंग भी कराई और आसपास मौजूद लोगों से बातचीत भी की। क्रशर कारोबारी इंद्रकांत त्रिपाठी ने बीती 5 सितंबर को महोबा के तत्कालीन एसपी मणिलाल पाटीदार के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए वीडियो वायरल किया था। दूसरे दिन वह अपनी कार के अंदर गोली लगने से लहूलुहान हालत में पड़े मिले थे। प्रकरण संज्ञान में आते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार के मामले में महोबा एसपी रहे मणिलाल पाटीदार को निलंबित कर दिया था। क्रशर कारोबारी के भाई रविकांत त्रिपाठी ने कबरई थाने में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मणिलाल पाटीदार, तत्कालीन एसओ कबरई देवेंद्र शुक्ला, सहयोगी व्यापारी सुरेश सोनी व ब्रम्हदत्त सहित कुछ अज्ञात पुलिस कर्मियों पर हत्या के प्रयास, साजिश रचने, उगाही आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। इलाज के दौरान इंद्रकांत त्रिपाठी की मृत्यु हो जाने पर मुकदमे को हत्या की धाराओं में तरमीम कर दिया गया। इसके बाद से मणिलाल पाटीदार सहित सभी आरोपी भूमिगत हो गए हैं। इस मामले में पूछताछ के लिए पूर्व एसपी को नोटिस जारी कर तलब किया गया है। इसके साथ ही बाकी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छह टीमें बनाई गईं हैं। दावा किया कि पुलिस जल्द सभी आरोपितों को गिरफ्तारी कर लेगी।

उपचुनाव में पूरी ताकत से उतरेगी कांग्रेस

● सभी आठ सीटों पर प्रत्याशियों के चयन के लिए बनाई कमेटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 8 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन के कील-कांटे दुरुस्त करते हुए पूरी ताकत से उपचुनावों में उतरने का फैसला लिया है। चुनावी तैयारी के तहत हर सीट से प्रत्याशियों के आवेदन लेने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में बनी कमेटी प्रत्याशियों के आवेदन-चयन का काम करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने उपरोक्त कमेटियों का गठन किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि घाटमपुर (सु) सीट की जिम्मेदारी पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, पूर्व मंत्री आरके चौधरी एवं पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश दीक्षित को दी गयी है। मल्हनी सीट के लिए पूर्व विधायक अजय राय, राम जियावन व पार्टी के महासचिव मकसूद खान को जिम्मेदारी दी गई है। देवरिया सदर सीट की जिम्मेदारी पूर्व विधायक नदीम जावेद, पूर्व सांसद बालकृष्ण चौहान व पार्टी के महासचिव विश्वविजय सिंह, बांगरमऊ सीट की जिम्मेदारी कानपुर कैण्ट से विधायक व प्रदेश उपाध्यक्ष सुहैल अख्तर अंसारी, पूर्व विधायक संजीव दरियाबादी और महासचिव विवेकानन्द पाठक को सौंपी गई है। पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व मंत्री दीपक कुमार और प्रदेश महासचिव बदरूद्दीन कुरैशी टूण्डला विधानसभा, नौगावां सादत के लिए पूर्व सांसद प्रवीन सिंह ऐरन, विधायक नरेश सैनी, प्रदेश महासचिव अली यूसुफअली और बुलन्दशहर के लिए पूर्व सांसद हरेन्द्र मलिक, विधायक मसूद अख्तर, कांग्रेस महासचिव विदित चौधरी प्रत्याशियों का चुनाव करेंगे। स्वार विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राशिद अल्वी, पूर्व विधायक नरेन्द्र पाल गंगवार और कांग्रेस महासचिव ब्रह्मस्वरूप सागर को सौंपी गई है।

पहली अक्टूबर से संचालित होगा दस्तक पखवाड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पहली अक्टूबर से प्रदेश में संचारी रोग अभियान के तहत दस्तक अभियान पखवाड़ा संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान आशा बहुएं घर-घर जाकर लोगों को अभियान के संबंध में डेंगू, मलेरिया सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान करेंगी। बुधवार को यह जानकारी अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने दी है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने बताया कि माह नवम्बरए दिसम्बर व जनवरी, 2021 में एक अभियान चलाया जायेगा। जिसके अन्तर्गत कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन में जन्में नवजात शिशुओं के जो आवश्यक टीकाकरण से वंचित रह गये हैं। उन बच्चों का टीकाकरण इस अभियान के अन्तर्गत किया जायेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह पीजीआई से गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल शिफ्ट

लखनऊ। कोरोना संक्रमण से जूझ रहे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व राजस्थान के गवर्नर रहे कल्याण सिंह को बुधवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान से गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया है। उनकी सेहत में सुधार नहीं है। हालांकि डिस्चार्ज करने के समय पीजीआई की तरफसे जारी बयान में उनकी स्वास्थ्य में सुधार व स्थिर बताया गया है। उनके अंदर आक्सीजन का लेवल भी सही है। उनको फीवर नहीं आ रहा है और उनका बीपी भी नार्मल है। लेकिन पीजीआई की तरफ से उनकी कोविड रिपोर्ट निगेटिव नहीं बताई है। पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्यों के आग्रह पर सीएमओ की पहल पर उन्हें आज डिस्चार्ज कराकर एरोम्ड इंटरनेशनल रेस्क्यू सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की एयर एंबुलेंस से लखनऊ के एसजीपीजीआई से यशोदा अस्पताल गाजियाबाद ले जाया गया है। इससे पूर्व मंगलवार को संस्थान के निदेशक डॉक्टर आरके धीमान ने बताया था कि 88 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य में पहले के मुकाबले सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि कल्याण सिंह लोगों से बात कर रहे हैं और उनके रक्त में ऑक्सीजन का स्तर भी संतोषजनक है।

सूबे में कोरोना के 6337 नए मरीज मिले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूबे में कोरोना वायरस कहर बन कर टूट रहा है। बुधवार को 6337 नए मरीज पाए गए हैं। जबकि 67002 केस एक्टिव बताए गए हैं। वही अभी तक प्रदेश में 4690 मरीजों की मौत हो चुकी है। विभाग के मुताबिक अभी तक प्रदेश में 330265 केस कोरोना के मिल चुके हैं। आज 6476 मरीजो को डिस्चार्ज किया गया। अभी तक सूबे में 258573 संक्रमित मरीज ठीक किये जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज लखनऊ में 869, कानपुर में 371, प्रयागराज में 342, गोरखपुर में 202, गाजियाबाद में 197, वाराणसी में 222, नोएडा में 223 , बरेली में 127, मुरादाबाद में 189, मेरठ में 200, अलीगढ़ में 173, सहारनपुर में 110, झांसी में 160, बाराबंकी में 70, देवरिया में 65, बलिया में 49, अयोध्या में 108, शाहजहांपुर में 90, जौनपुर में 53 , रामपुर में 71, आगरा में 59, कुशीनगर में 68, महराजगंज में 52, आज़मगढ़ में 21, हरदोई में 63, लखीमपुर खीरी में 194, मुजफ्फरनगर में 89, गाजीपुर में 43, मथुरा में 45, इटावा में 60, गोण्डा में 41, बुलन्दशहर में 78, बस्ती में 47, पीलीभीत में 130, सीतापुर में 65, प्रतापगढ़ में 59, उन्नाव में 56, सिद्धार्थनगर में 51, चंदौली में 24, बहराइच में 53, बिजनौर में 53, सोनभद्र में 36, मैनपुरी में 64, संत कबीर नगर में 32, बदायू में 44, रायबरेली में 33, फ़िरोज़ाबाद में 32, अमरोहा में 23, हापुड़ में 30, कन्नौज में 21, मिर्ज़ापुर में 29, ललितपुर में 46, मऊ में 24, अमेठी में 32, सम्भल में 40, फर्रुखाबाद में 47, फतेहपुर में 28, जालौन में 50, शामली में 73, औरैया में 38, बांदा में 52, कानपुर देहात में 18, एटा में 28, भदोही में 23, कौशाम्बी में 26, बलरामपुर में 24, अम्बेडकर नगर में 20, कासगंज में 38, बागपत में 21, चित्रकूट में 32, हमीरपुर में 8, श्रावस्ती में 8, हाथरस में 9, महोबा में 20 कोरोना वायरस के संक्रमित मरीज पाए गए हैं।

विभिन्न राज्यों से कुछ लोग आतंकी गुट आईएस में शामिल हुए : सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दक्षिणी राज्यों में आतंकी गुट आईएस की मौजूदगी के संबंध में 17 मामले दर्ज किए और 122 लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत सहित विभिन्न राज्यों से कुछ लोगों के आतंकी गुट इस्लामिक स्टेट में शामिल होने के बारे में सरकारी एजेंसियों को सूचना मिली है।

उन्होंने बताया कि एनआईए ने दक्षिणी राज्यों तेलंगाना, केरल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में आतंकी गुट आईएस की मौजूदगी के संबंध में 17 मामले दर्ज किए और 122 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि केंद्रीय और सरकारी सुरक्षा एजेंसियों को दक्षिण भारत सहित विभिन्न राज्यों से कुछ लोगों के आईएस में शामिल होने के बारे में पता चला है।

रेड्डी ने बताया कि एनआईए की जांच में पता चला है कि केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और जम्मू कश्मीर में आईएस सबसे ज्यादा सक्रिय है। उन्होंने बताया अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए आईएस इंटरनेट आधारित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल कर रहा है। इसे देखते हुए संबद्ध एजेंसियां साइबर स्पेस की सतत निगरानी कर रही हैं और कानून के अनुसार कार्वाई की जाती है।

मंत्री ने बताया सरकार के पास सूचना है कि इन लोगों को वित्त कैसे मुहैया कराया जा रहा है और अपनी आतंकी गतिविधियों को संचालित करने के लिए उन्हें विदेशों से कैसे मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि इस्लामिक स्टेट, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवांत, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया, दाएश, इस्लामिक स्टेट इन खोरासान प्रॉविन्स (आईएसकेपी), आईएसआईएस विलायत खोरासान, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक और शाम-खोरासान को केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून, 1967 के तहत प्रथम अनुसूची में शामिल कर उन्हें आतंकी संगठन घोषित किया है।

रास मे उठी पंजाबी को जम्मू कश्मीर की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को पंजाबी को जम्मू कश्मीर की आधिकारिक भाषा बनाए जाने की मांग की गई। शून्यकाल में कांग्रेस के प्रताप सिंह बाजवा ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि कश्मीर और पंजाब का बेहद गहरा रिश्ता है और कश्मीर में बडी संख्या में लोग पंजाबी भाषा बोलते हैं। जम्मू कश्मीर की आधिकारिक भाषा की सूची में पंजाबी को शामिल किया जाना चाहिए अन्यथा अल्पसंख्यकों में असंतोष बढेगा। शिरोमणि अकाली दल के बलविंदर सिंह भुंडर ने भी यह मुद्दा उठाया। आधिकारिक भाषा की सूची से पंजाबी को बाहर रखने का फैसला बेहद दुखदाई है। पंजाबी बोलने वालों की संख्या विदेशों में भी कम नहीं है। दो सितंबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक विधेयक को मंजूरी दी थी, जिसे तहत कश्मीरी, डोगरी और हिंदी जम्मू कश्मीर की आधिकारिक भाषाएं होंगी। उर्दू और अंग्रेजी पहले से ही आधिकारिक भाषाएं हैं।

मुंबई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर पेन्टिंग बनाता हुआ कलाकार।

पीछे ले जाने वाली है नई शिक्षा नीति : खड़गे

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) भविष्य के बदले पीछे ले जाने वाला दस्तावेज है तथा शिक्षा संविधान के सिद्धांतों पर आधारित होनी चाहिए। खडगे ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि एनईपी पीछे की ओर ले जाने वाला दस्तावेज है जो भविष्य के लिए योजनाएं बनाने और बच्चों को तैयार करने के बदले 2000 साल पीछे की ओर देखता है। स्कूलों में नैतिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के मूल्य संविधान के सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए न कि प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों पर।

खडगे ने कहा कि संविधान के प्रावधान के अनुसार राज्य और राज्य से सहायता प्राप्त संस्थानों में कोई धार्मिक निर्देश नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस क्रम में संविधान के अनुच्छेद 28 (1) का जिक्र किया और कहा कि राज्य कोष से संचालित किसी भी शैक्षणिक संस्थानों में कोई धार्मिक निर्देश नहीं दिए जाएंगे। आंगनवाड़ी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए कोई उचित नीति निर्धारित नहीं की गई है जिससे कस्बों और गांवों के गरीब बच्चों को नुकसान होगा।

कक्षा 10 के बाद लगभग 50 प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते (ड्रॉप आउट) हैं। इसमें कमी लाने के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई है। एक अनुमान है कि इन छात्रों में से 32.4 प्रतिशत छात्र दलित, 25.7 प्रतिशत अल्पसंख्यक और 16.4 प्रतिशत आदिवासी हैं। खडगे ने कहा कि शिक्षकों पर पहले से ही चुनावों, जनगणना और टीकाकरण आदि जैसे कई दायित्वों का बोझ है। इससे उनके लिए शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना कठिन हो जाता है। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में विकास का अवसर मुहैया कराने के लिए गणित, विज्ञान और अंग्रेजी पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य वजहों से मनमोहन चिदंबरम, फर्नांडिस रास के मौजूदा सत्र में भाग नहीं लेंगे

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनमोहन सिंह तथा पूर्व मंत्री पी चिदंबरम स्वास्थ्य संबंधी वजहों से मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा की बैठकों में भाग नहीं लेंगे। बुधवार को उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ सदस्यों के पत्र मिले हैं जिनमें उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से मौजूदा सत्र की कार्यवाही में भाग लेने में असमर्थता जताते हुए सदन से इसकी अनुमति मांगी है। नायडू ने कहा कि उन्हें मनमोहन सिंह, पी चिदंबरम, ऑस्कर फर्नांडिस, हिशे लाचुंगपा, मानस रंजन भूइयां, अंबुमणि रामदास, सुशील कुमार गुप्ता, कैप्टन वी लक्ष्मी कांताराव, परिमल नथवानी, महेंद्र प्रसाद, के जे केनए के पत्र मिले हैं। इन सदस्यों ने पूरे सत्र के दौरान कार्यवाही में हिस्सा लेने में असमर्थता जताई है। इसके अलावा नरेंद्र जाधव, ए नवनीत कृष्णन और बंदा प्रकाश के भी पत्र मिले हैं।

केदारनाथ आपदा में लापता लोगों की खोज में 10 टीमें रवाना

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस ने जून 2013 की प्राकृतिक आपदा में लापता व्यक्तियों की खोज में बुधवार को 10 टीमें केदारनाथ के लिए रवाना कर दीं। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं कानून व्यवस्था) अशोक कुमार ने यहां बताया कि ए 10 टीमें अगले चार दिन तक अपना खोज अभियान जारी रखेंगी और अलग-अलग दिशाओं में जाकर उन लोगों का पता लगाने का प्रयास करेंगी जो अभी तक लापता हैं।

यह अभियान उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर शुरू किया गया है जिसने हाल ही में पुलिस को इस बाबत करवाई करने के निर्देश दिए थे। बुधवार सुबह सोनप्रयाग में रुद्रप्रयाग जिले के पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने इन 10 टीमों को सामान्य निर्देश देते हुए गंतव्य के लिए रवाना किया। ए सभी टीमें गौरीकुंड से अलग- अलग दिशाओं में बढ़ते हुए खोज अभियान में जुट गईं।

पुलिस उपनिरीक्षक की अगुवाई में अभियान पर रवाना हुई प्रत्एक टीम में छह सदस्य हैं जिनमें से दो-दो पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के कर्मी तथा एक फार्मासिस्ट है जो कोई भी साक्ष्य मिलने पर मौके पर ही डीएनए नमूना लेगा। ये टीमें गूगल मैप या जीपीएस की सहायता से अपनी निर्धारित दिशाओं में लापता लोगों की तलाश करेंगी। इन टीमों के लिए रोजमर्रा का जरूरी सामान जैसे स्लीपिंग बैग, टेंट और जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए वायरलैस उपकरण प्रदान किए गए हैं। इस अभियान की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। पुलिस ने पिछले सात सालों में लापता लोगों की तलाश में ऐसे कई अभियान चलाए हैं जिनमें कुछ लोगों के हाथपैर की हड्डियां और कंकाल बरामद हुए थे। पुलिस ने उनकी डीएनए जांच के निष्कर्ष उनके घरवालों तक पहुंचाए थे।

कर्नाटक के दो और मंत्री कोरोना वायरस से संक्रमित

बेंगलुरु। कर्नाटक में एदियुरप्पा सरकार के दो और मंत्रियों-बासवराज बोम्मई तथा के. गोपालैया-की कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। गृहमंत्री बोम्मई ने बुधवार को ट्वीट किया कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने कहा, कल हमारे घरेलू सहायक के संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इसलिए, मैंने भी अपनी जांच करवाई, जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। बोम्मई ने कहा कि उनमें इस रोग के लक्षण नहीं हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर वह घर पर पृथक रह रहे हैं। मंगलवार को खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री गोपालैया ने ट्वीट किया था, मेरे संक्रमित होने की जांच में पुष्टि हुई है, इसलिए मैं डॉक्टर की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। मुझमें इस रोग के कोई लक्षण नहीं हैं। बोम्मई और गोपालैया ने अपने संपर्क में आए लोगों से कोविड-19 की जांच कराने का आग्रह किया है। वायरस से संक्रमित हुए अन्य मंत्रियों में वन मंत्री आनंद सिंह, पर्यटन मंत्री सी टी रवि और कृषि मंत्री बी सी पाटिल शामिल हैं।

क्विक न्यूज

सीमा शुल्क अधिकारियों ने कोविड-19 महामारी दौरान पूर्वोत्तर में 110 करोड़ का सामान किया जब्त

गुवाहाटी। कोविड-19 महामारी के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियो ने पूर्वोत्तर मे अपने 710 अभियानो के दौरान 110 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया है। फिक्की द्वारा कॉम्बैटिंग काउन्टर्फिटिंग एंड समगलिंग ड्यूरिंग कोविड-19 एंड बियोंड पर आयोजित एक वेबिनार मे सीमा शुल्क आयुक्त (पूर्वोत्तर) जी. एम. कामेई ने कहा कि उनके अधिकारी दूसरे विभाग के साथ मिलकर छापेमारी कर रहे है। उन्होने कहा, कोविड-19 के दौरान, हमने 710 अभियानो मे 110 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया है। कमई ने कहा कि सीमा शुल्क अधिकारी, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), असम राइफल्स और विभिन्न राज्य पुलिस के साथ निकट समन्वय मे काम कर रहे है। असम के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के विभाग के सचिव देबज्योति दत्ता ने कहा, तस्करी और जालसाजी की गतिविधियों मे लिप्त अपराधी, अपराध और आर्थिक अस्थिरता को बढ़ावा दे रहे हैं और उपभोक्ता इसका खामियाजा भुगत रहे है।

नक्सली हिंसा में हो रही है कमी : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि देश मे नक्सली हिसा मे निरतंर कमी आई है तथा 2010 इस हिसा मे 1005 नागरिको एवं सुरक्षा बलो के कर्मियों की जान गई थी जिनकी संख्या 2019 मे घट कर 202 रह गई। गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर मे बताया कि चरमपंथी वामपंथ के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार ने 2015 मे एक राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना तैयार की थी जिसमे सुरक्षा उपायो, विकास संबंधी पहल, स्थानीय समुदायो के अधिकार सुनिश्चित करना सहित बहुपक्षीय पहल शामिल थी। उन्होंने कहा कि देश में चरमपंथी वामपंथ संबंधी हिसा और नक्सली प्रभाव वाले क्षेत्रो मे कमी आई है। उन्होने बताया कि साल 2010 मे नक्सली हिसा मे 1,005 नागरिक और सुरक्षा कर्मी मारे गए थे वही 2019 मे यह आंकड़ा घट कर 202 रह गया है। उन्होने बताया कि 2020 मे 15 अगस्त तक नक्सली हिंसा में जान गंवाने वाले नागरिको और सुरक्षा बलो की संख्या 102 थी जो साल 2019 की इसी अवधि मे 137 थी।

कन्नड़ अभिनेता दिगंत और अभिनेत्री ऐन्द्रिता मादक पदार्थ मामले में सीसीबी के सामने पेश हुए

बेंगलुरु। कन्नड़ फिल्म अभिनेता दिगंत मनचले और अभिनेत्री ऐन्द्रिता राय मादक पदार्थो के मामले में बुधवार को केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) के सामने पेश हुए। कन्नड़ फिल्म उद्योग मे मादक पदार्थो के प्रचलन के मामले की जांच कर रही सीसीबी ने मंगलवार को दंपति को नोटिस जारी किया था। दंपति ने एक ट्वीट में कहा था, हमें केंद्रीय अपराध शाखा की ओर से फोन पर नोटिस मिला था जिसमे कल (बुधवार) को पूर्वाह्न 11 बजे बुलाया गया था। हम उपस्थित होकर सीसीबी के साथ पूरा सहयोग करेंगे। इससे एक दिन पहले पुलिस ने पूर्व मंत्री जीवराज अल्वा के बेटे आदित्य अल्वा के बंगले पर छापेमारी की थी। सीसीबी ने अभिनेत्री रागिनी द्विवेदी और संजना गलरानी समेत सात अन्य लोगो को पहले ही गिरफ्तार किया है। इसके अलावा मामले में कम से कम सात और लोगों की तलाश की जा रही है।

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से आतंकी घटनाओं में कमी आई : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि करीब एक साल पहले जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद से वहां आतंकी घटनाओ मे कमी आई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने एक प्रश्न के लिखित जवाब राज्यसभा को यह भी बताया कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद वहां पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने तथा आतंकी हमलो मे कम से कम 71 नागरिक तथा सुरक्षा बलो के 74 कर्मी मारे गए। जम्मू कश्मीर में पांच अगस्त 2019 से 10 सितंबर 2020 के बीच आतंकी हमलो से जुड़ी घटनाओ मे 45 नागरिक और 49 सुरक्षा कर्मी मारे गए। पाक की ओर से सीमा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किए जाने की वजह से 26 नागरिक और 25 सुरक्षा कर्मी मारे गए।

केंद्रीय कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार के कर्मचारियो की सेवानिवृत्ति की आयु में बदलाव का कोई प्रस्ताव नही है। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर मे यह टिप्पणी की। मंत्री ने कहा, केंद्रीय कर्मचारियो की सेवानिवृत्ति की आयु मे बदलाव का कोई प्रस्ताव नही है। राज्य सरकार के कर्मचारी संबंधित प्रदेशो की सरकारों द्वारा तय कानूनो एवं नियमो के दायरे मे आते है। सिंह ने एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर मे कहा कि पिछले साल 18.6 लाख से अधिक लोक शिकायते मिली और इनमे से 16 लाख से अधिक का निस्तारण किया गया।

तिरूवंतपुरम में भाजपा कार्यकर्ता केरल हायर एजूकेशन मंत्री केटी जलील के सोना स्मगलिंग में संलिप्त होने पर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

शिवसेना ने बॉलीवुड के लिए खड़े होने पर किया जया का समर्थन

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने बुधवार को राज्यसभा सदस्य एवं अभिनेत्री जया बच्चन का समर्थन किया। बच्चन ने उन लोगों की आलोचना की है जो दावा करते हैं कि फिल्म जगत नशे की लत से जूझ रहा है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कहा, जो ऐसे दावे करते हैं, वे पाखंडी हैं और उनके बयान दोहरे मापदंडों वाले होते हैं।

बच्चन ने मंगलवार को उन लोगों की आलोचना की थी जो फिल्म जगत की छवि खराब कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले भाजपा के लोकसभा सदस्य और भोजपुरी अभिनेता रवि किशन ने कहा था कि सिने जगत में मादक पदार्थ की लत की समस्या है।

बच्चन के रूख का समर्थन करते हुए, मराठी दैनिक ने कहा,ै उन सभी लोगों का डोपिंग परीक्षण किया जाना चाहिए जो कहते हैं कि फिल्म जगत में सभी कलाकार और तकनीशियन मादक पदार्थों के प्रभाव में रहते हैं।ै

शिवसेना ने कहा कि भारतीय फिल्म जगत की नींव दादा साहेब फाल्के ने रखी थी जो महाराष्ट्र के रहने वाले थे। सिने जगत ने राजा हरिशचंद्र जैसी मूक फिल्मों से शुरुआत की थी और लाखों लोगों की कड़ी मेहनत से इसने मौजूदा सफलता हासिल की है।

दैनिक में कहा गया है कि सुनील दत्त और उनके सहकर्मी जवानों का मनोरंजन करने के लिए सीमा पर गए, मनोज कुमार ने हमेशा देशभक्ति से भरी फिल्मों का निर्माण किया जबकि राज कपूर की फिल्मों ने सामाजिक मुद्दों को उठाया। पार्टी ने कहा, कई कलाकारों ने आपातकाल के खिलाफ आवाज उठाई जिसके लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी।

बंगाल भाजपा ने मारे गए पार्टी कार्यकर्ताओं का किया तर्पण

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा ने पार्टी के मारे गए कार्यकर्ताओं के लिए बुधवार को शहीद तर्पण का आयोजन किया। कोविड-19 का हवाला देते हुए कोलकाता पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। उत्तरी कोलकाता के बागबाजार घाट में इस आयोजन के लिए बनाए गए मंच को भी पुलिस ने उखाड़ दिया। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम का स्थल बदलकर बागबाजार के पास गोलाबारी घाट पर धार्मिक रीति रिवाज का आयोजन किया। तर्पण में पुरखों को जल देकर तृप्त करने की परंपरा है और इसे महालया के अवसर पर किया जाता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, भाजपा ने आयोजन के लिए अनुमति नहीं ली थी। इसलिए हमने कार्यक्रम को रोकने और मंच उखाड़ने का निर्णय लिया।

पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बागबाजार गेट के बाहर अवरोधक लगा दिया है। इससे पहले पश्चिम बंगाल भाजपा उपाध्यक्ष प्रताप बनर्जी ने कहा था, पार्टी पुलिस के दबाव में नहीं झुकेगी और तर्पण कार्यक्रम करेगी। आयोजन में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिम बंगाल प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय सह पर्यवेक्षक अरविंद मेनन, राष्ट्रीय सचिव राहुल सिन्हा और वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय उपस्थित होने वाले थे।

बनर्जी ने कहा, क्या हमें अपने मारे गए कार्यकर्ताओं का तर्पण करने के लिए भी अनुमति लेनी होगी? यह हिंदू अनुष्ठान सदियों से चला आ रहा है। महालया 17 सितंबर को है लेकिन हमने अपना कार्यक्रम एक दिन पहले करने का निर्णय लिया ताकि कम संख्या में लोग आएं। हमें बताया गया कि हमें आयोजन की अनुमति नहीं है। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में मारे गए भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी पिछले साल से सामूहिक तर्पण आयोजित कर रही है।

केरल सोना तस्करी मामले में मुख्य आरोपियो में से एक को मिली जमानत

कोच्चि। केरल में सोने की तस्करी के मामले में एक मुख्य आरोपी को कड़ी शर्तों पर यहां एक अदालत ने बुधवार को जमानत दे दी। सीमा शुल्क विभाग द्वारा दर्ज किए गए मामले में के टी रमीस को विशेष अदालत (आर्थिक अपराध) ने जमानत दे दी। सीमा शुल्क विभाग ने आरोप लगाया था कि तस्करी के सोने को केरल और राज्य के बाहर एक स्थापित गिरोह के जरिए बेचा गया गया था और रमीस इसका एक मुख्य सदस्य है। जमानत देते हुए अदालत ने आरोपी को दो लाख रुपए का मुचलका भरने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि आरोपी को प्रत्एक सोमवार को जांच अधिकारी के सामने तीन महीने तक या अंतिम रिपोर्ट दाखिल होने तक पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे के बीच उपस्थित होना होगा। अदालत ने आरोपी को अपना पासपोर्ट जमा कराने का भी निर्देश दिया है। पासपोर्ट न होने की स्थिति में आरोपी को हलफनामा देना होगा कि उसके पास पासपोर्ट नहीं है।

2017 और 2018 में 1,198 लोगों को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को बताया कि वर्ष 2017 और 2018 में देश भर में 1,198 लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। इनमें से बोर्डों की समीक्षा के बाद 635 लोगों को रिहा कर दिया गया तथा 563 लोग अब तक हिरासत में हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में यह भी बताया कि पिछले दिनों राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2018 की रिपोर्ट प्रकाशित हुई है जिसमें बताया गया है कि मध्यप्रदेश में रासुका के तहत साल 2017, और 2018 में सर्वाधिक संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश का स्थान है।

उन्होंने बताया कि कठोर कानून रासुका के तहत 2017 में पूरे देश में 501 लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें से 229 लोगों को बोर्डों की समीक्षा के बाद रिहा कर दिया गया। कुल 272 लोग अब तक हिरासत में हैं।

मंत्री ने बताया कि इसी प्रकार साल 2018 में 697 लोगों को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया। इनमें से 406 को बोर्डों की समीक्षा के बाद रिहा कर दिया गया जबकि 291 लोग अब तक हिरासत में हैं। मध्यप्रदेश में 2017 और 2018 में रासुका के तहत 795 लोग हिरासत में लिए गए जिनमें से बोर्डों की समीक्षा के बाद 466 लोगों को रिहा कर दिया गया। फिलहाल 329 लोग हिरासत मे हैं। उत्तर प्रदेश में रासुका के तहत 2017 और 2018 में 338 लोगों को हिरासत में लिया गया। बोर्डों की समीक्षा के बाद इनमे से 150 को रिहा कर दिया गया और 188 लोग अभी भी हिरासत में हैं।

जयपुर में पीटेट परीक्षा में परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र चेक करती हुई शिक्षिका।

किसानों से संबंधित विधेयक बहुत क्रांतिकारी

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केंद्र सरकार द्वारा संसद में कृषि क्षेत्र से संबंधित पेश किए गए तीन विधेयकों का मजबूती से बचाव करते हुए उन्हें बहुत ही क्रांतिकारी, जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाला और किसानों की तस्वीर बदलने वाला बताया।

किसान इन तीनों विधेयकों का विरोध कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र में किसानों से संबंधित कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा प्रदान करना) विधेयक, 2020, कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक और आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 लेकर आई है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक मंगलवार को लोकसभा से पारित हो गया। नड्डा ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर भी हमला बोला

● कांग्रेस का विरोध गुमराह करने वाला: जेपी नड्डा

और कहा कि उसके द्वारा इन विधेयकों का विरोध उसके दोहरे चरित्र को उजागर करता है। कांग्रेस पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इन विधेयकों के माध्यम से जो कर रही है, उसका वादा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किया था। उन्होंने कहा कि इन तीन विधेयकों पर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की चिंताओं को दूर करने के लिए पार्टी लगातार उसके नेताओं से बातचीत कर रही है।

शिअद के विरोध के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में नड्डा ने संवाददाताओं ने कहा, हम उनके साथ बातचीत कर रहे हैं। सारी चीजों के बारे में जानकारियां भी दे रहे हैं। बात भी हो रही है और चर्चा भी कर रहे हैं। अभी से नहीं, ए लगातार हो रही है।

चर्चा के माध्यम से ही हम आगे बढ़ रहे हैं और आगे बढ़ेंगे। शिअद के नेताओं ने मंगलवार को नड्डा से मुलाकात कर आग्रह किया था कि केंद्र सरकार को कृषि से संबंधित इन तीन विधेयकों पर किसानों की चिंताओं का निराकरण करना चाहिए। पार्टी ने इन विधेयकों को संसदीय समिति में भेजने की मांग की थी। केन्द्र में शिअद, भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का सहयोगी दल है। उन्होंने दावा किया कि ए तीनों विधेयक बहुत दूरदृष्टि रखते हैं और कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने में ए तीनों बिल बहुत महत्वपूर्ण और लाभकारी हैं तथा किसानों के उत्पाद का दाम बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे। उन्होंने कहा, तीनों ही विधेयक किसानों को नई आजाद हवा देंगे। इसके बाद किसान को आजादी होगी अपना उत्पाद बेचने की। यह तीनों विधेयक बहुत ही क्रांतिकारी हैं और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले हैं। इससे किसानों की तस्वीर बदलेगी, तकदीर बदलेगी, उनके हालात में मूलभूत परिवर्तन होगा। उत्पाद का उसको उचित मूल्य मिलेगा।

नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज इन विधेयकों का विरोध कर रही है जबकि चुनावों में किसानों को लुभाने के लिए वह इसी प्रकार के वादों को अपने घोषणा पत्र का हिस्सा बनाती है। उन्होंने आरोप लगाया, विधेयकों को ले कर कांग्रेस का विरोध राजनीति के सिवाय कुछ नहीं। यह उसका दोहरा चेहरा है। हर चीज में इनका काम राजनीति करना है। कांग्रेस को सिवाय राजनीति के कुछ नहीं आता। मोदी सरकार इन विधेयकों के माध्यम से जो कर रही है, उसका वादा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किया गया था।

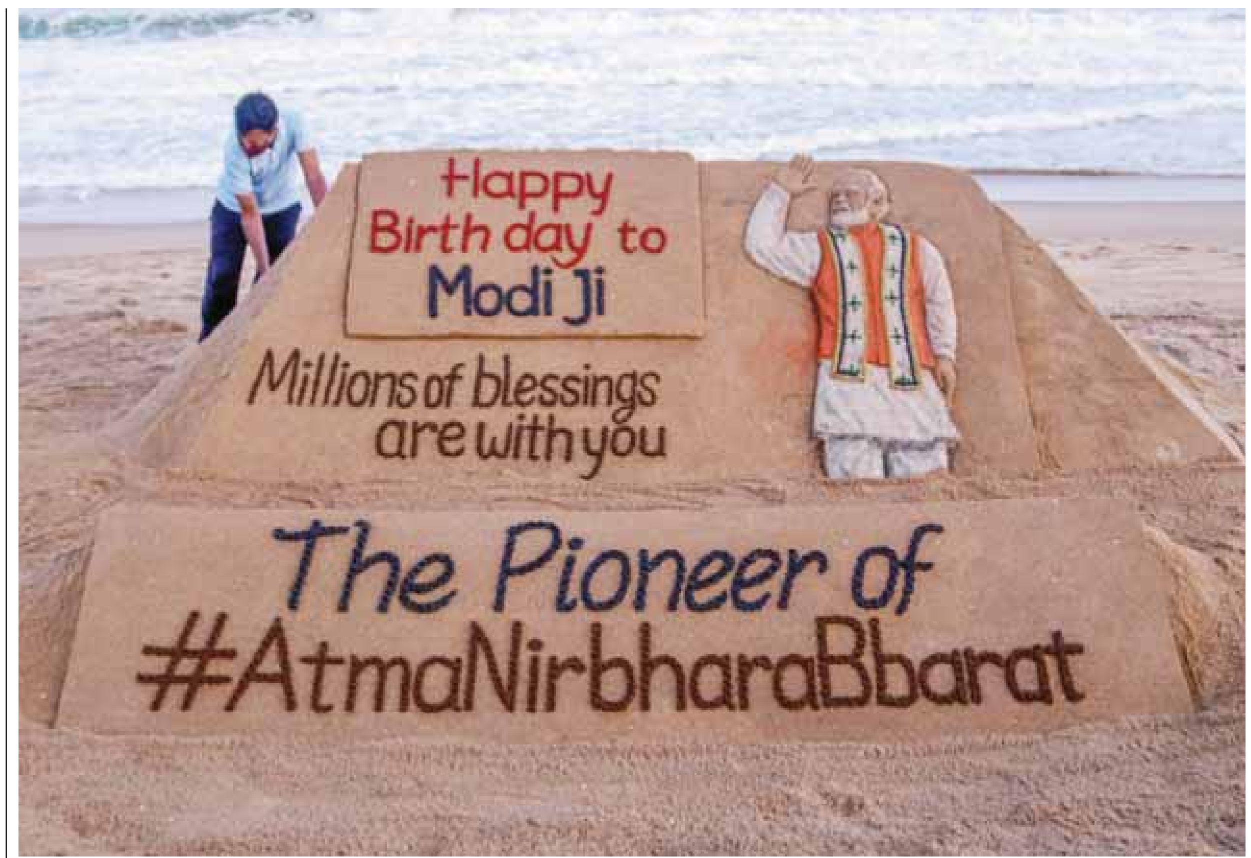

पुरी में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर रेत से बने कलाकृति प्रदर्शित करते कलाकार सुदर्शन पटनायक

कृषि विधेयक लागू करने से पंजाब में फैल सकती है अशांति: अमरिंदर

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने बुधवार को कहा कि संसद में पेश किए गए कृषि क्षेत्र से संबंधित विधेयकों से इस सीमावर्ती राज्य में अशांति और असंतोष फैल सकता है, जो कि पहले ही पाकिस्तान द्वारा अशांति फैलाने की हरकतों से लगातार जूझ रहा है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में राज्यपाल वी पी सिंह बदनौर को एक ज्ञापन सौंपने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की और केन्द्र संसद में इन विधेयकों को आगे नहीं बढ़ाए, इस पर उनसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। दरअसल केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सोमवार को कृषि क्षेत्र से संबंधित तीन विधेयक लोकसभा में पेश किए थे और कहा था कि इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलने में सहायता मिलेगी। सिंह के साथ पंजाब कांग्रेस प्रमुख सुनील जाखड़ और अन्य लोग मौजूद थे। सिंह ने राज्यपाल से कहा कि राष्ट्रव्यापी संकट के बीच वर्तमान खरीद प्रणाली के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़,

राज्य के किसानों के बीच सामाजिक अशांति को गहरा सकती है। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र की शांति और विकास के लिए अनुकूल नहीं होगा जो अपने साथ लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के कारण पहले ही सार्वजनिक व्यवस्था संबंधी गंभीर चुनौतियों का सामना करता है। उन्होंने मादक पदार्थ-आतंक तथा भारत विरोधी अन्य गतिविधियों के जरिए राज्य की शांति और स्थिरता को भंग करने की पाकिस्तान की हरकतों का जिक्र करते हुए कहा कि किसान विरोधी विधेयक लोगों के गुस्से को बढ़ाने का काम करेगा। उन्होंने प्रश्न किया, हम पाकिस्तान के हाथों में क्यों खेल रहे हैं। सिंह ने कहा कि ए विधेयक राष्ट्र हित के खिलाफ हैं और विशेष रूप से पंजाब के लिए हानिकारक है, जहां अधिकांश किसानों के पास पांच एकड़ से कम जमीन है और वे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

कंगना ने फिर जया पर बोला हमला

भाषा। मुंबई

कंगना रनौत ने संसद में मशहूर अदाकारा एवं सांसद जया बच्चन द्वारा की गई थाली संबंधी टिप्पणी पर बुधवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी और दावा किया कि उन्हें तो थाली में सजाकर कुछ नहीं मिला।

मंगलवार को बच्चन ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि इस मनोरंजन उद्योग के बारे में सोशल मीडिया पर भला-बुरा कहा जा रहा है। उन्होंने सरकार से इसकी सुरक्षा करने और उसका साथ देने की मांग की। बच्चन ने बॉलीवुड में ड्रग की तस्करी एवं व्यसन पर लोकसभा सदस्य रवि किशन और रनौत द्वारा दिए गए बयानों का हवाला देते हुए कहा, जिन लोगों ने इस उद्योग में नाम कमाया, उन्होंने इसे गटर (गंदा नाला) कहा है। मैं इससे पूरी तरह असहमत हूं... मुझे वाकई बड़ा असहज लगा और शर्मिंदगी महसूस हुई जब कल लोकसभा में हमारे एक सदस्य, जो इसी उद्योग से आते हैं, ने बोला। मैं नाम नहीं ले रही। यह शर्मनाक है। बच्चन ने कहा, जिस थाली में खाते

हैं, उसी में छेद करते हैं। गलत बात है। अपने भड़काऊबयानों से सुर्खियों में चल रही रनौत ने मंगलवार को बच्चन की निंदा की और बुधवार को भी उन्होंने उन पर हमला जारी रखा।

रनौत ने कहा, किस थाली की बात आप कर रही हैं, जया जी? एक ऐसी थाली दी गई जिसमें दो मिनट की भूमिका, आईटम नंबर एवं रोमांटिक सीन की पेशकश थी और वो भी हीरो के साथ सोने के बाद। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, मैंने फिल्मोद्योग को नारीवाद का पाठ पढ़ाया, देशभक्ति वाली फिल्मों से थाली सजाई। यह मेरी अपनी थाली है जयाजी, आपकी नहीं। तनु वेड्स मनु में रनौत के साथ अभिनय करने वाली स्वरा भास्कर ने इस कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए कहा, अपने दिमाग की गंदगी अपने तक सीमित रखिए। यदि आप मुझे गालियां देना चाहती हैं तो दीजिए ... मैं खुशी खुशी आपकी बकवास सुनूंगी और आपके साथ ये कीचड़ कुश्ती लड़ूंगी।

बड़ों का आदर करना भारतीय संस्कृति में पढ़ाया जाने वाला पहला पाठ है और आप स्वघोषित राष्ट्रवादी हैं। फिल्मकार अलंकृता श्रीवास्तव ने भी रणौत की आलोचना की। वैसे बच्चन की संसद में उनके द्वारा दिए गए बयान को लेकर बॉलीवुड में उनके कई सहयोगियों ने प्रशंसा की है।

सुशांत मामला: एनसीबी जांच दल का सदस्य कोविड 19 वायरस से संक्रमित

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ कोण की जांच कर रही एनसीबी टीम का एक सदस्य बुधवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया, जिसके बाद अभिनेता की पूर्व प्रबंधक श्रुति मोदी से पूछताछ को टाल दिया गया है। मोदी सुबह 10 बजे दक्षिण मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के दफ्तर पहुंचीं, जहां उनसे विशेष जांच दल (एसआईटी) को पूछताछ करनी थी। अधिकारी ने बताया कि जांच दल को उनका बयान दर्ज करने से पहले अपने एक सदस्य के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की रिपोर्ट मिली। उन्होंने बताया कि एसआईटी सदस्य एंटीजन टेस्ट होने पर संक्रमित पाया गया। दल के सभी अन्य सदस्यों की भी जांच कराई जाएगी और सभी प्रोटोकॉल का अनुसरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद हमने श्रुति मोदी को वापस भेज दिया। एनसीबी ने मंगलवार को मोदी और राजपूत की कौशल प्रबंधक जया साहा से जांच में शामिल होने के लिए कहा था ताकि मामले के कुछ पहलुओं की तस्वीर साफ हो सके।

भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख में सर्दी में भी आर-पार की जंग लड़ने के लिए तैयार : सेवानिवृत ब्रिगेडियर

भाषा। जम्मू

भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख में सर्दी में भी आर-पार की जंग लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही अगर चीन युद्ध छेड़ता है तो उसे अच्छी तरह प्रशिक्षित, बेहतर ढंग से तैयार, पूरी तरह चौकस और मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत भारतीय सैनिकों का सामना करना होगा। सेवानिवृत ब्रिगेडियर हेमंत महाजन ने यह बात कही है। उधमपुर में सेना की उत्तरी कमान के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने आज दिन में एक बयान के साथ भारतीय सेना की संचालनात्मक तैयारियां नामक पूर्व सैन्य अधिकारी की आकलन रिपोर्ट मीडिया को प्रसारित की थी। शाम के समय जनसंपर्क अधिकारी ने मीडिया को भेजे ईमेल संदेश में कहा कि बयान उत्तरी कमान या सेना के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता और इसे रद्द माना जा सकता है।

पीआरओ ने अलग से वाट्सऐप संदेश में कहा कि बयान में ब्रिगेडियर (सेवानिवृत) हेमंत महाजन के विचार हैं और यह गलती से उत्तरी कमान के बयान की तरह प्रेषित हो गया। महाजन के अनुसार शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से मजबूत भारतीय सैनिकों के मुकाबले अधिकतर चीनी सैनिक शहरी इलाकों से आते हैं। वे जमीनी हालात की दिक्कतों से वाकिफ और लंबे समय तक तैनात रहने के आदी नहीं होते। सेवानिवृत अधिकारी ने चीन के आधिकारिक मीडिया प्लेटफॉर्म ग्लोबल टाइम्स की उस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कहीं, जिसमें कहा गया था कि भारत सर्दियों में प्रभावी ढंग से लड़ाई नहीं लड़ पाएगा। महाजन ने कहा, यह घमंड का जीता जागता उदाहरण है। भारतीय सेना सर्दी में भी पूर्वी लद्दाख में आर-पार की जंग लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा, भारत एक शांतिप्रिय देश है और पड़ोसियों से अच्छे संबंध रखना चाहता है। भारत हमेशा संवाद के जरिए मुद्दों के समाधान को तरजीह देता है। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद हल करने को लेकर बातचीत जारी है। जहां तक सेना की बात है, तो वह लंबे गतिरोध के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में ऊंचे से भी बहुत अधिक ऊंचे स्थान हैं। नवंबर के बाद यहां 40 फुट तक बर्फ जम जाती है। महाजन ने कहा, इसके अलावा, तापमान शून्य से नीचे 30 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाना आम बात है। शीतलहर सैनिकों के लिए और भी ज्यादा मुश्किलें खड़ी कर देती हैं।

भोपाल में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर केक काटते भारतीय सिंधु सभा के कार्यकर्ता

गुजरात आयुर्वेद संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देने वाला विधेयक संसद में मंजूर

भाषा। नई दिल्ली

गुजरात के जामनगर में स्थित आयुर्वेद संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने के मकसद से लाए गए एक विधेयक को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा ने बुधवार को आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान विधेयक, 2020 को चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा पिछले सत्र में यह विधेयक पारित कर चुकी है। विधेयक में जामनगर स्थित गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयुर्वेद संस्थानों का विलय कर राष्ट्रीय महत्व का दर्जा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। तीन आयुर्वेदिक संस्थानों- स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षण और अनुसंधान संस्थान, गुलाबकुंवेरबा आयुर्वेद महाविद्यालय और आयुर्वेद औषधि विज्ञान संस्थान के विलय का विधेयक में प्रस्ताव किया गया है। चर्चा में कई सदस्यों ने सवाल उठाया कि गुजरात स्थित संस्थान को ही यह दर्जा क्यों प्रदान किया जा रहा है। चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि जामनगर संस्थान का चयन मनमाने तरीके से नहीं किया गया बल्कि उद्देश्यात्मक तरीके से इसे चुना गया क्योंकि 1956 में स्थापित यह संस्थान इस श्रेणी में सबसे पुराने संस्थानों में से एक है। हर्षवर्धन ने कहा कि आयुर्वेद विधा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ यह संस्थान लंबे समय से समन्वय करता आ रहा है और पिछले 20 साल में इसने करीब 65 देशों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

वैज्ञानिकों ने पहला जीन-संपादित मवेशी सृजित किया

नई दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों ने जीन-संपादित पहला नर मवेशी सृजित किया है, जिससे तेजी से बढ़ती वैश्विक आबादी के लिए खाद्य उत्पादन को बेहतर किया जा सकता है। सरोगेट सायर कहे जाने वाले इस नर मवेशी के शुक्राणु सिर्फ उसकी आनुवांशिक विशेषताओं को आगे की पीढ़ी में लेकर जाएंगे। पीएनएएस जर्नल में प्रकाशित शोध में बताया गया है कि यह तकनीक मवेशियों में वांछित विशेषताओं के प्रसार को गति दे सकती है। यह दूर-दराज़ के क्षेत्रों में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के बेहतरीन जानवरों की आनुवंशिक खूबियों को उपलब्ध करा सकती है। इस वैज्ञानिक प्रगति से बकरे जैसे जानवरों को और उम्दा नस्ल वाला बनाया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी के जरिए हम वांछित आनुवांशिक विशेषता प्राप्त कर सकते हैं और खाद्य उत्पादन की क्षमता में सुधार कर सकते हैं।

पेज एक का शेष

एलएसी पर...

ने घुसपैठ की कोशिश की थी और उसे भारतीय सेना ने विफल कर दिया था। उन्होंने बताया कि यह घटना फिंगर चार के रिजलाइन पर हुई थी, जहां भारतीय थल सेना झील के दक्षिणी तट पर कई सामरिक पर्वत चोटियों पर काबिज होने के बाद अपनी तैनाती बढ़ा रही है। सूत्रों ने बताया कि चीन की 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' (पीएलए) के सैनिक एक भारतीय मोर्चे की ओर आक्रामक तरीके से बढ़े,लेकिन वे कुछ समय बाद लौट गये क्योंकि चौकन्ने थल सेना कर्मी अपने मोर्चे पर दृढ़ता से डटे रहे। उन्होंने बताया कि चीनी सैनिकों ने चेतावनी देते हुए 100-200 गोलियां चलाई, उनका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय थल सेना कर्मियों को भयभीत करना था। तीसरी घटना सात सितंबर को हुई जब अपमानित चीनी टुकड़ियों ने हवा में फायरिंग की लेकिन भारतीय सेना ने शांति बनाए रखी। चीन की यह उकसावे वाली कार्रवाई इस इलाके में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चोटियों पर से भारतीय सेना के कब्जे को हटाने मंशा से की गई थी। फायरिंग की यह घटना रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके चीनी समकक्ष के बीच मास्को में दो घंटे तक चली द्विपक्षीय बैठक से ठीक चार दिन पहले हुई थी। दोनों नेताओं की मुलाकात शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की 4 सितंबर को हुई बैठक के दौरान हुई थी। चौथी घटना में पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर नौ सितंबर को दोनों पक्षों की ओर से हवाई फायरिंग की गई। यह घटना जयशंकर और वांग येई क बीच बैठक से ठीक एक दिन पहले हुई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा था कि मौजूदा स्थिति के अनुसार चीनी सेना ने एलएसी के अंदर बड़ी संख्या में जवानों और हथियारों को तैनात किया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में गोगरा, कोंगका ला और पैंगोंग झील के उत्तरी एवं दक्षिणी तट सहित क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिकों के बीच टकराव के कई बिंदु हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने भी जवाबी तैनाती की हैं, ताकि देश के सुरक्षा हितों का पूरी तरह ध्यान रखा जाए। हमारे सशस्त्र बल इस चुनौती का डटकर सामना करेंगे। हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।' गलवान घाटी में 15 जून को दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प में भारत के 20 सैन्य कर्मियों के शहीद होने के बाद पूर्वी लद्दाख में तनाव बढ़ गया। पैंगोंग झील के दक्षिणी तट पर 29 और 30 अगस्त की दरम्यानी रात भारतीय भूभाग पर कब्जा करने की चीन की नाकाम कोशिश के बाद स्थिति और बिगड़ गई। भारत ने पैंगोंग झील के दक्षिणी तट पर कई पर्वत चोटियों पर तैनाती की और किसी भी चीनी गतिविधि को नाकाम करने के लिये क्षेत्र में फिंगर 2 तथा फिंगर 3 इलाकों में अपनी मौजूदगी मजबूत की है। चीन फिंगर 4 और फिंगर 8 के बीच के इलाकों पर कब्जा कर रहा है। इस इलाके में फैले पर्वतों को फिंगर कहा जाता है। चीन ने भारत के कदम का पुरजोर विरोध किया है। हालांकि, भारत यह कहता रहा है कि ये चोटियां एलएसी के इस ओर हैं। भारत ने चीनी अतिक्रमण के प्रयासों के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिक एवं हथियार भी भेजे हैं। साथ ही, क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई है।

अयोध्या विवादित...

अदालत (अयोध्या प्रकरण) ने डिस्चार्ज हो चुके 13 में छह मुल्जिमों को जरिए समन तलब किया। क्योंकि इनमें छह मुल्जिमों की मौत हो चुकी थी। जबकि गर्वनर होने के नाते कल्याण सिंह पर आरोप नहीं तय हो सकता था। लिहाजा उन्हें तलब नहीं किया गया था। 30 मई, 2017 को सीबीआई की विशेष अदालत (अयोध्या प्रकरण) ने मुल्जिम एलके आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, विनय कटियार, साध्वी ऋतंभरा व विष्णु हरि डालमिया पर आईपीसी की धारा 120 बी (साजिश रचने) का आरोप मढ़ा। लिहाजा इन सभी मुल्जिमों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 149, 153ए, 153बी व 505 (1)बी के साथ ही आईपीसी की धारा 120 बी के तहत भी मुकदमे की कार्यवाही शुरु हुई। लेकिन इसके बाद विष्णु हरि डालमिया की मौत हो गई। विशेष अदालत ने इसके साथ ही महंत नृत्य गोपाल दास, महंत राम विलास वेदांती, बैकुंठ लाल शर्मा उर्फ प्रेमजी, चंपत राय बंसल, धर्मदास व डॉ. सतीश प्रधान पर भी आईपीसी की धारा 147, 149, 153ए, 153बी, 295, 295ए व 505 (1)बी के साथ ही धारा 120 बी के तहत भी आरोप तय किया। इससे पहले सभी मुल्जिमों की डिस्चार्ज अर्जी खारिज हो गई थी। इसके बाद 27 सितंबर, 2019 को कल्याण सिंह पर भी आईपीसी की धारा 120बी, 153ए, 153बी, 295, 295ए व 505 के तहत आरोप तय हुआ। इस तरह 49 में कुल 32 मुल्जिमों के मुकदमे की कार्यवाही शुरु हो गई। क्योंकि तब तक 17 मुल्जिमों की मौत हो चुकी थी। 31 मई, 2017 से इस मामले में अभियोजन की गवाही शुरू हुई और 13 मार्च, 2020 को सीबीआई की गवाही की प्रक्रिया व बचाव पक्ष की जिरह भी पूरी, 351 गवाह व 600 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए और चार जून, 2020 से मुल्जिमों का सीआरपीसी की धारा 313 के तहत बयान दर्ज होने शुरू हुए। एक सितंबर, 2020 को दोनों पक्षों की मौखिक बहस के साथ ही इस मामले की अंतिम सुनवाई भी पूरी। दो सितंबर से अदालत ने अपना फैसला लिखवाना शुरु किया। 16 सितंबर, 2020 को अदालत ने 30 सितंबर को अपना फैसला सुनाने का आदेश जारी किया।

वैक्सीन की...

के सह-अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जीवी प्रसाद को उद्धृत करते हुए कहा, भारत में टीका लाने के लिए आरडीआईएफ से साझेदारी कर हम खुश हैं। पहले और दूसरे चरण के नतीजे भरोसा जगाते हैं और भारतीय नियामकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हम भारत में तीसरे चरण का परीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि स्पूतनिक-5 टीका भारत में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में विश्वसनीय विकल्प उपलब्ध करा सकता है।

कोरोना पर...

ग्रामीण इलाकों में संक्रमण फैलने से रोका जा सकता था। माकपा सांसद ई करीम ने आरोप लगाया कि लॉकडाउन का ऐलान तब किया गया जब मध्य प्रदेश में विपक्षी सरकार गिरा दी गई। करीम ने मार्च के अंत में मध्य प्रदेश के कांग्रेसी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया की अगुवाई में बागियों द्वारा पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने और, इसके परिणामस्वरूप कमलनाथ सरकार के गिरने व दोबारा शिवराज सिंह सरकार के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के संदर्भ में यह बात कही। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि इस प्रोग्राम से देश को गंभीर खामियाजा भुगतना पड़ा और, सरकार कह रही है कि लॉकडाउन से कोरोना का बचाव हुआ। जदयू सांसद आरसीपी सिंह ने मांग की प्रवासी शब्द को हटा देना चाहिए क्योंकि देश का कोई नागरिक किसी दूसरे राज्य में प्रवासी कैसे हो सकता है। जदयू सांसद ने यह मांग श्रम व पर्यावरण राज्य मंत्री संतोष कुमार गंगवार के उस बयान पर की जिसमें उन्होंने लोकसभा में अपने लिखित उत्तर में बताया था कि सरकार के पास ऐसा कोई आंकड़ा नहीं है। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने कोरोना वायरस संक्रमण की स्थिति पर चर्चा के लिए दो घंटे का समय तय किया था जिसे बाद में विपक्ष के कहने पर बढ़ाकर चार घंटे कर दिया गया। दो घंटे की चर्चा बुधवार को हुई जबकि शेष दो घंटे की चर्चा गुरुवार को होगी जिसके बाद सरकार अपना जवाब देगी। उच्च सदन में नामित सांसद स्वपन दास गुप्ता ने भी आंकड़े नहीं होने पर सरकार से सफाई मांगी और जानना चाहा कि इसके पीछे क्या कोई वैज्ञानिक आधार है? तृणमूल सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने राज्यों के साथ लॉकडाउन के दौरा वीडियो कांफ्रेंस करने के सरकारी दावे के संदर्भ में कहा कि 25 मार्च से पहले, ऐसी कितनी कांफ्रेंस की गई थीं-सरकार को यह भी बताना चाहिए। बीजद सांसद प्रसन्ना आचार्य ने कहा कि सभी राज्य सरकारें भारी आर्थिक संकट का सामना कर रही हैं लेकिन केंद्र सरकार उनकी मदद के लिए आगे नहीं आ रही है। उन्होंने सवाल किया कि कोविड से मुकाबले के लिए एडवाइजरी और सर्कुलर जारी करने के अलावा राज्यों को और क्या मदद की। टीआरसी के के केशव राव ने भी समान दावा किया और जीएसटी का 800 करोड़ रुपये का बकाया नहीं देने पर केंद्र व राज्यों में जारी विवाद का भी मुद्दा उठाया। मोदी सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य सरकार में कहा था कि केंद्र ने 4,230.78 करोड़ रुपये राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना महामारी से मुकाबले के लिए आवंटित किए हैं। इस संबंध में द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा के सवालों का जवाब देते केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने सदन में मंगलवार को कहा था कि यह धनराशि मार्च व अगस्त माह के बीच दो किस्तों में राज्यों को जारी की गई।

दिल्ली दंगों...

के लिए साजिश करन वालों ने व्हाट्सऐप ग्रुप का इस्तेमाल किया। 25 शहरों में 25 प्रदर्शन स्थल थे। 25 व्हाट्सऐप ग्रुप हर शहर के लिए विशेष रूप से बनाए गए थे। प्रदर्शित यह किया गया कि ये स्थान संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के लिए हैं, लेकिन इन स्थानों के जरिए षड्यंत्रकारियों ने दिशा-निर्देशित किया। विशेष प्रकोष्ठ ने कहा कि ताहिर हुसैन, खालिद सैफी और उमर खालिद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दिल्ली यात्रा के दौरान राजधानी में व्यापक हिंसा की कथित तौर पर साजिश रची थी। आरोप पत्र में पुलिस ने दावा किया है कि आठ जनवरी को ताहिर शाहीन बाग धरना स्थल पर उमर और सैफी से मिला था। जामिया में पीएफआई कार्यालय में भी इसके बाद बैठक हुई थी। पुलिस ने कहा, उमर ने कथित तौर पर आश्वस्त किया था कि उसके संपर्को (पीएफआई में) के जरिए साजो-सामान आदि उपलब्ध हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि जांच है और पुलिस इस विषय में एक पूरक आरोप पत्र दाखिल करेगी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी को साम्प्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। वहीं, सीएए समर्थकों और इसके विरोधियों के बीच हिंसा बेकाबू हो जाने पर कम से कम 53 लोग मारे गए थे और 200 अन्य घायल हुए थे।

केंद्र को...

ही इनकी झुग्गियां हटाई जाएं। जहां झुग्गी, वहीं मकान' यह वादा आम आदमी पार्टी और भाजपा दोनों ने ही किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश पर दिल्ली सरकार ने इस बारे में योजना बनाकर इन गरीबों का कानूनी अधिकार बना दिया है कि उन्हें पक्का मकान उनकी झुग्गियों के आसपास ही दिया जाएगा। इन बातों को ध्यान में रखते हुए अब सबको मिल कर हर झुग्गी बस्ती के लिए उसके आसपास कोई जमीन ढूंढनी होगी, जहां इनके लिए मकान बनाए जा सकें। इसमें सभी सरकारी एजेंसियों के सहयोग की जरूरत होगी, जिस एजेंसी की जमीन होगी, उसके सहयोग की जरूरत पड़ेगी। दिल्ली सरकार इसमें पूरी तरह से सहयोग करने के लिए तैयार है।

मौरिस और फिंच के आने से कम होगा कोहली पर दबाव

भाषा। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रही विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने क्रिस मौरिस और आरोन फिंच को खरीदकर अपनी समस्याओं का समाधान तलाशने की कोशिश की है लेकिन मैदान पर ही पता चलेगा कि यह दांव कितना कारगर साबित हुआ। कोहली की मौजूदा टीम 2016 के बाद से सबसे संतुलति टीम है जब वह तीसरी बार फाइनल में पहुंची थी लेकिन फिर हार गई थी। आरसीबी ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी हरफनमौला क्रिस मौरिस पर दस करोड़ रुपये खर्च किए और प्रबंधन को डैथ ओवरों में उनसे कसी हुई गेंदबाजी के अलावा निचले क्रम पर आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। 2017 में क्रिस गेल के जाने के बाद से आरसीबी की बल्लेबाजी कोहली और एबी डिविलियर्स पर निर्भर रही है लेकिन आस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच के आने से उन पर दबाव कुछ कम होगा। कोहली अब फिंच के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं या तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं। ऐसे में पार्थिव पटेल या देवदत्त पडीक्कल उनके साथ पारी की शुरूआत करेंगे। स्टार खिलाड़ियों के नहीं चलने पर गुरकीरत सिंह मान और शिवम दुबे जैसे युवाओं पर जिम्मेदारी रहेगी। निचले क्रम पर मौरिस के साथ मोईन अली भी हैं। गेंदबाजी में अली और लेग स्पिनर एडम जाम्पा में से एक को चुना जाएगा। युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों में शामिल है। तेज गेंदबाजों में मौरिस, डेल स्टेन, नवदीप सैनी, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज हैं। कोचिंग स्टाफ भी नया है जिसमें माइक हेसन और सिमोन कैटिच शामिल हैं। आरसीबी के प्रशंसक दुआ कर रहे होंगे कि 13 साल का उनका इंतजार इस बार खत्म हो जाए। आरसीबी को 21 सितंबर को सनराइजर्स हैदराबाद से पहला मैच खेलना है। **टीम:** आरोन फिंच, देवदत्त पडीक्कल, पार्थिव पटेल, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, गुरकीरत मान, शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, नवदीप सैनी, डेल स्टेन, युजवेंद्र चहल, एडम जाम्पा, इसुरू उडाना, मोईन अली, जोश फिलीप, पवन नेगी, पवन देशपांडे, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव।

धोनी को फिर से खेलते देखना शानदार होगा: सहवाग

मुंबई। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को इस साल की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ज्यादा विशेष होने की उम्मीद है और इसका मुख्य कारण महेंद्र सिंह धोनी का एक साल के लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा करने के बाद पिच पर लौटना है। सहवाग ने कहा कि मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हर किसी खिलाड़ियों और साथ ही दर्शकों के लिए कुछ ज्यादा विशेष होगा। धोनी को फिर से पिच पर देखना निश्चित रूप से खुशी देने वाला होगा। काफी कुछ होगा, क्या मुझे और ज्यादा कहने की जरूरत है? अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के अपने फैसले से सभी को हैरान करने वाले धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की अगुआई करेंगे और टीम 19 सितंबर को अबुधाबी में लीग के शुरूआती मैच में गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। सहवाग ने कहा कि क्रिकेट भारतीयों की जिंदगी का अहम हिस्सा है और प्रशंसकों ने खेल की बहाली के लिए काफी लंबा इंतजार किया। उन्होंने कहा कि मैंने लॉकडाउन में अपना काफी समय पुराने मैचों को देखते हुए उनका विश्लेषण करते हुए बिताया जिसमें मेरी पारियां भी शामिल थीं।

सट्टेबाजी रोकने के लिए ब्रिटिश कंपनी की मदद लेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान सट्टेबाजी और अन्य भ्रष्ट गतिविधियों को रोकने ले लिए ब्रिटेन स्थित कंपनी स्पोर्टरडार के साथ करार किया है जो अपनी धोखाधड़ी जांच प्रणाली (एफडीएस) के जरिए सेवाएं देगी। आईपीलए का 13वां सत्र खाली स्टेडियमों में खेला जाएगा और ऐसे में अजित सिंह की अगुवाई वाली बीसीसीआई भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के सामने एक अलग तरह की चुनौती होगी, क्योंकि कुछ राज्यस्तरीय लीग के दौरान सट्टेबाजी से जुड़ी धोखाधड़ी बढ़ी है और इस लुभावनी प्रतियोगिता के दौरान इसके बढ़ने की संभावना है। आईपीएल के एक सूत्र ने कहा कि हां, बीसीसीआई ने इस साल के आईपीएल के लिए स्पोर्ट रडार के साथ करार किया है। वे एसीयू के साथ मिलकर काम करेंगे और अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि स्पोर्टरडार ने हाल में गोवा फुटबाल लीग के आधा दर्जन मैचों को संदेह के घेरे में रखा था। वे फीफा, यूएफा और विश्व भर की विभिन्न लीग के साथ काम कर चुके हैं। बीसीसीआई एसीयू ने हाल में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) सहित राज्यस्तरीय टी20 लीग के दौरान सट्टेबाजी के अलग तरह के नमूनों का पता लगाया था। अलग तरह के दांव लगाए जाने के कारण एक प्रमुख सट्टा कंपनी ने दांव लगवाना बंद कर दिया था। स्पोर्टरडार के अनुसार धोखाधड़ी जांच प्रणाली (एफडीएस) एक विशिष्ट सेवा है जो खेलों में सट्टेबाजी से संबंधित हेराफेरी का पता लगाती है। यह इसलिए संभव हो पाता है क्योंकि एफडीएस के पास मैच फिक्सिंग के उद्देश्य से लगाए जाने वाली बोलियों को समझने के लिए उपयुक्त प्रणाली है।

आईपीएल खबरें

ऋतुराज गायकवाड़ अब भी पृथकवास में पहले मैच में खेलने की संभावना नहीं

दुबई। पिछले महीने कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ अब भी पृथकवास में हैं और अबु धाबी में 19 सितंबर को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ टीम के पहले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले के लिए उनके उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि रुतुराज बिलकुल ठीक हैं लेकिन उन्हें अब तक टीम के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से जुड़ने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड की स्वीकृति नहीं मिली है। विश्वनाथन ने कहा कि रुतुराज को अब तक बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने स्वीकृति नहीं दी है और वह अब भी पृथकवास में हैं। पहले मैच के लिए उनके उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है। हमें अगले कुछ दिनों में उनके जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लौटने की उम्मीद है और वह बिलकुल ठीक है।

यूएई के हालात के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी: अमित मिश्रा

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पिचों से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि ऐसी भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी क्योंकि अब तक हालात तटस्थ हैं। भारत के इस 36 साल के स्पिनर ने कहा कि यूएई की पिचें बल्लेबाजों की अधिक मददगार होंगी या गेंदबाजों की यह टूर्नामेंट शुरू होने के बाद ही पता चल पाएगा। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा जारी विज्ञप्ति में मिश्रा ने कहा कि अब तक हालात तटस्थ हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि ए बल्लेबाजों के अधिक अनुकूल होंगे या गेंदबाजों के। श्रीलंका के लसिथ मलिंगा के बाद आईपीएल के सबसे सफल गेंदबाज मिश्रा ने कहा, जब हम खेलना शुरू करेंगे तब ही स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी और हम कह पाएंगे कि बल्लेबाजों को अधिक मदद मिल रही है या गेंदबाजों को। मिश्रा ने अब तक 147 आईपीएल मैचों में 157 विकेट चटकाए हैं और मलिंगा से 13 विकेट पीछे हैं जो निजी कारणों से इस बार टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं।

शारीरिक और मानसिक रूप से अब पूरी तरह फिट हूं: हार्दिक पंड्या

अबुधाबी। चोट से उबरकर लंबे समय बाद वापसी कर रहे मुंबई इंडियंस के स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने कहा कि इससे उन्हें और मेहनत करने की प्रेरणा मिली और शारीरिक तथा मानसिक रूप से वह पूरी तरह से फिट हैं। मुंबई इंडियंस का सामना इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में 19 सितंबर को चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। ऐसे में पंड्या का फार्म काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। पंड्या ने मुंबई इंडियंस के ट्विटर हैंडिल पर डाले गए वीडियो में कहा कि जिस तरह से मैं गेंद को पीट रहा हूं और मानसिक तथा शारीरिक रूप से लय में हूं, मुझे मैदान पर जाकर स्वाभाविक खेल दिखाने में दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मैं खेल से कितना ही दूर क्यों ना रहूं, कितने ही समय बाहर क्यो ना रहूं लेकिन वापसी करने पर उपयोगिता होनी चाहिए। मैने काफी तैयारी की है और आने वाला समय अच्छा ही होगा। पिछले साल नवंबर में लंदन में पंड्या की पीठ का आपरेशन हुआ था। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण श्रृंखला रद्द हो गई।

यूएई की गर्मी में ढलना सभी टीमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती: डिविलियर्स

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के स्टार एबी डिविलियर्स का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में सभी टीमों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यूएई के गर्म और उमस भरे मौसम के अनुकूल ढलने की होगी। अधिकांश मैच रात में खेले जाएंगे लेकिन हालात फिर भी चुनौतीपूर्ण होंगे। उन्होंने आरसीबी के ट्विटर हैंडिल पर डाले गए एक इंटरव्यू में कहा कि मैं इस तरह के मौसम का आदी नहीं हूं। बहुत गर्मी है। मुझे चेन्नई में जुलाई में खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया जिसमें वीरू ने 300 रन बनाए थे। तब भी ऐसी ही गर्मी थी। उन्होंने कहा कि उतनी ही उमस भी है। रात के दस बजे भी। इसका बहुत फर्क पड़ेगा और आपको आखिरी पांच ओवर के लिए ऊर्जा बचाकर रखनी होगी। डिविलियर्स ने कहा कि उन्हें भारत में खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलने की कमी खलेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलने की आदत है।

खिलाड़ियों के वेतन में कटौती से इनकार नहीं: ईसीबी

भाषा। मैनचेस्टर

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कोविड-19 महामारी से हुए वित्तीय प्रभाव से निपटने के लिए अपने 20 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाने की घोषणा की जिसके बाद हरफनमौला क्रिस वोक्स को लगता है कि खिलाड़ियों से भी वेतन कटौती के लिए कहा जा सकता है। कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट गतिविधियों के बाधित होने से ईसीबी 10 करोड़ पाउंड (100 मिलियन पाउंड) के नुकसान से जूझ रहा है और अगर इस महामारी का असर 2021 गर्मियों तक भी रहा तो नुकसान की यह राशि बढ़कर दोगुनी (20 करोड़ पाउंड) हो सकती है।

वोक्स ने पत्रकारों से कहा कि यह सचमुच ही दुखद खबर है, सचमुच। ईसीबी के लिए काफी लोग काम करते हैं जो काफी मेहनत करते हैं और इसके संचालन के लिए काफी अहम हैं। उन्होंने कहा कि इस समय मेरे लिए यह कहना मुश्किल है कि कहां से कटौती की जाएगी जब तक हम यह देख नहीं लेते कि शीर्ष स्तर पर क्या होता है, तभी हमें इसका ज्यादा अहसास होगा। मैं निश्चित रूप से कटौती से बिलकुल इनकार नहीं करूंगा। वोक्स ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आप अपने अनुबंध में कुछ भी उम्मीद कर सकते हो। हमें इंतजार करना होगा और बतौर खिलाड़ी आप यह नहीं कह सकते कि हमें इससे छूट मिल जाएगी।

इंग्लैंड के लिए खेल के तीनों प्रारूपों में खेलने वाले 31 साल के इस खिलाड़ी ने कठिन समय में क्रिकेट की बहाली के लिए शुक्रिया भी किया। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह मुश्किल समय है और इसका असर खिलाड़ियों पर भी पड़ता है लेकिन हम भाग्यशाली हैं कि क्रिकेट शुरू हो गया है क्योंकि 20 करोड़ पाउंड का नुकसान काफी ज्यादा होता। मैं इसे सकारात्मक मानता हूं।

बोल्ट के आने से मुंबई मजबूत: गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को लगता है कि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह की मौजूदगी में मुंबई इंडियन्स का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स पर पलड़ा भारी रहेगा। गंभीर ने कहा कि सुरेश रैना के बिना चेन्नई के लिए इन दोनों तेज गेंदबाजों का सामना करना चुनौतीपूर्ण होगा। मुंबई ने श्रीलंका के तेज गेंदबाज लेसिथ मलिंगा की जगह पर बोल्ट को अपनी टीम से जोड़ा है। मलिंगा निजी कारणों से 13वें आईपीएल से हट गए थे। मुंबई और चेन्नई के बीच शनिवार को पहला मैच होगा और गंभीर ने कहा कि वह बोल्ट और बुमराह की जोड़ी को गेंदबाजी करते हुए देखने को लेकर उत्सुक हैं। गंभीर ने कहा कि मैं वास्तव में यह देखने को लिए उत्सुक हूं कि ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह नई गेंद से कैसे गेंदबाजी करते हैं। हम सभी जानते हैं कि बुमराह और बोल्ट विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं ।

खिलाड़ियों को ट्रेनिंग में आ रही बाधा: पुलेला गोपीचंद

भाषा। नई दिल्ली

टूर्नामेंटों के निलंबन और पुन: कार्यक्रम तैयार करने के कारण अभी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर तय नहीं है और ऐसे में भारतीय कोच पुलेला गोपीचंद ने बुधवार को कहा कि ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने को लेकर खिलाड़ियों की ओर से थोड़ी अड़चनें आ रही हैं। कोविड-19 महामारी के चलते कई टीमों के हटने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को थॉमस एवं उबेर कप को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। महामारी के कारण मार्च में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं ठप पड़ने के बाद इस टूर्नामेंट के साथ अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन बहाल होना था। वैश्विक संस्था ने 20 से 25 अक्टूबर तक होने वाले डेनमार्क मास्टर्स 2020 टूर्नामेंट को भी रद्द कर दिया है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की ओर से आयोजित वेबिनार में गोपीचंद ने कहा कि मेरा मानना है कि हमारे खिलाड़ी इस तथ्य पर विश्वास नहीं कर रहे हैं कि हमारा बैडमिंटन कैलेंडर काफी जल्द शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि इसलिए खिलाड़ियों की ओर से एक साथ जुटने और ट्रेनिंग शुरू करने को लेकर थोड़ी रुकावट आ रही है। हाल में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के पृथकवास से जुड़े नियमों को मानने से इनकार कर दिया था जिसके बाद थॉमस एवं उबेर कप के ट्रेनिंग शिविर को रद्द कर दिया गया था। गोपीचंद का हालांकि मानना है कि ट्रेनिंग की कमी चिंता का कारण नहीं है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा शुरू करने के बाद खिलाड़ी लय में लौट आएंगे।

अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा: पोंटिंग

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने बुधवार को कहा कि किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ टीम के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के पहले मैच से पूर्व अंतिम एकादश में जगह बनाने को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 13वें आईपीएल में अपने अभियान की शुरुआत रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ करेगी। भारत में कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों के कारण इस बार आईपीएल का आयोजन यूएई के अबु धाबी, दुबई और शारजाह में 19 सितंबर से 10 नवंबर तक किया जा रहा है। अब तक आईपीएल खिताब जीतने में नाकाम रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस बार टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। पोंटिंग ने ट्वीट किया कि रविवार को अपना सत्र शुरू करने से पहले दिन गिन रहा हूं। लड़कों ने ट्रेनिंग और तैयारी में शानदार काम किया है और अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी है।

टोक्यो ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए निर्णायक होगा विश्व कप: आईएसएसएफ

संवाददाता। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने कहा है कि अगले साल मार्च में नई दिल्ली में होने वाला विश्व कप टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफिकेशन के लिए निर्णायक का काम भी करेगा। ओलंपिक का आयोजन इस साल जापान की राजधानी में जुलाई-अगस्त में आयोजित किया जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इन्हें एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया।

दिल्ली में अगले साल 19 से 28 मार्च होने वाला निशानेबाजी विश्व कप अब संयुक्त टूर्नामेंट होगा। विश्व निशानेबाजी की संस्था ने अपनी वेबसाइट कहा कि नई दिल्ली में 2021 में होने वाला आईएसएसएफ राइफल-पिस्टल-शॉटगन विश्व कप टोक्यो 2020 ओलंपिक के क्वालीफिकेशन के लिए रैंकिंग को लेकर अंतिम स्थिति भी सुनिश्चित करेगा। आईएसएसएफ ने कहा, कार्यकारी समिति का यह निर्णय 2017 में स्वीकृत मूल क्वालीफिकेशन प्रणाली को हरसंभव बरकरार रखने के लिए सामान्य दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसमें कहा गया है, क्वालीफिकेशन काल (छह जून 2021) से पहले तक 2021 में होने वाली सभी आईएसएसएफ चैंपियनशिप में ओलंपिक एमक्यूएस (न्यूनतम क्वालीफिकेशन स्कोर) हासिल करना संभव होगा।

कोविड-19 टीका: सरकार से ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने का आग्रह

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बुधवार को कहा कि उसने सरकार से आग्रह किया है कि जब कोविड-19 टीका उपलब्ध हो तो ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाए। भारत सहित कई देश कोरोना वायरस का टीका विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत सरकार इसे सबसे पहले कोरोना वायरस संक्रमितों के सीधे संपर्क में आने वालों, सैनिकों और कुछ निश्चित वर्ग के लोगों को मुहैया कराने पर विचार कर रही है।

सेंट लुईस रैपिड आनलाइन शतरंज में हरिकृष्णा को संयुक्त बढ़त मिली

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा सेंट लुईस रैपिट और ब्लिटज आनलाइन शतरंज टूर्नामेंट के तीन दौर के बाद आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर लेवोन आरोनियन के साथ शीर्ष पर हैं। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हरिकृष्णा ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेइनिएर डोमिनिगुएज के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत की। इसके बाद ईरान के अली रजा फिरोजा के साथ ड्रा खेला। तीसरे दौर में उन्होंने रूस के अलेक्जेंडर ग्रिसचुक को 41 चालों में हराया। विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन तीन अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हिकारू नकामूरा को हराने के बाद उन्हें रूस के इयान नेपोनियाश्चि से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन तीसरे दौर में वेसली को हराया। हरिकृष्णा का सामना अब नेपोनियाश्चि से होगा।

चालू वित्त वर्ष में 22.5 प्रतिशत कम रहा कर संग्रह

आंकड़े

भाषा। मुंबई

चालू वित्त वर्ष में 15 सितंबर तक अग्रिम संग्रह समेत केंद्र सरकार का कुल कर संग्रह साल भर पहले की समान अवधि की तुलना में 22.5 प्रतिशत रहकर 2,53,532.3 करोड़ रुपये रहा है। आयकर विभाग के एक सूत्र ने कर संग्रह के प्राथमिक आंकड़ों के बारे में कुछ जानकारियां साझा की। आयकर विभाग के मुंबई क्षेत्र के एक सूत्र ने बुधवार को बताया कि पिछले वित्त वर्ष में 15 सितंबर तक कुल कर संग्रह 3,27,320.2 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि उसने चालू तिमाही (दूसरी तिमाही) के लिए अग्रिम कर संग्रह के आंकड़ों को अलग से बताने से इनकार किया। सूत्र ने कहा कि यह आंकड़ा अभी अंतिम नहीं है क्योंकि बैंक दिन के अंत तक इसमें बदलाव कर सकते हैं। चालू वित्त वर्ष की जून में खत्म हुई पहली तिमाही के दौरान कुल कर संग्रह 31 प्रतिशत नीचे रहा था। इस दौरान अग्रिम कर संग्रह में 76 प्रतिशत की भारी गिरावट देखने को मिली थी।

कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देश भर में लागू लॉकडाउन के चलते यह गिरावट आई थी। इस वित्त वर्ष में 15 सितंबर तक के कुल संग्रह में व्यक्तिगत आयकर 1,47,004.6 करोड़ रुपए और कॉरपोरेट आयकर कर 99,126.2 करोड़ रुपये रहा। ए दोनों राजस्व संग्रह के प्रमुख घटक हैं और इन दोनों को मिलाकर कर का कुल संग्रह 2,46,130.8 करोड़ रुपये रहा। कुल संग्रह में 22.5 प्रतिशत की गिरावट आई। इसमें सर्वाधिक गिरावट मुंबई क्षेत्र में 13.9 प्रतिशत रही। मुंबई अभी भी कोरोना वायरस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित बना हुआ है। मुंबई में कर का कुल संग्रह साल भर पहले की तुलना में 13.9 प्रतिशत गिरकर 74,789.6 करोड़ रुपये रहा। इसमें व्यक्तिगत आयकर 34,808.8 करोड़ रुपए और कॉरपोरेट आयकर 32,921.2 करोड़ रुपए रहा। प्रमुख क्षेत्रों में बेंगलुरू अकेला ऐसा रहा, जहां सालाना आधार पर कर के कुल संग्रह में वृद्धि दर्ज की गई। बेंगलुरू का कुल कर संग्रह साल भर पहले के 36,986 करोड़ रुपए से 9.9 प्रतिशत बढ़कर 40,665.3 करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान कोच्चि का कुल कर संग्रह 49 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट के साथ 3,214.7 करोड़ रुपए रह गया।

घरेलू खिलौना उद्योग के लिए गुणवत्ता नियमों को लागू करने की समय सीमा बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के बीच गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए घरेलू खिलौना उद्योग को अगले साल जनवरी तक चार और महीनों की मोहलत दी है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने अधिसूचना जारी कर खिलौना आदेश 2020 के कार्यान्वयन की तारीख को इस साल एक सितंबर से बढ़ाकर एक जनवरी 2021 कर दिया है। आदेश में कहा गया कि इस निर्णय के तहत घरेलू विनिर्माताओं को कोविड-19 महामारी से पैदा हुई कठिनाइयों के मद्देनजर मानकों को लागू करने के लिए चार महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है। सरकार इस समय खिलौनों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है।

इतालवी युवा मुसेत्ती ने वावरिंका को हराया

एपी। रोम

स्थानीय युवा लोरेंजो मुसेत्ती ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में स्टान वावरिंका को 6-0, 7-6 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता वावरिंका के हर शॉट का मुसेत्ती ने माकूल जवाब दिया। वह एटीपी टूर पर जीत दर्ज करने वाले 2002 में जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए। वावरिंका ने अमेरिकी ओपन नहीं खेला था। मुसेत्ती 2018 अमेरिकी ओपन जूनियर फाइनल में उपविजेता था और उन्होंने 2019 में आस्ट्रेलियाई ओपन जूनियर खिताब जीता था। इटली के वाइल्ड कार्डधारी सल्वातोर कारूसो ने अमेरिकी क्वालीफायर टेनिस सैंडग्रेन को मात दी। वहीं मुसेत्ती की टक्कर केइ निशिकोरि से होगी जो कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी ओपन नहीं खेल सके थे। महिला वर्ग में कैटरीना सिनियाकोवा ने तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन एंजेलिक कर्बर को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं 16 वर्षीय अमेरिकी कोको गॉ ने ओंस जाबेउर को 6-4, 6-3 से मात दी। अब उनका सामना पूर्व फ्रेंच ओपन और विम्बलडन चैम्पियन गारबाइन मुगुरूजा से होगा, जिसने स्लोएने स्टीफेंस को 6-3, 6-3 से हराया।

आस्ट्रेलियाई पीजीए टूर्नामेंट फरवरी तक स्थगित

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलियाई पीजीए टूर्नामेंट कोरोना वायरस महामारी के कारण अगले साल फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया गया। आस्ट्रेलिया पीजीए ने कहा कि यूरोपीय टूर से अधिकृत यह गोल्फ टूर्नामेंट अब 18 से 21 फरवरी के बीच खेला जाएगा।

जानी बेयरस्टॉ का शतक इंग्लैंड का मजबूत स्कोर

भाषा। मैनचेस्टर

जॉनी बेयरस्टॉ के शतक की मदद से इंग्लैंड ने खराब शुरुआत से उबरकर आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को सात विकेट पर 302 रन का मजबूत स्कोर बनाया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे इंग्लैंड ने मिशेल स्टार्क की मैच की पहली दो गेंदों पर दो विकेट गंवा दिए थे। लेकिन बेयरस्टॉ ने 126 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली और इस बीच सैम बिलिंग्स (58 गेंदों पर 56) के साथ पांचवें विकेट के लिए 114 रन जोड़कर इंग्लैंड को चार विकेट पर 90 रन की खराब स्थिति से उबारा। क्रिस वोक्स (39 गेंदों पर नाबाद 53) ने फिर से अंतिम ओवरों में अच्छे रन जुटाए। आस्ट्रेलिया की तरफ से लेग स्पिनर एडप जंपा ने 51 रन देकर तीन विकेट लिए। स्टार्क शुरुआती सफलता के बाद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। उन्होंने भी तीन विकेट लिए लेकिन इसके लिए 74 रन लुटाए। स्टार्क की मैच की पहली गेंद पर जैसन रॉय ने प्वाइंट पर ग्लेन मैक्सवेल को कैच दिया जबकि अगली गेंद पर उन्होंने जो रूट को पगबाधा आउट किया। मोर्गन ने उनकी हैट्रिक नहीं बनने दी लेकिन वह भी क्रीज पर पर्याप्त समय बिताने के बावजूद लंबी पारी नहीं खेल पाए। जंपा ने 11वें ओवर में गेंद संभाली और अपनी दूसरी गेंद पर ही मोर्गन की 23 रन की पारी और बेयरस्टॉ के साथ उनकी 67 रन की साझेदारी का अंत कर दिया। जोस बटलर (आठ) श्रृंखला के तीसरे मैच में दोहरे अंक में पहुंचने में नाकाम रहे और जंपा की गेंद पर कवर पर कैच दे बैठे।

विदेशी मुद्रा प्रवाह जारी रहने से बाजार में दूसरे दिन तेजी

मुंबई। शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने के बीच बैंक, वाहन और आईटी शेयरों में तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 258 अंक चढ़ गया। कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती और रिजर्व बैंक के गवर्नर के सकारात्मक बयान से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए बैंक हर संभव कदम उठाने को तैयार है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 258.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 39,302.85 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 82.75 अंक यानी 0.72 प्रतिशत मजबूत होकर 11,604.55 अंक पर बंद हुआ।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अगस्त में 76 प्रतिशत घटी

भाषा। नई दिल्ली

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के मुताबिक इस साल अगस्त में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 28.32 लाख रही। यह अगस्त 2019 के मुकाबले 76 प्रतिशत कम रही है। नागर विमानन क्षेत्र नियामक डीजीसीए ने कहा कि 59.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ इंडिगो के यात्रियों की संख्या 16.82 लाख रही, जबकि 13.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ स्पाइसजेट से 3.91 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी। इसके बाद एअर इंडिया, एयरएशिया इंडिया, विस्तार और गोएयर के यात्रियों की संख्या क्रमश: 2.78 लाख, 1.92 लाख, 1.42 लाख और 1.33 लाख रही। पिछले महीने डीजीसीए ने जुलाई में 21.07 लाख यात्रियों के घरेलू हवाई यात्रा करने के आंकड़े जारी किए थे। डीजीसीए ने कहा कि अगस्त में छह में से पांच प्रमुख विमानन कंपनियों के सीटों के भरने की दर 58 से 69 प्रतिशत रही। वहीं स्पाइसजेट के सीटें भरने की दर 76 प्रतिशत रही। लॉकडाउन खुलने के बाद अगस्त में मांग बढ़ने से विमानन कंपनियों की सीटें भरने की दर सुधरी है। इसी तरह विस्तार, इंडिगो, एयर एशिया इंडिया, गो एयर और एअर इंडिया की सीटें भरने की दर क्रमश: 68.3 प्रतिशत, 65.6 प्रतिशत, 64.4 प्रतिशत, 61 प्रतिशत और 58.6 प्रतिशत रही। बेंगलुरू, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई जैसे प्रमुख हवाईअड्डों पर इंडिगो का प्रदर्शन अगस्त में सबसे बेहतर रहा।

PUBLIC NOTICE

This is for the information of general public that my client Poonam Sharma W/o Vijay Sharma and Vijay Sharma S/o Late Kharati Lal both R/o 7/134, 3rd Floor Subhash Nagar, New Delhi-27 have disowned and debarred their Son Gopal Sharma and his wife Sapna Mamhotra @ Sapna Sharma from all their moveable and immovable properties with immediate effect and severed all relations. Any body dealing with them in any manner whatsoever will be doing so at his/her own cost, risk & responsibilities.

Mohinder Dhawan (Advocate)
Bar Room 3, Civil Side Tis Hazari, Delhi-54

CORRIGENDUM TO PUBLIC NOTICE DATED 05.03.2020 I Mohd. Isa S/o Fazruddin R/o D-99, Gali no.9, Village Wazirabad, Delhi-84 earlier issued a public notice dated 13.03.2020 in newspaper THE PIONEER (Both in Hindi & English) to the effect that I purchased a property ad-measuring 3000 sq. yards, out of Kh. No. 254/161, Village Wazirabad, Ramghat, Delhi from Rauf Khan, who purchased the same from Imran Khan. Imran Khan purchased the same from Satbir S/o Late Bharat Singh R/o Village Jagatpur, Delhi. I inadvertently mentioned in the said notice that the original documents executed by Satbir Singh in favour of Imran Khan regarding the abovesaid property have been lost and are not traceable, whereas the same are in my possession and actually the original documents executed by Imran Khan in favour of Rauf Khan regarding the above said property have been lost and untraceable. The said notice be read accordingly and corrigendum is being issued in that respect. If anybody finds the same or has some information about the same Please contact me on my mobile no.9518098203

MOHD. ISA

भारत ने संरा में पाक को घेरा

● पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़, हिंदुओं-सिखों और ईसाइयों पर कर रहा है जुल्मः भारत

भाषा। जिनेवा

पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ करार देते हुए भारत ने कहा कि किसी को भी इस्लमाबाद से मानवाधिकारों पर बेवजह व्याख्यान सुनने की आवश्यकता नहीं है जो खुद ही हिंदुओं, सिखों और इसाइयों सहित अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म कर रहा हैं।

भारतीय प्रतिनिधि ने मानवाधिकार परिषद (एचआरसी) के 45वें सत्र में पाकिस्तान द्वारा यहां दिए गए वक्तव्यों का जवाब देने के लिए उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए मंगलवार को कहा कि गलत और मनगढ़ंत विमर्श पेश करके भारत की छवि खराब करने की पाकिस्तान की आदत हो गई है।

भारतीय कूटनीतिज्ञ ने कहा, न ही भारत और न ही कोई अन्य किसी ऐसे देश से मानवाधिकारों पर बेवजह का व्याख्यान सुनने का हकदार है जिसने अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म किए हैं, आतंकवाद का गढ़ है, जिसने संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधित सूची में डाले गए व्यक्तियों को पेंशन दी हो और जिसके पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है जो जम्मू-कश्मीर में लड़ने के लिए हजारों आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने की बात गर्व से स्वीकार करता है। भारत ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि अन्य संबंधित बहुपक्षीय संस्थान आतंकवाद को धन मुहैया कराने से रोकने में पाकिस्तान की नाकामी और पाकिस्तान में मौजूद सभी आतंकवादी संगठनों पर प्रभावी तरीके से लगाम लगाने में विफलता पर लगातार चिंता व्यक्त करते आ रहे हैं।पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में उसके नापाक मंसूबों का जिक्र करते हुए भारत ने कहा, बड़े पैमाने पर बाहरी लोगों के आने से भारत के केन्द्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर और लद्दाख के पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में कश्मीरियों की संख्या बहुत घट गई है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान में हजारों की संख्या में सिख, हिंदू और इसाई अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों को अगवा किया जाता है, धर्मांतरण किया जाता है और उनका जबरदस्ती विवाह कराया जाता है।बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और सिंध में लोगों की दुर्दशा पर भारत ने कहा, एक भी दिन नहीं होता जब बलोचिस्तान में किसी परिवार के किसी सदस्य को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा उठाया नहीं जाता हो अथवा उनका अपहरण नहीं किया जाता हो। भारत ने जम्मू कश्मीर के संदर्भ में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की टिप्पणी को भी खारिज किया। भारत ने कहा, भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का ओआईसी का कोई अधिकार नहीं हैं। ओआईसी ने पाकिस्तान को अपना एजेंडा चलाने के लिए उसका इस्तेमाल करने की इजाजत दी हुई है। यह ओआईसी के सदस्यों को तय करना है कि क्या पाकिस्तान को ऐसा करने देना उनके हित में है। भारत ने तुर्की को उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचने और लोकतांत्रिक परंपराओं की बेहतर समझ विकसित करने की भी सलाह दी।

न्यूयार्क के क्रिस्टी में सबसे बड़े डायनासोरों में से प्रदर्शनी के लिए लगे एक जीवाश्म का फोटो खींचता फोटोग्राफर

विज्ञान पत्रिका ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर बाइडेन का समर्थन किया

एपी। न्यूयार्क

अमेरिका की सबसे पुरानी विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक अमेरिकन ने देश में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन का समर्थन करने का फैसला किया है।

पत्रिका ने 175 वर्ष के अपने लंबे इतिहास में कभी राष्ट्रपति पद के चुनाव में किसी भी उम्मीदवार का अनुमोदन नहीं किया गया था। पत्रिका की प्रधान संपादक लॉरा हेल्मथ ने मंगलवार को कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन को समर्थ देने के मुद्दे पर बस थोड़ी सी अंदरूनी चर्चा हुई। हेल्मथ ने कहा कि पत्रिका को जितना अंदेशा था, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन वैज्ञानिक समुदाय के लिए उससे कहीं ज्यादा खराब साबित हुआ है। पत्रिका ने बाइडेन के प्रति अपना समर्थन मंगलवार को ऑनलाइन पोस्ट किया। इससे ठीक एक दिन पहले ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग को जलवायु परिवर्तन से जोड़ने पर सवाल खड़ा किया था।अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कहा, साक्ष्य और विज्ञान बताते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ने मूल रूप से अमेरिका और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाया है क्योंकि वह सबूत और विज्ञान को नकारते हैं। वरिष्ठ संपादक जोश फिशमैन ने अपने संपादकीय में कोरोना वायरस महामारी से निपटने के तरीकों पर ट्रंप की तीखी निंदा की। पत्रिका में कहा गया कि बाइडेन का रिकॉड आंकडों को मानने वाला और विज्ञान पर चलने वाला रहा है।

एकतरफा कोशिशों से महामारी और मजबूती से पैर जमाएगी :संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा के नए अध्यक्ष ने मंगलवार को सचेत किया है कि एकतरफा कोशिशों से कोविड-19 महामारी और मजबूती से पैर जमाएगी। उन्होंने महामारी के लिए टीकों के निष्पक्ष एवं समान वितरण समेत वैश्विक सहयोग की नई प्रतिबद्धता की अपील की।तुर्की के राजनयिक और राजनेता वोल्कन बोजकिर ने घोषणा की कि महासभा नवंबर की शुरुआत में कोविड-19 पर उच्च स्तरीय विशेष सत्र का आयोजन करेगी। हालांकि राजनयिकों के अनुसार तारीख आगे भी बढ़ सकती है। बाद में उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह बैठक कुछ पहले, जून में होनी चाहिए थी।बोजकिर ने पद की शपथ लेने के साथ 193 सदस्ईय वैश्विक संस्था की कमान संभाल ली है। उन्होंने तिजानी मुहम्मद बंदे का स्थान लिया है। बोजकिर ने संरा के सदस्य राष्ट्रों के प्रतिनिधियों से कहा, मेरे अध्यक्षता काल में कोरोना वायरस के प्रभावों से लड़ना मेरी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा, कोई भी देश इस महामारी से अकेले नहीं लड़ सकता और यह सदस्य राष्ट्रों की जिम्मेदारी है कि वे बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में लोगों के भरोसे को मजबूत करें, जिनके केंद्र में संयुक्त राष्ट्र हो।

मजबूत इच्छाशक्ति वाले है जापान के नए प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा

एपी। तोक्यो

जापान का प्रधानमंत्री चुने जाने से पहले योशिहिता सुगा को पर्दे के पीछे का प्रधानमंत्री कहा जाता था, वह जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे शिंजो आबे के बेहद करीबी माने जाते हैं।

जब आबे ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह खराब सेहत के चलते पद छोड़ने वाले हैं तब उनके मंत्रिमंडल के मुख्य सचिव सुगा ने कहा था वह आबे के अधूरे कामों को पूरा करेंगे।अपने दम पर राजनीति में स्थान बनाने वाले सुगा को संसद ने बुधवार को औपचारिक तौर पर जापान का नया प्रधानमंत्री चुन लिया।

इससे पहले, सोमवार को उन्हें जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था। सरकारी ब्रिफ्रिंग से सुगा की जो छवि महसूस होती थी वह पर्दे के पीछे नौकरशाहों को संभालने तथा नीतियों को आगे बढ़ाने के उनके काम से ठीक विपरीत है।पर्दे के पीछे वह एक दृढ़ व्यक्तित्व वाले शख्स हैं। नीति संयोजक के रूप में वह सख्त मिजाज हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय की शक्तियों के जरिए नौकरशाहों को प्रभावित करते हैं। इसी कारण राजनीतिक विश्लेषक उन्हें पर्दे के पीछे का प्रधानमंत्री कहते हैं।

उनकी नीतियों का विरोध करने वाले कुछ अफसरों का कहना है कि उन्हें सरकारी परियोजनाओं से हटा दिया गया या उनका स्थानांतरण कर दिया गया। सुगा ने भी हाल में कहा था कि वह ऐसा करना जारी रखेंगे।

उनके स्कूल के दिनों के साथी उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति वाला व्यक्ति मानते हैं। सोमवार को सुगा ने कहा था, मैं राजनीति में आ गया, जिसमें मेरा कोई जान-पहचान का व्यक्ति या और कोई कनेक्शन नहीं था। मैंने शून्य से शुरुआत की। सुगा 1996 में 47 साल की आयु में निचले सदन में चुने गए।सुगा, आबे के करीबी माने जाते हैं और 2006 से उनके समर्थक रहे हैं जब आबे पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब आबे का कार्यकाल 2006 से 2007 के बीच महज एक साल का था जिसकी वजह उनकी खराब सेहत थी। 2012 में फिर से प्रधानमंत्री बनने में सुगा ने आबे की खासी मदद की थी।सुगा किसान के बेटे हैं और अपने दम पर राजनीति में आए। उन्होंने आम लोगों तथा ग्रामीण समुदायों के हितों का ध्यान रखने का वादा किया है।सुगा ने कहा कि वह आबे की अधूरी नीतियों को ही आगे बढ़ाएंगे और उनकी प्राथमिकता कोरोना वायरस से निपटना और वैश्विक महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को बेहतर करना होगा।

क्विक न्यूज

भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति ने 1.7 करोड़ डॉलर की बैंक धोखाधड़ी का आरोप किया स्वीकार

वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी व्यक्ति ने जालसाजी कर बैंक से 1.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज लेने और धोखा देने की योजना बनाने में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि राजेन्द्र कंकरिया (61) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अमेरिकी जिला न्यायाधीश सूसन डी. विग्टन के समक्ष बैंक से धोखा करने का अपना गुनाह स्वीकार कर लिया। उसे अधिकतम 30 साल की सजा मिल सकती है और 10 लाख अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है।कंकरिया को 18 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी।दस्तावेजों के अनुसार मार्च 2016 से मार्च 2018 तक लोटस एक्जिम इंटरनेशनल इंक के अध्यक्ष ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर बैंक से धोखे से 1.7 करोड़ डॉलर का कर्ज लेने की साजिश रची थी।

भारतीय मूल के दम्पत्ति के पास से संदिग्ध नकदी बरामद

लंदन। ब्रिटेन में अपराध रोकथाम अधिकारियों और पुलिस ने भारतीय मूल के एक दम्पत्ति के पास से 3,00,000 पाउंड से अधिक नकदी बरामद की है जिसे अपराध से अर्जित किए जाने की आशंका है। राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने बताया कि दंपति शैलेश और हरक्ति सिंगारा के उत्तर पश्चिम लंदन के एडवेयर स्थित घर से 2,00,000 पाउंड से अधिक नकदी बरामद की गई है। एनसीए में थ्रेट रिस्पान्स की प्रमुख रैचल हर्बर्ट ने कहा, कई मनी सर्विस बिज़नेस (एमएसबी) अवैध नकदी के लेन-देन को सुविधाजनक बनाकर ब्रिटेन के लिए एक जोखिम पैदा कर रहे है। राष्ट्रीय आर्थिक अपराध केन्द्र और उसके सहयोगियों ने इस खतरे को समझा, जो वैध व्यवसायो का समर्थन करते हुए संदिग्ध एमएसबी के खिलाफ अधिक प्रभावी कार्वाई करने मे सक्षम है। अधिकारियो ने कहा कि सिंगारा के व्यापारिक सहयोगी शैलेश मंडालिया के पास से भी 1,00,000 पाउंड बरामद किए है। यह नकदी उसके पास मौजूद एक बैग मे थी।इन तीनो ने अदालत मे यह दावा किया कि नकदी वैध थी और किसी भी भ्रम के लिए कई वर्षो का खराब लेखांकन (अकाउंटिंग) जिम्मेदार है।अदालत ने 10 सितम्बर को हालांकि उनकी यह दलील खारिज कर दी।मेट पुलिस ऑर्गनाइज्ड क्राइम पार्टनर्शिप (ओसीपी) के प्रमुख एवं डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर टोनी ओ सुल्लीवन बताया कि तीनो पर कोई भी आरोप नही है और इन्हे किसी भी मामले मे दोषी नही ठहराया गया है। लेकिन यह 3,00,000 पाउंड इन्ही के पास से बरामद हुए है और अब इनका इस्तेमाल समुदायो के हित के लिए किया जाएगा।अदालत ने इन तीनो को अलग से कुल 4,350 पाउंड का भुगतान करने का निर्देश भी दिया है।

ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता ने डेलावेय में प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की

डोवर (अमेरिका)। ट्रांसजेडर कार्यकर्ता सारा मैकब्राइड ने डेलावेयर मे मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के राज्य सीनेट प्राइमरी चुनाव मे जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह राज्य की महासभा की पहली ट्रांसजेंडर सदस्य बनने के करीब पहुंच गई।मैकब्राइड पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन मे व्हाइट हाउस मे इंटर्न थी। उन्होने डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेशन (डीएनसी) 2016 मे भाषण दिया था और किसी बड़ी पार्टी के सम्मेलन मे भाषण देने वाली भी वह पहली ट्रांसजेंडर थी। वह मानवाधिकार अभियान के लिए राष्ट्रीय प्रेस सचिव भी रह चुकी है। मैकब्राइड ने मंगलवार को चुनाव मे जोसेफ मैक्कोल को मात दी और इसी के साथ नवम्बर मे होने वाले चुनाव के लिए उनका रास्ता खुल गया है। नवम्बर मे होने वाले चुनाव मे जीत हासिल करने पर वह ट्रांसजेंडर विधायकों की चुनिंदा सूची मे शामिल हो जाएंगी, लेकिन राज्य से वह पहली ट्रांसजेंडर सीनेटर होगी।चुनाव से पहले मंगलवार को मैकब्राइड ने एपी से कहा था, मै इस चुनाव मे जी-जान लगा रही हूं। मेरी पहचान, मै जो हूं उसका एक हिस्सा है, लेकिन केवल एक हिस्सा है। उन्होने कहा, मै अपनी पहचान के आधार पर नही बल्कि अपने मूल्यों और अपने निर्वाचन क्षेत्र की जरूरतों के आधार पर कानून बनाना चाहूंगी।

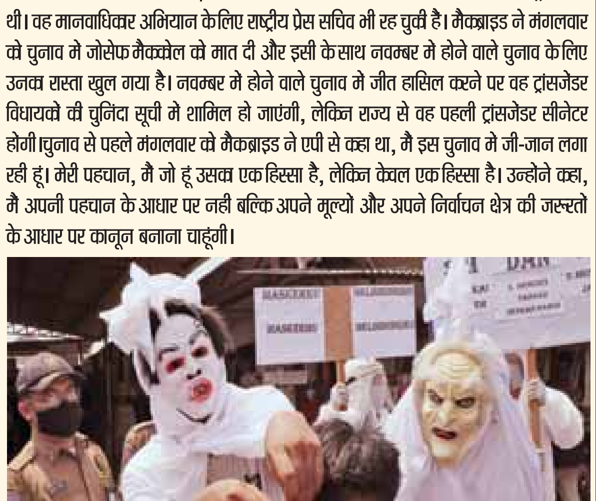

इंडोनेशिया के तंगरांग में कोरोना वायरस को लेकर जागरूक करते स्वास्थ्य कर्मी

व्हाइट हाउस के दक्षिणी लॉन में एक समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, बहरीन के विदेश मंत्री खालिद बिन अहमद, ईजराइली पीएम बेन्जामिन नेतान्याहू व अन्य

जंगलों में लगी आग के कारण अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता हुई बेहद खराब

एपी। पोर्टलैंड

● स्वास्थ्य अधिकारियो ने लोगों से घरों के भीतर रहने और खिड़की, दरवाजे बंद रखने की सलाह दी है

ओरेगन, वॉशिंगटन और कैलिफोर्निया के लोग पश्चिमी तटीय क्षेत्र में जंगलों में लगी आग के कारण चल रही खराब हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण पहले से घरों में बंद रहने को मजबूर लोग जो कभी कभार सैर पर चले जाते थे, अब प्रदूषित हवा की वजह से बाहर तक नहीं निकल पा रहे।

लगभग एक हफ्ते या उससे भी लंबे समय से हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है। वैज्ञानिकों का दावा है कि चुभने वाली तीखी पीली-हरी हवा कई दिन या हफ्तों तक चलती रहेगी। जंगलों में लगी आग फैलती जा रही है और यह और तबाही मचाने वाली है।ओरेगन के पर्यावरण गुणवत्ता संबंधी विभाग के अनुसार 301 से 500 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक को खतरनाक माना जाता है। ओरेगन के कई शहरों में यह 500 से भी अधिक है, जो सूचकांक के पैमाने से बाहर है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से घरों के भीतर रहने और खिड़की, दरवाजे बंद रखने की सलाह दी है।स्वास्थ्य अधिकारी सराह प्रेजेंट ने बताया, कुछ इलाकों में हवा की गुणवत्ता इतनी ज्यादा खराब है कि उसे मापा भी नहीं जा सकता। उत्तर कैलिफोर्निया के मौसम विज्ञानी डेन ब्रोसम ने बताया कि खराब हवा से अक्तूबर तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

अमेरिका ने कंबोडिया में भ्रष्टाचार के लिए चीनी कंपनी पर पाबंदी लगाई

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका ने विकास परियोजना के लिए कंबोडिया में भूमि हथियाने और भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप में चीन की एक सरकारी कंपनी पर पाबंदियां लगा दी है। अमेरिका का कहना है कि इस परियोजना का इस्तेमाल सैन्य संपत्ति के तौर पर किया जा सकता है।विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने मंगलवार को कहा, डारा सकोर में तटीय विकास परियोजना को लेकर विश्वसनीय खबरें है कि इसका इस्तेमाल चीन की सेना की संपत्ति के तौर पर किया जा सकता है और अगर ऐसा होता है तो यह कंबोडिया के संविधान के खिलाफ है तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा है, यह कंबोडिया की संप्रभुत्ता और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।उन्होंने कहा कि आज की कार्वाई दिखाती है कि कैसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए कंपनियों का इस्तेमाल कर रही है और अवैध आर्थिक लाभ के लिए बेगुनाह लोगों के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने के वास्ते भ्रष्ट अधिकारियों के जरिए काम करा रही है। पोम्पिओ ने कहा कि कंबोडिया सरकार ने चीन की यूनियन डेवलपमेंट ग्रुप (यूडीजी) को 2008 में एक विकास परियोजना के लिए जमीन का 99 साल का पट्टा दिया था। इस भूमि में देश की तट रेखा का करीब 20 फीसदी हिस्सा शामिल है। वित्त मंत्री स्टीवन मनुचिन ने कहा कि कंपनी ने जमीन लेने के लिए खुद को कंबोडिया की स्वामित्व वाली कंपनी दिखाया और भूमि मिलने के बाद यूडीजी अपनी असल मिल्कियत में आ गई जो चीनी की है। उन्होंने कहा कि जहां भी ऐसा किया जाएगा, उसे निशाना बनाने के लिए अमेरिका अपने सारे प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि कंबोडिया की सेना के पूर्व अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर कंबोडिया की सेना ने हिंसक हथकंडे अपना कर जमीन को पट्टे पर देने को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि शाही कंबोडियाई सशस्त्र बल के पूर्व प्रमुख कुम किम को यूडीजी के साथ संबंधों का काफी फायदा हुआ।

भारतीय-अमेरिकी वोट बैंक में ट्रंप बना रहे पैठ, समुदाय के बहुसंख्यक लोग अब भी बाइडेन के समर्थन में

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी वोट बैंक में अब तक के किसी रिपब्लिकन राष्ट्रपति की तुलना में सर्वाधिक पैठ बनाई है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है, जो डेमोक्रेटिक पार्टी को इस बारे में आगाह करता है कि इस प्रभावशाली समुदाय के समर्थन को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

इंडियाजपोरा एंड एशियन अमेरिकन एंड पैसिफिक आइलैंडर (एएपीआई) डेटा द्वारा किए गए सर्वेक्षण से मंगलवार को यह प्रदर्शित हुआ कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बहुसंख्यक आबादी अब भी पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन का समर्थन करती है, जो तीन नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार हैं।

अध्ययन में यह पाया गया कि दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए चुनाव लड़ रहे 74 वर्षीय ट्रंप भारतीय-अमेरिकी समुदाय के वोट बैंक में अपने लिए समर्थन जुटाने की कवायद कर रहे हैं, जबकि तथ्य यह है कि बाइडेन (77) का समुदाय के साथ एक मजबूत संबंध है और पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में उन्होंने एक अहम भूमिका निभाई है।

बाइडेन ने पिछले महीने भारतीय मूल की कमला हैरिस (55) को डेमोक्रेटिक पार्टी से उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार नामित कर इतिहास रच दिया। सर्वेक्षण के मुताबिक 66 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी अभी बाइडेन का समर्थन कर रहे हैं और 28 प्रतिशत ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। वहीं, छह प्रतिशत ने कोई निर्णय नहीं लिया है। उल्लेखनीय है कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में 77 प्रतिशत ने अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन को वोट दिया था और 16 प्रतिशत ने ट्रंप को वोट दिया था। वहीं, 2012 में 84 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी ने बराक ओबामा को वोट दिया था। यूनिवर्सिटी ऑफ केलीफोर्निया, रिवरसाइड के लोक नीति एवं राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक और एएपीआई डेटा के संस्थापक डॉ कार्तिक रामकृष्णन ने कहा कि ट्रंप को भारतीय-अमेरिकी समुदाय का समर्थन शायद 30 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा, बशर्ते कि अब तक निर्णय नहीं लेने वाले लोग भी समर्थन में आ जाएं। रामकृष्णन अध्ययन के लेखक भी हैं।

भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस (अमेरिकी संसद) सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि डेमोक्रेट को निश्चित तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे भरतीय-अमेरिकी तक पर्याप्त रूप से पहुंचे। उन्होंने कहा कि पेन्सिलवेनिया, मिशिगन, फ्लोरिडा और नार्थ कैरोलाइना जैसे राज्यों में काफी संख्या में भारतीय-अमेरिकी हैं। हावर्ड लॉ स्कूल लेबर एंड वर्कलाइफ प्रोग्राम की विजिटिंग फेलो और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी की पूर्व सीईओ सीमा नंदा ने कहा, यह एक ऐसा वोट है (भारतीय-अमेरिकी का), जो इस अध्ययन से प्रदर्शित होता है कि इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। एक ओर जहां बाइडेन का समर्थन 2016 में क्लिंटन की तुलना में घटा है वहीं दूसरी ओर रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन इन चार साल में 19 प्रतिशत से घट कर 16 प्रतिशत हो गया है। इंडियाजपोरा के संस्थापक एम आर रंगास्वामी ने कहा, दोनों बड़ी पार्टियों ने यह महसूस किया है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय से संपर्क साधना कितना जरूरी है। अमेरिका में समुदाय के 18 लाख लोग मताधिकार योग्य हैं।

मीरा नायर को टीआईएफएफ ट्रिब्यूट पुरस्कार से नवाजा गया

भाषा। नई दिल्ली

मीरा नायर को टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ट्रिब्यूट अवार्ड समारोह में सोमवार रात को जेफ स्कोल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नायर द्वारा निर्देशित छह भागों की श्रृंखला ए सूटेबल बॉय के दो कड़ियों से 45वें टोरंटो फिल्म महोत्सव का शनिवार को समापन होगा। तब्बू ने नायर को पुरस्कार देते हुए कहा, जब मीरा नायर बच्ची थीं तब खुद से पूछती थीं कि क्या कला से दुनिया बदली जा सकती है? उन्होंने साबित कर दिया कि ऐसा किया जा सकता है। और इस प्रकार उन्होंने सिनेमा का बहुत ऊंचा मानक गढ़ दिया। नायर के अलावा सर अन्थोनी हॉपकिंस, केट विंस्लेट, क्लो झाओ, ट्रेसी डीयर और टेरेंस ब्लान्चर्ड को टीआईएफएफ ट्रिब्यूट पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर नायर ने कहा, मैं जब काम करती हूं तो मजा आता है इसलिए मैं टोरंटो फिल्म महोत्सव को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मेरे इस आनंद के लिए मुझे पुरस्कृत किया।

'सकारात्मक और वास्तविक रहना पसंद करता हूं'

कलर्स चैनल पर चल रहे धारावाहिक 'पिंजरा खूबसूरती का' में ओंकार सान्याल का चरित्र निभा रहे साहिल उप्पल ने इसमें अपनी भूमिका, शो के प्रति उनके उत्साह और इंडस्ट्री में बने रहने की इच्छा सहित अन्य विषयों पर अपनी उन्मुक्त राय व्यक्त की। प्रस्तुत है पायनियर संवाददाता **मुस्बा हाशमी** की उनसे बातचीत के अंश-

■ 'पिंजरा खूबसूरती का' में आपकी भूमिका किस प्रकार की है?

मैं इसमें ओंकार सान्याल नामक एक धनी व्यक्ति की भूमिका कर रहा हूं जो खान का स्वामी है। शो में उसके निर्धन से समृद्ध बनने की कहानी है। वो सुंदरता का पुजारी है। वो किसी भी काली वस्तु को सहन नहीं कर सकता यहां तक कि उनका घर भी सफेद रंग से पुता है। इसका कारण है कि निर्धनता के अंधकार में उसका बचपन बीता है। अब वो अपने जीवन में हर वस्तु को सुंदर देखना चाहता है वो जिसे प्यार करे वो भी सुंदर ही होना चाहिये। ऐसे में जब उसने मयूरा को देखा तो उसे वो सुंदरता मिल गई जिसकी उसे चाहत थी। ये कोई प्रथम दृष्टि वाला प्यार नहीं था बल्कि वो ऐसा था कि 'मुझे वो चाहिये'। वो ऐसा ही व्यक्ति है। यदि वो किसी को चाहता है तो उसे किसी न किसी प्रकार पा ही लेता है। लेकिन वो नकारात्मक चरित्र नहीं है। कई लोग उसे ईष्वर मानते हैं क्योंकि वो दयालु है। वो किसी का अनादर नहीं करता अत: आप उसे ग्रे चरित्र कह सकते हैं।

■ इस शो के लिए आपने क्या सोचकर सहमति दी थी?

मैं इस इंडस्ट्री में पिछले सात सालों से हूं और मुझे एक बार भी ऐसा नहीं लगा कि ऑडिशन के बाद मुझे रोल में ले लिया जाएगा। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ कि जब मैंने ऑडिशन किया तो मुझे पूरा विष्वास हो गया था कि ये रोल तो मुझे ही मिलने वाला है। मैं सकारात्मक और वास्तविक रहना पसंद करता हूं। ऐसा भी नहीं है कि मैं अति आत्मविष्वास से पीड़ित हूं। लेकिन न जाने क्यों इस बार मुझे विष्वास हो चला था कि ये रोल कहीं नहीं जाने वाला और मुझे ही मिलेगा। इसके ऑडिषन के बाद मैं छ: मॉक शूट कर चुका हूं लेकिन मेरा आत्मविष्वास वैसा ही बना हुआ है। लॉकडाउन से पूर्व मेरा अंतिम चयन पक्का हो गया था और इसी अगस्त में इसकी शूटिंग प्रारंभ हो गई।

■ जब लॉकडाउन की घोषणा की गई थी उस समय क्या आपको प्रोजेक्ट को लेकर किसी प्रकार की आशंका हुई थी?

जी हां, मैं डर गया था कि अब क्या होगा। न जाने कब अब परिस्थितियां सामान्य होंगी और हम शूटिंग कर पाएंगे क्योंकि शो को लेकर मैं अत्यंत उत्साहित था। अब तक का मेरा ये सबसे बड़ा प्रोजेक्ट था। लेकिन मैं आष्वस्त था कि मेरे पास काम है और कभी न कभी ये प्रारंभ तो होगा ही। ऐसा तो था नहीं कि लॉकडाउन के बाद मुझे काम ढूंढना पड़ता। यही कारण था मैं इसे करना चाहता था और मैंने इसमें कड़ा परिश्रम किया है। लॉकडाउन के कारण मैंने कभी भी आलस या अनमना अनुभव नहीं किया।

■ नोएडा से मुंबई तक की अपनी यात्रा के बारे में बताइये...

पहली बात ये है कि मैं इस इंडस्ट्री के प्रति कृतज्ञता अनुभव करता हूं कि मुझे यहां काम करने का अवसर मिला और आज भी मैं काम कर रहा हूं। मेरा कॅरियर ग्राफ धीमा है लेकिन मैं धीरे लेकिन स्थिरता से आगे बढ़ना चाहता हूं। ये एक विज्ञापन से प्रारंभ हुआ था। उससे पहले तक मैं अत्यंत लजीला व्यक्ति हुआ करता था और अभिनय करने के बारे में तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था। जब मैं कॉलेज में था तब मैंने पैंटालून फैशन हंट का ये विज्ञापन देखा। मैंने भी इसमें पंजीकरण करा लिया। मैं दिल्ली के 10शीर्ष लड़कों में चुन लिया गया और ये प्रतियोगिता अंतत: मैंने जीत ली। इसके बाद ये प्रतियोगिता अखिल भारतीय स्तर पर संपन्न हुई। इसमें मैं दूसरा रनर-अप रहा। दिषा पाटनी तथा पार्थ समथान भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा थे और अंतत: दिशा पाटनी ने ये जीती। पार्थ प्रथम रनर-अप और मैं दूसरा रनर-अप रहा। इसके बाद मुझे लगा कि मैं इस इंडस्ट्री में कुछ कर सकता हूं क्योंकि हर कोई इस इंडस्ट्री का हिस्सा बनने के लिए अधीर रहता है और हीरो बनना चाहता है। इसके अलावा मेरे पिता का समर्थन भी मुझे प्राप्त था क्योंकि वो मुझे अभिनय क्षेत्र में देखना चाहते थे। बस इसी प्रकार मैंने दिल्ली में मॉडलिंग करना प्रारंभ किया और छ: महीने बाद मुझे मुंबई में एक विज्ञापन का ऑफर मिला। मुझे ये भी बताया गया कि यदि मैं इस क्षेत्र में आना चाहता हूं तो मुझे मुंबई आना होगा। मैंने ऐसा ही किया। दिसंबर 2013 में मैं मुंबई आ गया और तब मुझे अनुभव हुआ कि ये इंडस्ट्री वैसी नहीं है जैसी कि ये बाहर से दिखती है। अत: प्रारंभिक दिनों में मैंने कड़ा परिश्रम किया। हर दिन मैं लगभग छ: आडिशन दिया करता था। मुझे मेरा पहला प्रोजेक्ट दो साल के बाद मिला। उसके बाद तो अभिनय करना ही मेरा जीवन और सपना बन गया।

■ क्या कभी आपने इस इंडस्ट्री को छोड़ने के बार में भी सोचा था?

नहीं ऐसा तो नहीं था। क्योंकि जब मैं भूमिकाओं में मेरा चयन होने लगा तो मुझे पता चल गया था कि मुझमें कुछ तो योग्यता है ही अन्यथा सैकड़ों लोगों में से मुझे क्यों चुना जाता। जब भी मैं मॉक शूटिंग के लिए जाता था, मेरे अलावा तीन अन्य लोग होते थे। ये अपने आप में छोटी बात नहीं है। मुझे पूरा विश्वास था कि कभी न कभी मुझे ऑफर मिलेगा ही। इसके अलावा उन दो सालों में मैंने कई ऑडिषन दिये थे। तो मेरे भीतर आत्मविश्वास था। लेकिन मुझे तब निराशा भी होती थी जब मुझे शॉटलिस्ट किये जाने के बाद भी रोल नहीं मिल पाता था।

कलाविद डॉ. कपिला वात्स्यायन का निधन दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। विदुषी, लेखिका और कलाविद डॉ. कपिला वात्स्यायन का दिल्ली स्थित उनके आवास पर बुधवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) के सचिव कंवल अली ने कहा, गुलमोहर एन्क्लेव में आवास पर आज सुबह नौ बजे उनका निधन हो गया। वात्स्यायन, आईआईसी की आजीवन न्यासी थीं। उन्हें 2011 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। वात्स्यायन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की संस्थापक निदेशक थीं। वह राज्यसभा की पूर्व मनोनीत सदस्य थीं और आईआईसी में एशिया परियोजना की अध्यक्ष भी थीं। भारतीय शास्त्रीय नृत्य, वास्तुकला, इतिहास और कला की प्रख्यात विदुषी कपिला वात्स्यायन का जन्म 1928 में दिल्ली में हुआ था और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में परास्नातक की डिग्री ली थी। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा के विषय में अमेरिका के मिशिगन विश्वविद्यालय से परास्नातक की पढ़ाई की थी। वात्स्यायन, कवि और आलोचक केशव मलिक की छोटी बहन थीं। उन्होंने अपने लंबे करियर में कला और इतिहास पर लगभग 20 पुस्तकें लिखी थीं। कला एवं संस्कृति जगत की कई हस्तियों ने ट्विटर और फेसबुक के माध्यम से वात्स्यायन को संस्थान निर्माता के तौर पर याद किया। विख्यात हिंदी लेखक अशोक वाजपेई ने वात्स्यायन के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया। वाजपेई ने फेसबुक पर लिखा, महान विदुषी, रचनात्मक व्यक्तित्व की धनी और संस्थान निर्माता कपिला वात्स्यायन के निधन पर मुझे गहरा दुख पहुंचा है। भारत में सांस्कृतिक जगत ने एक महान व्यक्तित्व को खो दिया। वह कला, विचार और कल्पना के बीच पुल बांधने वाली और इस क्षेत्र में अथक परिश्रम करने वाली महिला थीं। मेरे जैसे कई लोगों के लिए उनका जाना व्यक्तिगत क्षति है। नेता पवन वर्मा ने वात्स्यायन को प्राचीन भारतीय संस्कृति और सभ्यता की सच्ची विदुषी कहा।

सुशांत राजपूत को न्याय के लिए बनाया गया 'जोश ए जहां' गाना

सुशांत सिंह राजपूत की असामयिक मृत्यु के तीन माह बाद इसी सोमवार को 'जोश-ए जहां, नाम से एक नया गाना सामने आया है। ये गाना सुषांत के उन मित्रों को समर्पित है जो उनके लिए न्याय हेतु निरंतर संघर्ष करते आ रहे हैं। गाने के निर्माता निलोत्पल मृणाल ने बताया, '14 सितंबर 2020 को सुषांत की असामयिक मृत्यु को तीन माह पूरे हो जाएंगें। उनके प्रशंसकों के जोष और उत्साह के कारण आज भी उनका प्रकरण जीवंत बना हुआ है। इस 90वें दिन हम इस गाने 'जोष-ए-जहां को उनके सभी प्रशंसकों को समर्पित करते हैं और उनसे आग्रह है कि वे सुशांत को न्याय मिलने तक एकजुट रहें।'

स्वयं को बाहरी नहीं मानतीं अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी का कहना है कि किसी भी इंडस्ट्री में कमियां हो सकती हैं। हम सभी मानव हैं और हमसे त्रुटियां हो सकती हैं हम कई बातों की अनदेखी भी कर जाते हैं लेकिन हमारी इस इंडस्ट्री का एक सुंदर पक्ष भी है। लोग बाहरी और भीतरी की बात करते हैं। लेकिन मैं कह सकती हूं कि यदि मुझे आवश्यकता होगी तो अनेक लोग हैं जिन्हें मैं मदद के लिए बुला सकती हूं। मैं स्वयं को बाहरी नहीं मानती। मेरा मानना है कि ये इंडस्ट्री पूरी तरह से समावेषी है।

क्रिस गेल ने लॉन्च किया अपना म्यूज़िकल वीडियो

वेस्टइंडीज़ क्रिकेटर क्रिस गेल ने ब्रिटिष गायक एवीना शाह के साथ मिलकर एक नया गाना बनाया है। दोनों ने मिलकर इस गाने 'ग्रोव' का म्यूज़िक वीडियो लॉकडाउन की अवधि में विभिन्न देशों में शूटिंग करते हुए बनाया है। जमैका में म्यूज़िक वीडियो की शूटिंग के बाद गेल दुबई चले जाएंगे जहां वो आईपीएल में खेलेंगे। गेल ने बताया, 'मुझे ग्रोव नाम का ये गाना अत्यधिक प्रिय है और ऐसा पहली बार हुआ है कि मैंने किसी महिला कलाकार के सहयोग से ऐसा किया हो। इसके लिए मैं अवीना का कृतज्ञ हूं। मुझे इसकी रिलीज़ की प्रतीक्षा है।' उन्होंने कहा कि इस संगीतमय वीडियो की शूटिंग मेरे लिए एक अच्छा अनुभव रहा क्योंकि इसमें आप जमैका, भारत तथा पश्चिमी ध्वनियों का एक अच्छा मिश्रण पाएंगे।

मैडोना अपनी बायोपिक का करेंगी निर्देशन

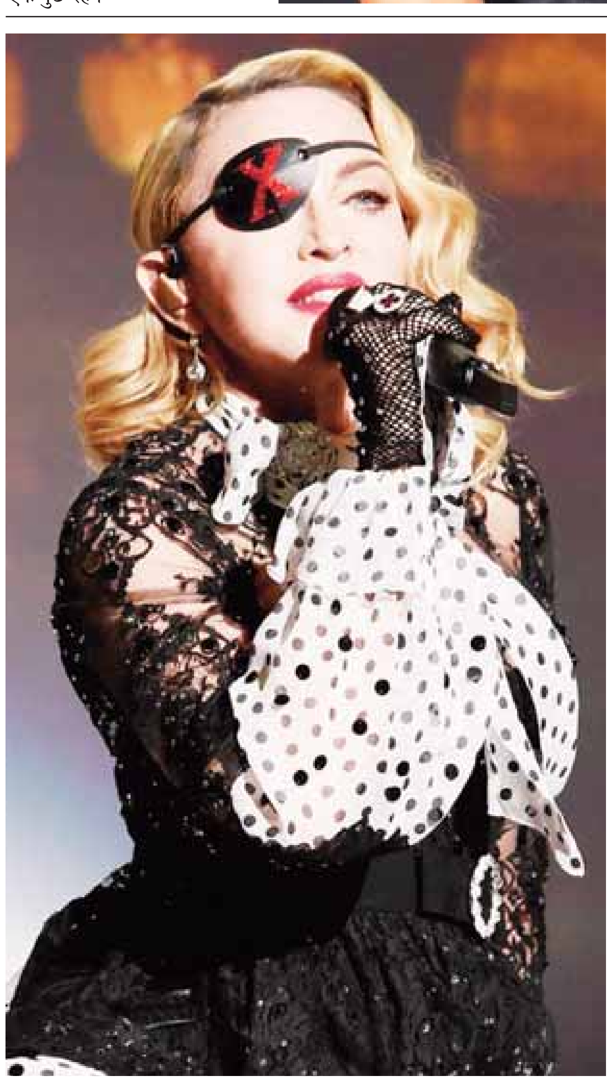

भाषा। लॉस एंजिलिस

पोप गायिका मैडोना अपनी जिंदगी और करियर पर बनने वाली फिल्म का निर्देशन करेंगी। इस फिल्म का प्रचार मैडोना के सोशल मीडिया पेजों पर जोर-शोर से किया जा रहा है। इस फिल्म का सह लेखन ऑस्कर विजेता डियाब्लो कोडी ने किया है। उन्होंने 12 सितंबर को लिखा, क्या आप मेरी जिंदगी की कहानी के लिए तैयार हैं... मैं हूं? बासठ वर्षीय पॉप स्टार ने आखिरी बार 2011 में आई डब्ल्यू. ईं फिल्म का निर्देशन किया था। मैडोना को अपनी पीढ़ी के सबसे प्रभावशाली कलाकारों में से एक माना जाता है और उनका करियर पांच दशक लंबा है। उनकी जिंदगी की कहानी न्यूयॉर्क शहर की झुग्गियों से शुरू होती है, और दुनिया भर में बुलंदी के शिखर पर पहुंचती है। वैराइटी ने खबर दी है कि मैडोना का अपनी जिंदगी पर बनने वाली बायोपिक का निर्देशन करने का फैसला अनूठा है, क्योंकि जब किसी प्रसिद्ध शख्स पर कोई फिल्म बनाई जाती है तो वह पर्दे के पीछे से मदद करता है।

काशी में किन्नरों ने किया त्रिपिंडी श्राद्ध

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मोक्ष की नगरी काशी में बुधवार को किन्नरों ने पिशाचमोचन पोखरे पर त्रिपिंडी श्राद्ध किया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी देशभर से यहां पहुंचे किन्नरों ने पोखरे पर विधि विधान से श्राद्ध कार्य सम्पन्न कराया। कोरोनाकाल में आवश्यक सुझाव का पालन करते हुए किन्नर अखाड़ा के नतृत्व में पिशाच मोचन स्थित घाट पर ज्ञात-अज्ञात पितरों सहित किन्नर गुरुओं के आत्मा की शांति के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध किया। करीब दो घंटे तक चले इस पूजन को मुन्ना लाल पंडा ने विधि-विधान से पूर्ण कराया। इस आयोजन में आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी, देवी पवित्रा, कामिनी माई के साथ दर्जनों की संख्या में किन्नर शामिल हुए। इतिहास में पहली बार महाभारत काल के शिखंडी द्वारा पिंडदान किए जाने के करीब तीन सौ वर्षों के बाद किन्नरों ने अपने पूर्वजों का पिंडदान कर के एक नई परम्परा की शुरुआत की थी। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनके मोक्ष की प्राप्ति के लिए सारे किन्नरों ने विधि-विधान से तर्पण किया। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए किन्नरों ने प्रार्थना की। किन्नर गुरु एकता जोशी की हत्या के लिए भी विशेष पूजन-अर्चन किया गया। हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार, अश्विन माह के कृष्ण पक्ष से अमावस्या तक अपने पितरों के श्राद्ध की परम्परा है। पिंडदान मोक्ष प्राप्ति का एक सहज और सरल मार्ग है। पूजन के दौरान मुख्य आचार्य नीरज पांडेय व सहयोगीजन की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य पंडा पिशाच मोचन आनंद पांडेय, मणिकर्णिका तीर्थ पुरोहित गौरव द्विवेदी व गंगा महासभा के राष्ट्रीय मंत्री मयंक कुमार आदि लोग शामिल रहे।